# हरिभूमि

जबलपुर

रविवार, 14 जुलाई 2024

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"नई शिक्षा नीति से युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय हो रही है। मध्यप्रदेश के युवा गुणवत्तापूर्ण एवं आज के उभरते क्षेत्रों में कौशलवान बनाने वाली शिक्षा से अपना बेहतर कल गढ़ सकें, इसके लिए हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

"एक पेड़ माँ के नाम अभियान"
साढ़े 5 करोड़ पौधरोपण के लक्ष्य की ओर
बढ़ता मध्यप्रदेश

## 11 लाख पौधरोपण कार्यक्रम

अपराह्न 12:30 बजे

रेवती रेंज, बीएसएफ परिसर, इंदौर

आत्मनिर्भर भविष्य की ओर
मूल्य-आधारित शिक्षा की पहल

## समस्त 55 जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ

अपराह्न 2:00 बजे

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर

मुख्य अतिथि

**अमित शाह**

गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता

**डॉ. मोहन यादव**

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

**14 जुलाई, 2024 । इंदौर, मध्यप्रदेश**

### हर जिले में एक शासकीय महाविद्यालय का प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन

- अधोसंरचना विकास के लिए ₹ 336 करोड़ एवं 2232 शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों के लिए ₹ 150 करोड़ वार्षिक स्वीकृत।
- शैक्षणिक गुणवत्ता के उच्च मानकों के लिए शैक्षणिक अमले का मेरिट आधार पर पदांकन एवं प्रशिक्षण।
- स्किल पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों का सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा प्रशिक्षण।
- समस्त कॉलेज होंगे बहुसंकायी।
- समस्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर बायोटेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस एवं संस्कृत विषय होंगे उपलब्ध।
- 07 महाविद्यालय बने यू.जी. से पी.जी.।
- 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में 08 एप्रेन्टिसशिप एम्बेडेड स्किल आधारित स्नातक पाठ्यक्रमों का संचालन।
- 40% रियायती दर पर पुस्तकों के लिए मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के काउन्टर होंगे स्थापित।
- आई.आई.टी. दिल्ली के सहयोग से Artificial Intelligence एवं Fintech with AI, के सर्टिफिकेट कोर्स संचालित होंगे।
- एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल के सहयोग से- एयरपोर्ट वेयरहाउस को-ऑर्डिनेटर, एयरपोर्ट सेफ्टी क्रू, एयरलाइन केबिन क्रू, फ्लाइट डिस्पेचर, एयरलाइन कस्टमर सर्विस एक्जीक्यूटिव, एयरलाइन रिजर्वेशन एजेंट, एयरलाइन फ्लाईट लोड एवं को-ऑर्डिनेटर विषय में सर्टिफिकेट कोर्स।
- प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों के लिए बस सुविधा होगी उपलब्ध।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के अनुरूप महाविद्यालयों में "भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ" की स्थापना।
- पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रीन कैम्पस हेतु "विद्यावन" का चिन्हांकन कर नीम, पीपल, करेज, मौलश्री, गूलर, इमली, महुआ इत्यादि वृक्षों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन

D-11032/24

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

## भयावह बाढ़ से उत्तर प्रदेश में हालात अति गंभीर

# 800 गांव घिरे, 6 की मौत और हजारों लोग पलायन को मजबूर

### भारी बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी से हाइवे बंद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारी बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के बाद उत्तर प्रदेश के कई शहरों में अब बाढ़ का असर विकराल हो रहा है। बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सीतापुर के करीब 250 गांव बाढ़ की चपेट में हैं।

वहीं, लखीमपुर खीरी के 150, शाहजहांपुर के 30, बदायूं के 70, बरेली के 70 और पीलीभीत के करीब 222 गांव की बड़ी आबादी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। बलिया में भी बाढ़ की स्थिति के चलते कुछ घरों के बहने की खबर है।

**मेडिकल कॉलेज परिसर में भरा पानी**

शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में बाढ़ का पानी भरने के बाद मरीजों को आसपास के जिन अस्पतालों में शिफ्ट किया गया था, उनमें भी पानी भरने के बाद समस्या विकराल हो गई। शहर के बाहरी हिस्से में बसी आवास विकास कॉलोनी समेत अन्य निचले इलाकों से करीब 10 हजार लोगों ने पलायन किया है। एनडीआरएफ की टीम ने 225 लोगों को बचाया। बाढ़ से एसएस कॉलेज के पुस्तकालय में रखीं सैकड़ों साल पुरानी पांडुलिपियां नष्ट हो गई हैं। खीरी, शाहजहांपुर और बरेली में बाढ़ ने 6 और लोगों की मौत हो गई।

### पहाड़ी और पूर्वोत्तर के राज्यों में आफत

इस समय लगभग सारा देश मानसूनी बारिश से भीग रहा है। यह बारिश पहाड़ी और पूर्वोत्तर के राज्यों के नागरिकों के लिए आफत बन गई है। उत्तराखंड के जोशीमठ में भू-स्खलन की वजह से बंद बद्रीनाथ हाइवे 83 घंटे बाद खुल गया है। यहां लगभग 4500 यात्री जगह-जगह फंस गए थे। असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार तो हुआ है पर अभी भी 12 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं।

### कई राज्यों में मूसलाधार बारिश दर्ज

पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, असम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी मूसलाधार बारिश रिकॉर्ड की गई है। राजस्थान के नागौर जिले के परबतसार में सबसे अधिक 89 मिलीमीटर और धौलपुर जिले के सेपाउ में 65 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। इस समय असम, महाराष्ट्र समेत कई राज्य बारिश संबंधी गतिविधियों से जूझ रहे हैं।

### आईएमडी ने 23 राज्यों के लिए रेड ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया

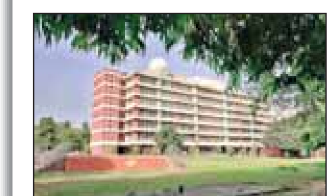

देश के 23 राज्यों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 5दिन बहुत भारी बारिश होने की संभावना है और विभाग ने रेड, ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है।भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में 13, 14, 17 और 18 जुलाई को भारी बारिश हो सकती है। 1-12 जुलाई के बीच राज्य में 81.8 मिलीमीटर बारिश हुई है जो इस अवधि में सामान्य 85.6 मिलीमीटर से चार फीसदी कम है। शुक्रवार को धर्मशाला में सबसे अधिक 12.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे के दौरान मेघालय, गुजरात, कोंकण, गोवा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अच्छी बारिश हुई है। बिहार, पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर ठीक-ठीक बारिश हुई है।

## खबर संक्षेप

### सबरकांठा में चार बच्चों की रहस्यमयी मौत

**साबरकांठा।** गुजरात के साबरकांठा जिले में संदिग्ध चांदीपुरा वायरस के संक्रमण से 4बच्चों की मौत हो गई। 2 का उपचार चल रहा है। चांदीपुरा वायरस बुखार, फ्लू के समान लक्षणों और मस्तिष्क की सूजन का कारण बनता है। यह वायरस वेसिकुलोवायरस जीन का सदस्य है। यह मच्छरों-मक्खियों जैसे रोगवाहकों से फैसला है।

### डांस शो में मुर्गी का सिर काटा, खून चेहरे पर लगाया

**अनकापल्ली ।** आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली में डांस शो के दौरान एक मुर्गी को जान-बूझकर मारने के मामले में कलाकार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। कलाकार ने कार्यक्रम में पक्षी का सिर काटकर उसकी बेरहमी से हत्या की। पशु अधिकार संगठन 'पेटा' की इकाई ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा किया और कहा उसने प्राथमिकी दर्ज कराने के कदम उठाए हैं।

### कर्नाटक आदिवासी बोर्ड के प्रमुख दद्दाल लापता

**बेंगलुरु।** कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दाल कथित तौर पर लापता हैं। ईडी उन्हें बोर्ड में अनियमितता के सिलसिले में हिरासत में लेने की तैयारी में था। कांग्रेस के विधायक बसनगौड़ा दद्दाल बेंगलुरु या अपने पैतृक स्थान रायचूर में अपने आवास पर नहीं मिले। शुक्रवार को एसआईटी के सामने पेश हुए थे।

### केजरीवाल का 8.5 किलो वजन घटाः संजय सिंह

**नई दिल्ली।** आप के राज्यसभा सांसद सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अरविंद केजरीवाल का वजन साढे.8 किलो तक कम होने का मामला उठाया। केंद्र पर साजिश का आरोप लगाया है। संजय शर्मा ने कहा, भाजपा का मकसद प्रताड़ित करना है। सरकार का मकसद केजरीवाल की जिंदगी से खिलवाड़ करना है।

### 35 हजार के लिए चाची ने बेच दी 11 साल की बच्ची

**बेंगलुरु।** कर्नाटक से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। तुमकुर की एक 11 वर्षीय लड़की को उसकी चाची ने कथित तौर पर 35 हजार रुपए का कर्ज चुकाने के लिए बेच दिया था। बच्ची को आंध्र प्रदेश के हिंदूपुर में बेचा गया था। लेकिन तुमकुर सिटी की पुलिस ने उसे सफलतापूर्वक बचा लिया और उसके घर वापस ले आई। नाबालिग मौसी के घर थी।

## आपातकाल पर राउत के बयान से भड़की भाजपा, सुधांशु का कांग्रेस पर हमला

# जयप्रकाश के नेतृत्व में आंदोलन अराजक था? लालू और मुलायम अराजकता का हिस्सा थे?

केंद्र ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया है। इस पर संजय राउत ने केंद्र पर साधा था निशाना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने शनिवार को अपनेबयान में आपातकाल लागू करने के इंदिरा गांधी सरकार के फैसले का बचाव किया। इसके बाद भाजपा को कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर हमला करने का मौका मिल गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि अगर कल को कांग्रेस और इंडी गठबंधन को फिर से सत्ता में आने का मौका मिला तो वे फिर से देश में आपातकाल लागू कर देंगे।

राउत ने कहा कि कुछ लोग देश में अराजकता फैलाना चाहते थे, जिसके चलते आपातकाल लागू किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थिति में अगर अटल बिहारी वाजपेयी भी प्रधानमंत्री होते तो वे भी इमरजेंसी लागू कर देते। राउत पर पलटवार करते हुए भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 'मैं इंडी गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहता हूं कि क्या जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में हुआ आंदोलन अराजकता था? लालू प्रसाद यादव और अखिलेश यादव के पिता मुलायम सिंह यादव अराजकता का हिस्सा थे?

### भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी और शहजाद ने कांग्रेस को सुनाई खरी-खरी

### बोले पूनावालाः बघेल ने कहा था- इंदिरा में हिम्मत थी तो इमरजेंसी लगाई

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राउत के बयान पर कहा कि कांग्रेस कहती है कि हम आपातकाल को लेकर माफी मांग चुके हैं तो फिर इस बारे में बात क्यों कर रहे हो, लेकिन आज ये साफ हो गया है कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन आपातकाल का समर्थन करता है और इसकी निंदा नहीं करता। यहां तक कि भूपेश बघेल ने भी हाल ही में कहा था कि इंदिरा गांधी में हिम्मत थी, तभी उन्होंने आपातकाल लागू किया। कल अगर कांग्रेस और इंडी गठबंधन सत्ता में आ गया तो वे फिर से आपातकाल लागू करेंगे।

### त्यागी ने जयराम पर किया पलटवार

### लोग जेल में सड़ रहे थे, कांग्रेस जश्न में थी

संविधान हत्या दिवस को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप चल रहा है। इस बीच जनता दल यूनाइटेड के नेता केसी त्यागी ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश के ऊपर निशाना साधा है। केसी त्यागी ने कहा कि जेडीयू केंद्रीय मंत्री अमित शाह के इस फैसले का स्वागत करती है। 25 जून 1975 का दिन भारत के इतिहास में एक काला दिन है। उन्होंने कहा कि आज हम सभी बेहद खुश हैं कि इसे संविधान हत्या दिवस के तौर पर याद किया जा रहा है। जयराम रमेश पर निशाना साधते हुए केसी त्यागी ने कहा कि जब उनकी पार्टी जश्न मना रही थी, हम लोग जेलों में सड़ रहे थे। उन्हें हमारे दर्द के बारे में कोई अंदाजा नहीं है।

### संविधान की आत्मा पर प्रहार करने वाले 'संविधान हत्या दिवस' मनाएंगेः प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार और भाजपा पर शनिवार को निशाना साधते हुए कहा कि इसमें आश्चर्य की क्या बात है कि संविधान और लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार करने वाले लोग संविधान हत्या दिवस मनाएंगे। प्रियंका ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत की महान जनता ने ऐतिहासिक लड़ाई लड़कर अपनी आजादी और अपना संविधान हासिल किया है। जिन्होंने संविधान को बनाया, जिनकी संविधान में आस्था है, वे ही संविधान की रक्षा करेंगे।

## वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की समीक्षा

# सरकार देश के सीमांत गांवों के चहुंमुखी विकास को कटिबद्ध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के कार्यान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान गृह मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार देश के सीमांत गांवों के चहुंमुखी विकास के प्रति कटिबद्ध है।

उन्होंने देश के सीमांत गांवों से पलायन रोकने के लिए स्थानीय निवासियों के लिए रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने और गांवों के साथ संपर्क बढ़ाने की ज़रूरत पर बल दिया। इन गांवों में सौर ऊर्जा और पवनचक्की जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य स्रोतों के अधिकतम उपयोग पर ज़ोर देने की आवश्यकता है। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव सहित गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सशस्त्र पुलिस बलों और सेना को सहकारिता के माध्यम से स्थानीय कृषि और हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देना चाहिए।

### बेहतरी के प्रयास जारी रखें

शाह ने सीमांत गावों के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को जारी रखने का निर्देश दिया। इन सीमांत गांवों में अब तक 6000 से अधिक कार्यक्रम हुए हैं जिनमें लगभग 4000 सेवा वितरण और जागरूकता शिविरों का आयोजन शामिल है। रोजगार सृजन के लिए 600 से अधिक परियोजनाओं को भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दी जा चुकी है। साथ ही लंबित मुद्दों के निपटारे के लिए नियमित अंतराल पर उच्चतम स्तर पर समीक्षा पर विशेष जोर दिया।

### कुकी संगठन ने लिखा शाह को पत्र

मणिपुर के प्रमुख कुकी संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम की ओर से शाह को पत्र लिखा गया है। इसमें राज्य में शांति बहाल करने और केंद्र शासित प्रदेश बनाकर राजनीतिक समाधान निकालने की बात कही गई है। जिरीबाम जिले के फैतोल गांव से एक किशोर सहित 2 ग्रामीणों की गिरफ्तारी और केंद्रीय सुरक्षा बलों की ओर से 7 कुकी महिलाओं की पिटाई की निंदा की गई है। इसके साथ ही इन एजेंसियों पर कई आरोप भी लगाए हैं।

## महाराष्ट्र के जलगांव का मामला, यात्री डरे और सहमे रहे

# उर्स में जा रहे थे लोग, चेन पुलिंग की फिर पत्थरबाजी, बंगाल में भी किया पथराव

एजेंसी ▶▶ जलगांव

महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर से एक पैसेजर ट्रेन पर पथराव करने का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें जिसमें साफ दिख रहा है कि पथराव के चलते यात्री डरे हुए हैं जबकि कुछ यात्री खुद को बचाने के लिए खिड़कियों को भी बंद कर रहे हैं। फिलहाल कोई भी यात्री घायल नहीं हुए। पुलिस का कहना है कि इनसे सख्ती से निपटा जाएगा।

पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी

### वीडियो के आधार पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

*वीडियो वायरल होने के बाद आरपीएफ पुलिस, स्थानीय पुलिस और खुफिया टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना 12 जुलाई को सुबह करीब 11 बजे हुई। ट्रेन नंबर 09078 भुसावल से नंदुरबार जा रही थी। ट्रेन अमलनेर के पास एक दरगाह के पास पहुंची और ट्रेन रुक गई। यहां उर्स में शामिल होने के लिए कई लोग ट्रेन में बैठ गए। जब ट्रेन भोरटेक के करीब पहुंची तो लोगों ने उर्स के मेले में शामिल होने के लिए चेन पूलिंग की। ट्रेन करीब 30 मिनट तक यहां रुकी रही। जब ट्रेन चली तो लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी।*

### उधर, चिनपई रेलवे स्टेशन पर इंजन और डिब्बों को क्षतिग्रस्त किया

*चिनपई रेलवे स्टेशन पर एक लोकल ट्रेन पर भीषण पथराव की घटना सामने आई है। इसमें ट्रेन के इंजन और डिब्बों को बुरी तरह नुकसान पहुंचा। यह हमला इसलिए किया गया क्योंकि ट्रेन 'आलम फकीर मेला' मैदान पर नहीं रुकी थी, जो चिनपई और दुबराजपुर के बीच स्थित है। इस घटना ने रेलवे सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। पश्चिम बंगाल किस ओर जा रहा है? इस तरह की घटनाएं राज्य के भविष्य पर प्रश्न चिह्न लगाती हैं। इसके पीछे अराजक तत्वों को माना जा रहा है।*

## अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग का मिला अधिकार

# जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को मिलीं अब दिल्ली के एलजी की तरह शक्तियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अब जम्मू- कश्मीर को भी दिल्ली जैसे संवैधानिक अधिकार मिलेंगे। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को भी अब दिल्ली के एलजी की तरह की प्रशासनिक शक्तियां मिलेंगी। अब जम्मू-कश्मीर में भी सरकार बिना उपराज्यपाल की इजाजत के ट्रांसफर और पोस्टिंग नहीं कर पाएगी।

गृह मंत्रालय ने उपराज्यपाल को अधिक शक्ति देने के लिए जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के नियमों में संशोधन किया। एमएचए ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 55 के तहत संशोधित नियमों को अधिसूचित किया है, जिसमें एलजी को अधिक शक्ति देने वाली नई धाराएं शामिल की गई हैं।

### 12 जुलाई से लागू हो गए

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) की धारा 55 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए नियम में संशोधन को अपनी मंजूरी दे दी है, जिसे अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी 31 अक्टूबर 2019 की उद्घोषणा के साथ पढ़ा गया है। इन नियमों को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर सरकार के कामकाज पर उपराज्यपाल का प्रभाव ज्यादा होगा।

## आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवोव्रत ने जताई उम्मीद

# 7 साल में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत

एजेंसी ▶▶ मसूरी

भारत 2031 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए हमें केवल 2060 तक का समय लगेगा।

यह बात आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवोव्रत पात्रा ने मसूरी में भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। पात्रा ने कहा कि यह कल्पना करना संभव है कि भारत अगले दशक की शुरुआत में ही दुनिया की दूसरी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

### मसूरी में भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया

सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में लगेगा वक्त

### हर साल 9.6 प्रतिशत की दर से बढ़ना होगा

*पात्रा ने कहा, इन लक्ष्यों को हासिल करना है, विकसित अर्थव्यवस्था बनना है तो 10 वर्षों तक 9.6 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से आगे बढ़ना होगा।*

**निम्न मध्यम वर्ग सर्वाधिक क्रांतिकारी कदम उठाएं**

वर्तमान में भारत में निम्न मध्यम वर्ग की संख्या सबसे ज्यादा है। वर्तमान में भारत 3.6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया है। 2500 डॉलर प्रतिव्यक्ति आय पर भारत निम्न मध्यम आय के समूह देशों में आता है। यहां तक पहुंचने के लिए हमने एक कठिन यात्रा का पूरा किया है। भारत को क्रांतिकारी कदम उटाने होंगे।

### देश 2048 तक अमेरिका को अर्थव्यवस्था में पछाड़ देगा भारत

*आर्थिक सहयोग और विकास संगठन का अनुमान है कि पीपीपी के संदर्भ में भारत 2048 तक अमेरिका को पछाड़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ते इन्फ्लेशन के लिए डिप्टी गवर्नर ने कहा कि यह आरबीआई इसे अपने लक्ष्य के अनुरूप करने के लिए प्रतिबद्ध है। 2025-26 तक इन्फ्लेशन कम होकर 4.1 प्रतिशत पर आ जाएगी। इस समय भारत की इन्फ्लेशन दर 4.5 है जो घट कर 4.1 पर आ जाएगी। बैंकिंग प्रणाली भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। जीएनपीए, जो कि मार्च 2018 में अपने चरम से गिरकर मार्च 2024 तक कुल संपत्ति का 2.8 प्रतिशत हो गई है। इस समय पर शुद्ध एनपीए केवल 0.6 प्रतिशत है, जो कि देश के पूंजी और तरलता बफर नियामक मानदंडों से काफी ऊपर है।*

## एमओपीएसडब्ल्यू ने दी शोध की मंजूरी

# ड्रेज्ड सेडिमेंट्स को उपयोगी बना उसका मूल्यवर्धन किया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) ने ड्रेज्ड सेडिमेंट्स (झीलों, नदियों, बंदरगाहों और अन्य जल निकायों के तलछट में जमा गाद, कचरा आदि) के मूल्यवर्धन पर एक शोध प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इसकी लागत 46,47,380 है जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे 3 वर्षों की अवधि में क्रियान्वित करेगा। इस शोध का प्राथमिक उद्देश्य ड्रेज्ड सेडिमेंट्स को विभिन्न निर्माण क्षेत्रों में इस्तेमाल के लायक बनाकर उसका मूल्यवर्धन करना है। इसका उद्देश्य आमतौर पर अपशिष्ट के रूप में देखे जाने वाले ड्रेज्ड सेडिमेंट्स को एक मूल्यवान संसाधन में बदलना है, जिससे सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण में योगदान मिलेगा। अतिरिक्त सचिव की अध्यक्षता में 45वीं शोध समिति की बैठक में गहन विचार-विमर्श किया गया।

जबलपुर
रविवार, 14 जुलाई 2024
- आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष–9
- वर्ष : 19, अंक : 75
- पृष्ठ : 2+12=14 मूल्य : 3 .00 रुपये

मौसम
अधि. 31
न्यून. 26

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार मुंबई पहुंचे पीएम मोदी

## महाराष्ट्र में 29,400 करोड़ के प्रोजेक्ट की रखी आधारशिला

**मुंबई।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मुंबई पहुंचे। पीएम मोदी 29,400 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली अलग-अलग परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री द्वारा मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की ठाणे-बोरीवली और बीएमसी की गोरेगांव मुलुंड लिंक रोड परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने मध्य रेलवे के कल्याण यार्ड रिमॉडलिंग और नवी मुंबई के तुर्भे में गति शक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल की आधारशिला रखी। पीएम मोदी द्वारा लोकमान्य तिलक टर्मिनस में नए प्लेटफॉर्म और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में प्लेटफॉर्म 10 और 11 के विस्तार का भी शिलान्यास किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुंबई में उद्योगपतियों से मप्र में निवेश बढ़ाने किया संवाद

# मप्र में एनर्जी, टूरिज्म, हेल्थ, माइनिंग जैसे सेक्टर में समान रूप से निवेश की हैं अपार संभावनाएं

*निवेश से मप्र होगा सशक्त और देश की जीडीपी बढ़ाने में पूरी सामर्थ्य के साथ करेगा योगदान*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र में लगातार निवेश बढ़ रहा है। उद्योग, व्यापार, व्यवसाय की दृष्टि से मप्र में निवेश के लिए अनुकूल माहौल है। एनर्जी, टूरिज्म, हेल्थ, माइनिंग जैसे सभी सेक्टर में समान रूप से निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य शासन ने बजट में भी उद्योग-व्यापार को प्रोत्साहन देने के लिए पर्याप्त प्रावधान किए हैं।

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश : रोड टू जीआईएस-2025 के लिए हुआ इन्टरेक्टिव सेशन

### सीएम ने की उद्योगपतियों से राउंड टेबल मीटिंग एवं वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से राउंड टेबल मीटिंग एवं वन-टू-वन चर्चा की। उन्होंने उद्योगपतियों से निवेश संबंधी प्रस्तावों, मप्र में दी जा रही सुविधाओं, ईज ऑफ डूईंग बिजनेस से लेकर अन्य सभी मुद्दों पर बात की। इंटरेक्टिव सेशन के शुरूआत में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह ने मप्र की निवेश क्षमताओं संबंधी जानकारी दी।

### भारत, दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऋणमुक्तेश्वर महादेव और सम्राट विक्रमादित्य के संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में सामर्थ्यशाली शासन की परिकल्पना की गई है। हमारी संस्कृति में यह माना गया है कि शासन का भाव उद्दात होना चाहिए।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

## खबर संक्षेप

### क्लैट 2024 के लिए 15 से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

**नई दिल्ली।** वकालत के क्षेत्र में यूजी और पीजी कोर्स में एडमिशन के लिए आयोजित होने वाले कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) 2024 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस शुरू होने की तारीख जारी हो गई है। कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की ओर से कंडक्ट कराई जाने वाली ये परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 जुलाई से शुरू हो रहा है।

### बच्चे को नदी में खींच ले गया मगरमच्छ

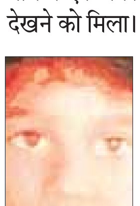

**दमोह।** बनवार थाना क्षेत्र के हटरी गांव में एक मगरमच्छ का आतंक देखने को मिला। यहां व्यारमा नदी में शनिवार की सुबह अपने पिता के साथ नहाने के लिए गए एक आठ साल के कृष्णा पिता अर्जुन लोधी को मगरमच्छ नदी के अंदर खींच ले गया। यह दूसरी घटना है। शुक्रवार को 45 वर्षीय बबलू पटेल पर हमला किया था।

### यौन उत्पीड़न मामले में येदियुरप्पा को राहत

**बेंगलुरु।** कर्नाटक हाई कोर्ट से पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बी वाई येदियुरप्पा को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने येदियुरप्पा को पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में 15 जुलाई को ट्रायल कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की छूट दे दी है। उनके खिलाफ पाक्सो को रद्द करने के लिए हाई कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई 26 जुलाई तक स्थगित कर दी।

भाजपा के कमलेश ने कांग्रेस के धीरन शाह को 3027 वोटों के अंतर से हराया

# आखिरकार ! अमरवाड़ा के 'शाह' बने कमलेश, साख की लड़ाई हारे कमलनाथ

*नतीजे आने के बाद मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा- मैं अपनी ओर से इस जीत पर प्रदेश वासियों और खासकर अमरवाड़ा की जनता को बधाई देता हूं। मैं मुंबई हूं, लेकिन मन अमरवाड़ा में लगा हुआ है। मन है कि कार्यकर्ताओं और जनता के साथ जश्न में शामिल होऊं।*

*कड़े मुकाबले में कांग्रेस के धीरन शाह को हराया*

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए कमलेश एक बार फिर अमरवाड़ा के शाह बन गए। कड़े मुकाबले में उन्होंने कांग्रेस के धीरन शाह को 3027 वोटों के अंतर से हराया। नतीजा इस मामले में दिलचस्प रहा कि कांग्रेस के धीरन मतगणना के 17 वें राउंड तक भाजपा के कमलेश से आगे चल रहे थे।

एक समय वे लगभग 7 हजार वोटों के अंतर से आगे थे लेकिन अंततः 18 से 20 वें राउंड तक वे पराजित हो गए। इस नतीजे के साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ अमरवाड़ा में साख की लड़ाई भी हार गए। कमलनाथ कि सिफारिश पर ही श्रद्धा के केंद्र प्रसिद्ध आंचल दरबार से जुड़े धीरन शाह को कांग्रेस ने मैदान में उतारा था।

सत्रहवें चक्र तक आगे रहने के बाद भी हारी कांग्रेस

भाजपा प्रत्याशी की जीत पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में विजय उत्सव मनाया गया

### कमलेश शाह का मंत्रिमंडल में शामिल होना तय

भाजपा के कमलेश शाह लोकसभा चुनाव के दौरान कमलनाथ का साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। विधानसभा की सदस्यता से भी उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के कारण ही अमरवाड़ा सीट के लिए उप चुनाव हुआ। कमलेश शाह दो बार से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतते आ रहे थे। पहली बार वे भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरे और जीत गए। इस जीत के साथ कमलेश शाह का मंत्रिमंडल में शामिल होना तय माना जा रहा है।

### भाजपा के प्रति जनता के भरोसे की जीतः डॉ. यादव

अमरवाड़ा में भाजपा की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मतदाताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा है कि यह जनता के विश्वास और भाजपा की विचारधारा पर भरोसे की जीत है। डॉ. यादव ने कहा यह जीत बताती है की जनता सरकार और भाजपा संगठन पर भरोसा कर रही है। मैं अपनी ओर से इस जीत प्रदेश वासियों और खासकर अमरवाड़ा की जनता को बधाई देता हूं और आभार मानता हूं।

7 राज्यों की 13 सीटों के नतीजे

## इंडिया गठबंधन ने मारी बाजी, भाजपा को लगा झटका

***भाजपा को 2 का नुकसान, कांग्रेस को 2 का फायदा, टीएमसी ने भाजपा की 3 सीटें छीनीं***

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के 7 राज्यों की 13 सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव में एनडीए करिश्मा नहीं दिखा पाया। 13 में से महज 2 सीटों पर एनडीए को जीत मिली है। बंगाल, उत्तराखंड, बिहार, हिमाचल, पंजाब, तमिलनाडु और मध्यप्रदेश की 13 सीटों पर विधानसभा उपचुनाव हुए हैं। जिनमें से मध्यप्रदेश की अमरवाड़ा और हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट पर ही भाजपा को जीत मिली है। नंबर पर रहीं।

**भाजपा का गढ़ रही देहरा सीटः मायके में सीएम सुक्खू की पत्नी को मिली जीत**
हिमाचल प्रदेश की देहरा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सीएम सुखविंदर सिंह की पत्नी कमलेश ठाकुर ने जीत हासिल की है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी होशियार सिंह को मात दी है। शुरू के पांच राउंड में कमलेश पिछड़ती रहीं। लेकिन उसके बाद में जीत हासिल कर ली।

लोकसभा अध्यक्ष की बेटी को लेकर फर्जी संदेश पर एक्शन

## यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

***पैरोडी अकाउंट से माफी मांगी, मानी गलती***

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महाराष्ट्र की साइबर पुलिस ने यूट्यूबर ध्रुव राठी के पैरोडी (मिलते-जुलते नाम वाले) अकाउंट से आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर केस दर्ज किया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की बेटी के बारे में इससे संदेश पोस्ट किया गया था।

*आपत्तिजनक पोस्ट को यूजर्स ने हटाया*

*पैरोडी अकाउंट से शनिवार को एक और पोस्ट की गई, जिसमें लिखा है, 'मैंने अंजलि बिरला के बारे में अपने सभी पोस्ट को हटा दिया है। मैं माफी मांगता हूं क्योंकि मुझे तथ्यों के बारे में पता नहीं था। मैंने किसी और के ट्वीट की नकल करके इसे साझा किया था।*

वायरल वीडियो पर पुलिस ने लिया संज्ञान

## आईएएस पूजा की मां बंदूक लहराते दिखीं, एफआईआर दर्ज

एजेंसी ▶▶ पुणे

महाराष्ट्र पुलिस ने आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के माता-पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आईएएस अधिकारी के परिजनों पर किसानों को धमकाने का आरोप है। पुलिस ने पूजा की माता मनोरमा खेडकर और पिता दिलीप खेडकर समेत पांच अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 323, 504 और 506 के साथ ही आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियो पर स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई की गई है। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या मनोरमा खेडकर के पास बंदूक का लाइसेंस है या नहीं। एक किसान कुलदीप पासलकर का आरोप है कि मनोरमा खेडकर ने जबरन उसकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की, उन्होंने अन्य किसानों को भी धमकाने का प्रयास किया।

गुना के बीलाखेड़ी का मामला

## चोरी हुए 54 किलो चांदी के जेवरात, खेत में गड़े मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुना

राजस्थान में ज्वेलर्स की दुकान से चोरी किए थे

एक माह पूर्व राजस्थान के मनोहर थाना कस्बे में एक ज्वेलर्स की दुकान से आधा कुंटल से अधिक चांदी के जेवरात चोरी की घटना प्रकाश में आई थी। चोरी गए चांदी के 54.300 किलोग्राम वजनी, कीमत करीबन 53 लाख रुपए के बरामद करने में गुना पुलिस ने कामयाबी हासिल की है।

भोपाल के हैं दोनों युवक

## रेडियोएक्टिव डिवाइस के साथ देहरादून में पकड़ाए दो युवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुंबई स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में डिवाइस की जांच के लिए भेजा

राजधानी के दो युवकों को देहरादून में उत्तराखंड पुलिस ने केमिकल डिवाइस के साथ गिरफ्तार किया है। इनके साथ उत्तरप्रदेश और दिल्ली के 3 और युवक भी पकड़े गए हैं। पुलिस इनके कब्जे से जब्त डिवाइस की जांच करा रही है।

सतना में बड़ा हादसा

## ट्रक ने कार को मारी टक्कर, तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतना

कार सवार सागर और दमोह के रहने वाले हैं मृतक

मझगवां थाना क्षेत्र के भरगंवा मोड़ के सतना-चित्रकूट मार्ग पर शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

दीक्षांत समारोह में बोले सीजेआई चंद्रचूड़

## हिंदी में भी एलएलबी की पढ़ाई हो, हिंदी में भी एडवोकेट बेहतर तरीके से पक्ष रखते हैं

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने लखनऊ में कहा कि हिंदी में भी एलएलबी की पढ़ाई होनी चाहिए। हिंदी में भी एडवोकेट बेहतर तरीके से पक्ष रखते हैं। जज और वकील तो अंग्रेजी को समझ सकते हैं, लेकिन आम आदमी को इसमें दिक्कत है। इसलिए अंग्रेजी के साथ-साथ स्थानीय भाषा में भी फैसले होने चाहिए।

शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ के दीक्षांत सामारोह को सीजेआई संबोधित कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हिंदी में हो रहा अनुवाद

### 37000 निर्णय का अनुवाद हो चुका

चीफ जस्टिस ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में ऐसे कई निर्देश दिए हैं, जिससे न्याय की प्रक्रिया को आम लोगों के लिए आसान बनाया जा सके। इसमें सुप्रीम कोर्ट के अंग्रेजी में दिए गए फैसलों का भारत की विभिन्न भाषाओं में किया जा रहा है।

जयपुर में बोले केंद्रीय मंत्री शिवराज

## लोकसभा चुनाव में विदेशी ताकतों का रहा दखल, राहुल पर भी निशाना

एजेंसी ▶▶ जयपुर

शनिवार आयोजित भाजपा कार्यसमिति की बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। चौहान ने कहा कि लोकसभा चुनावों में विदेशी ताकतों का दखल रहा। यह सच है कि हमारे विरोधियों में विदेशी ताकतें भी शामिल हैं। जो चाहते हैं कि किसी भी तरह से देश में भाजपा की सरकार न रहे। उन्होंने कहा कि राजस्थान भी बदल रहा है लेकिन ये बात कांग्रेस को रास नहीं आ रही है। अभी 99 के फेर की बात कई मित्रों ने की है मैं उसे दोहराना नहीं चाहता लेकिन राहुल बाबा आपको चिंदी मिल गई तो आप बजाज बन गए।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलने की मशीन हो गई है। उन्होंने कहा- राहुल पार्लियामेंट में क्या बोलते हैं हिन्दू हिंसक है!

### विदेशी ताकतों के कारण कम सीटें मिलीं

प्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने लोकसभा चुनावों में राजस्थान के कमजोर प्रदर्शन पर कहा कि इन चुनाव में विदेशी ताकतों के कारण भी हमें कम सीटें मिली। क्योंकि विदेशों में बैठे कुछ लोग, जिनके हित मोदी सरकार की नीतियों के चलते प्रभावित हो रहे थे। वह चाहते थे कि देश में पुरानी सरकार बने और यही वजह है कि विदेशी ताकतों का भी इन चुनाव परिणाम में असर देखने को मिला।

मप्र में कमजोर मानसून से रुक रुककर बारिश, कल से बढ़ेगी सक्रियता

मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

## भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, इंदौर उज्जैन में आज होगी झमाझम बारिश

*मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में सीधी, सिंगरौली, अनूपपुर, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सागर, दमोह में तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में नमी के असंतुलन की वजह से मानसून का प्रभाव कम नजर आ रहा है, जिसकी वजह से कहीं तेज तो कहीं रुक-रुककर बारिश हो रही है। शनिवार को भी प्रदेश के एक दर्जन जिलों में बारिश दर्ज की गई, जबकि रविवार को भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन में मध्यम बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

### ट्रफ लाइन के ऊपर जाने से सिस्टम कमजोर

पूरे प्रदेश में गरज-चमक की स्थिति है, लेकिन मानसून का असर फीका नजर आ रहा है दरअसल मानसून ट्रफ लाइन काफी ऊपर चली गई है। उत्तरी गुजरात में एक सिस्टम है। यही सिस्टम बारिश करा रहा है। शनिवार को मुरैना, शाजापुर, पीथमपुर, विदिशा, धार के मनावर समेत कई जिलों में बारिश हुई। भोपाल में दिनभर धूप-छांव का मौसम रहा। शाम को बारिश होने लगी।

### यहां हुई बारिश, सोमवार को तेज बारिश की उम्मीद

पिछले 24 घंटे में भोपाल, बैतूल, धार, गुना, इंदौर, खंडवा, पचमढ़ी, राजगढ़, रायसेन, रतलाम, शिवपुरी, छिंदवाड़ा, दमोह, खजुराहो, मंडला, आगर-मालवा, देवास, उज्जैन, भिंड, नरसिंहपुर, नौगांव, सागर, सिवनी, सीधी, टीकमगढ़, बालाघाट जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश दमोह में करीब 75 मिमी हुई। राजगढ़ के जीरापुर में 100 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में सीधी, सिंगरौली, अनूपपुर, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सागर, दमोह में तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

- मप्र सरकार पीएम मोदी की चार जातियों गरीब, युवा, महिला व किसानों के लिए कार्य कर रही
- सरकार का बजट 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प की पूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा

# भाजपा सरकार में निवेश डेस्टीनेशन बना मप्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि देश व प्रदेश में पिछले दस सालों में तेज गति के साथ विकास कार्य हुए। उसी कारण लगातार तीसरी बार केंद्र में एनडीए की सरकार बनी और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर देश के विकास को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर हो चाहे हेल्थ सेक्टर या फिर एजुकेशन का सेक्टर, मप्र को अब निवेश के डेस्टिनेशन के तौर पर देखा जाने लगा है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ला शुक्रवार को भाजपा प्रदेश मीडिया सेल में प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस बार सभी 29 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाया गया है। यह रिकॉर्ड हमेशा बने रहे, पार्टी हर चुनाव में इसका प्रयास करेगी। विधानसभ हों या लोकसभा चुनाव, हमें भरोसा था कि केंद्र और राज्य की जनहितैषी योजनाओं के कारण हमें चुनाव में प्रचंड जीत मिलेगी और हुआ भी ऐसा। मप्र भाजपा का गढ़ बन चुका है। इस अवसर प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी एवं मिलन भार्गव मौजूद रहे।

## प्रदेश सरकार ने कृषि के क्षेत्र में तेजी से काम किया: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि जब हमारी सरकार बनी थी तो 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई होती थी। आज 47 लाख हेक्टेयर में सिंचाई हो रही है। आने वाले 2 साल में यह 47 लाख से बढ़कर 60 लाख हेक्टेयर हो जाएगा और 5 वर्षों में एक करोड़ हेक्टेयर में सिंचाई का पानी पहुंचेगा। सरकार ने कृषि क्षेत्र में इस दिशा में बहुत तेजी से काम किया है और कृषि कर्मण अवार्ड लगातार छह बार प्रदेश को मिला है। जो स्थान कभी पंजाब हरियाणा को मिला करता था, वह मध्यप्रदेश को मिलना शुरू हो गया।

## प्रदेश का बजट 5 साल बाद 7 लाख करोड़ का होगा

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि 3 जुलाई को प्रदेश सरकार ने 3 लाख 65 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट पेश किया। यह पिछले बजट की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि थी। आने वाले पांच सालों में बजट का आकार 7 लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा। जब इस तरह का बजट आता है तो इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होता है। हम लोग कभी भूल नहीं सकते कि यह वहीं प्रदेश है, जिसके पास 2003 के पहले सड़कों में गड्ढे भरने के लिए भी बजट नहीं होता था और ओवरड्राफ्ट हो जाता था। प्रदेश में हमारी सरकार आने के बाद लगातार विकास के लिए काम किया गया,उसका यह परिणाम है कि इंफ्रास्ट्रक्चर में ऐतिहासिक काम हुआ है।

## शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यटन के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा मध्यप्रदेश

शुक्ल ने कहा कि मप्र में अगले वर्ष से 6 नए मेडिकल कॉलेज और शुरू होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सरकार ने पीपीपी मॉडल में निजी पूंजी निवेशकों को आमंत्रित करने का फैसला लिया है। आने वाले समय में कुछ जगहों पर इन मेडिकल कॉलेज को जिला अस्पतालों से अटैच किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मप्र में पर्यटन के क्षेत्र में अपार ऋसंभावनाएं है। प्रदेश सरकार की ओर से पर्यटन को बढावा देने के लिए अनेकों कार्य किए हैं। महाकाल लोक बनने से पर्यटन में कई गुना बढोत्तरी हुई है। राम वन गमन पथ के साथ अब श्रीकृष्ण गमन पथ बना रहे हैं।

## 14 जुलाई को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का होगा शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि 4 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड धारक हमारे प्रदेश में हैं। अब तो 70 साल से अधिक उम्र के लोगों को भी इस योजना का लाभ मिल रहा है। हमने संविदा कर्मी, आशा कार्यकर्ता, सहायिकाओं को भी इस योजना में शामिल किया है। हमारी सरकार क्वालिटी एजुकेशन पर फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री ने पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस पर काम किया। 14 जुलाई को केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह इंदौर से इसका शुभारंभ करेंगे। सरकार आने वाले समय में करीब 40 हजार स्वास्थकर्मियों की भर्ती करेगी। इसके कारण मध्यप्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। वहीं प्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।

# कारोबारी पर ताबड़तोड़ फायरिंग निशाने चूके, बाल-बाल बची जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर में एक कारोबारी पर फायरिंग से सनसनी फैल गई। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में कंस्ट्रक्शन कारोबारी प्रह्लाद राय अग्रवाल पर गोली चलाई गई है। बताया जा रहा है कि 2 बार फायरिंग की गई, जिसमें एक हवा में और दूसरी गोली कार पर की गई है, जो शीशे पर लगी।

आशंका जताई जा रही है कि लॉरेंस बिश्नोई और अमन साहू गैंग ने अटैक किया है। घटना के विरोध में दीपक बैज ने कहा है कि सरकार अयोध्या में है और यहां गोलीबारी चल रही है। 24 जुलाई को विधानसभा घेरेंगे।

बताया जा रहा है कि वारदात को कारोबारी को डराने के लिए किया गया है, जिससे वह लेवी की रकम दे सकें। वारदात किन लोगों ने और क्यों की है फिलहाल पता नहीं चल पाया है। वारदात सुबह 11 बजे हुई है। अग्रवाल का ऑफिस तेलीबांधा क्षेत्र के उद्योग भवन के पास है। भागते वक्त बाइक सवार शूटरों की तस्वीर कैमरे में कैद हुई है। दो बाइक सवारों ने गोली चलाई। जानकारी के मुताबिक दो बाइक सवारों ने गोली चलाई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक मुंह पर मास्क लगाकर आए थे। वारदात के बाद भागते हुए कैमरे में तस्वीरें कैद हुई हैं।

### अग्रवाल की कंपनी के पास है सड़क निर्माण का कार्य

बताया जा रहा है कि कारोबारी प्रह्लाद अग्रवाल सूरजपुर जिले के रहने वाले हैं। उनकी और उनके बेटे राजेश अग्रवाल की कंपनी छत्तीसगढ़ की बड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनी है, जो सड़क निर्माण से जुड़े काम करती है। इस कंपनी को झारखंड में भी सड़क निर्माण का काम मिला है।

डॉ. मोहन ने इंदौर संभाग के विधायकों से की चर्चा

# जनप्रतिनिधि अपने दायित्वों के निर्वहन में अधिक प्रभावी, पारदर्शी और दक्ष हों: सीएम

- जनता और प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं जनप्रतिनिधि
- नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए विजन डॉक्यूमेंट करें तैयार
- नगरों में रात्रिकालीन गतिविधियों का हो नियमन
- प्रभावित को तत्काल एयर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराने डॉक्टर-कलेक्टर सम्पर्क में रहें
- अपने क्षेत्रों को आदर्श विधानसभा बनाने कार्य करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनता और प्रशासन के बीच जनप्रतिनिधि की महत्वपूर्ण भूमिका है। अपने दायित्वों के निर्वहन में जनप्रतिनिधि अधिक प्रभावी, पारदर्शी और दक्ष हों। वे जनसामान्य और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय करते हुए निरंतर संवाद बनाए रखें।

अपने विधानसभा क्षेत्रों को आदर्श विधानसभा बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य करें। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, स्वच्छता और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुधार कर नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने पर फोकस करते हुए विधानसभा क्षेत्र का विजन डॉक्यूमेंट तैयार करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को चार वर्षों में समग्र विकास के लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य योजना के संबंध में इंदौर संभाग के विधायकों की बैठक को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में संबोधित कर रहे थे।

## जनप्रतिनिधियों से सलाह-मशविरा कर कार्य योजना बनाकर लागू करें

डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर सहित सभी नगरों में रात्रिकालीन गतिविधियों पूरी रात बाजार खोलने की व्यवस्था का नियमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जनप्रतिनिधियों से सलाह-मशविरा कर कार्य योजना बनाकर लागू करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों में आपदा की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को तत्काल पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टर, जिला कलेक्टर्स के सम्पर्क में रहें। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, वन मंत्री नागर सिंह चौहान, सांसद वीडी शर्मा, पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस, पूर्व मंत्री उषा ठाकुर, इंदौर की पूर्व महापौर मालिनी गौड़, विधायक और अधिकारी उपस्थित थे।

### सेवानिवृत्त पटवारियों और राजस्व निरीक्षकों को संविदा पर रखें

मुख्यमत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा में निराकृत करने के लिए अभियान चलाया जाए। जिलों में राजस्व अमले की कमी होने पर जिलों से सेवानिवृत्त पटवारी, राजस्व निरीक्षकों को संविदा पर रख लंबित प्रकरणों का निराकरण कर जनता को राहत दी जाए। कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि किसी भी स्तर पर राजस्व प्रकरणों के लंबित रहने से आमजन परेशान न हों साथ ही पटवारी अपने मुख्यालय पर उपलब्ध रहना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ-वंश के उचित प्रबंधन के लिए पूर्व में बने कांजी हाऊस की जगह गो-शालाएं स्थापित की जाएं। विशेषकर वर्षा काल में पशुओं की देखभाल के लिए उचित प्रबंध हो।

### दो लाख पदों के लिए शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में एक जुलाई को लागू किए गए तीन नए कानूनों के प्रावधानों की जन-सामान्य को जानकारी देने के लिए थाना स्तर तक गोष्ठियां, सेमिनार आदि किए जाएं। उन्होंने कहा कि जल्दी ही प्रदेश में 7 हजार 500 पुलिसकर्मियों की भर्ती होगी, साथ ही रिक्त दो लाख पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की व्यवस्था के साथ उन्हें आवश्यक प्रोत्साहन भी दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों में मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाएं संचालित करने का कार्य क्षेत्रीय युवाओं को सौंपा जाएगा।

### हितग्राहियों को लाभ दिलाना राज्य शासन की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आयुष्मान योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाना शासन की जिम्मेदारी है। विधायक एवं प्रशासकीय अधिकारी अपने क्षेत्र के अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जांच करें। साथ ही शासकीय योजनाओं का आम जनता को लाभ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अस्पतालों की व्यवस्था को ठीक करने के लिए सीएसआर फंड का भी उपयोग किया जाए।

### जन-सामान्य से जुड़ी संस्थाओं की कार्यप्रणाली के प्रति रहें सजग: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधायक हॉस्टल, आंगनबाड़ियों एवं दीनदयाल रसोई की व्यवस्था सहित वहां उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता के प्रति भी सजग रहें, इनका परीक्षण करते रहें। जन-सामान्य से जुड़ी संस्थाओं जैसे स्कूल, महाविद्यालय, उचित मूल्य की दुकान आदि की कार्य प्रणाली का भी निरीक्षण किया जाए। बैठक में विधायकों ने राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में तय करने, जाति प्रमाण-पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल करने, अन्य राज्यों में इलाज के लिए जाने वाले व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड की सुविधा का लाभ लेने में आने वाली परेशानियों का निराकरण करने संबंधी बिन्दु चर्चा में रखे।

उपमुख्यमंत्री ने की स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांस्प्लान्टेशन ऑर्गेनाइज़ेशन गाइडलाइन की समीक्षा

# अंगदान प्रक्रिया को जन-सुविधाजनक बनाएं: राजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांस्प्लानटेशन ऑर्गेनाइज़ेशन की गाइडलाइन और प्रक्रिया की समीक्षा की। उप-मुख्यमंत्री ने प्रदेश में ऑर्गन और टिश्यू ट्रांस्प्लानटेशन से संबंधित रिट्रियवल, भंडारण, परिवहन और आवंटन प्रक्रिया की वर्तमान गाइडलाइन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रक्रिया को सहज और जन-सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त चिकित्सा शिक्षा तरुण कुमार पिथोड़े सहित सोटो के सदस्य और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि अंगदान जीवनदान है। अंगदान एक महान सेवा है। उन्होंने कहा कि दान किया गया एक अंग किसी के जीवन को नई उम्मीद और खुशियां दे सकता है। अंगदान से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को जीवन का दूसरा मौका मिल सकता है। यह एक सामूहिक प्रयास है, जिससे हम एक बेहतर और स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अंगदान के महत्व के प्रति जागरुकता लाने के लिए प्रयास किए जाएं, ताकि लोग स्वेच्छा से मानवता को सशक्त करने वाले इस पुण्य कार्य के लिए आगे आएं। बता दें कि स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांस्प्लानटेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (सोटो) राज्य सरकार के परामर्श से राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए समन्वय का कार्य करता है। अ

पार्सल छोड़ने डॉक्टर के घर गया था डिलीवरी बॉय

# दो पालतू कुत्तों ने जबड़े से नोंचा डिलीवरी बॉय का हाथ लहूलुहान युवक ने कार पर चढ़कर बचाई अपनी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

डॉक्टर के घर पार्सल छोड़ने गए एक युवक पर पालतू कुत्तों ने हमला कर दिया। 2 पिटबुल डॉग द्वारा किए गए हमले में डिलीवरी बॉय गंभीर रूप से घायल हुआ है। जानकारी के अनुसार अनुपम नगर में युवक सलमान खान पार्सल छोड़ने डॉक्टर के घर आया हुआ था, इसी दौरान पिटबुल ने अपने जबड़े से युवक के हाथों को नोंच दिया। वहीं दूसरा डॉग युवक के पैरों को काटते रहा। ये पूरा मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है। कालीमाता वार्ड के स्थानीय पार्षद अमितेश भारद्वाज ने बताया कि यहां संध्या राव नाम की महिला रहती है जो पेशे से डॉक्टर है। उन्होंने घर में 3 डॉग्स पालकर रखे हैं। इसमें दो पिटबुल ब्रीड और एक दूसरी ब्रीड का है। 2 पिटबुल ने मिलकर किया अटैक शुक्रवार को डॉक्टर संध्या राव के घर वॉलपेपर छोड़ने ऑटो में डिलीवरी बॉय आया था। घर अंदर जाने के लिए दरवाजे के पास वह पहुंचा ही था कि उस पर हमला हो गया। खुले घूम रहे 2 पिटबुल डॉग भौंकते हुए उसके पास पहुंचे और पैर-हाथ को जबड़े में फंसा लिया।

दोनों कुत्तों के अटैक से डिलीवरी बॉय घबराकर बाहर की तरफ भागा। इसके बाद भी डॉग युवक को लगातार काटते रहे। एक पिटबुल ने युवक के हाथों को अपने जबड़े पर दबा लिया। वहीं दूसरे ने उसके पैर को नोंचना शुरू कर दिया।

### पड़ोसियों ने बनाया घटना का वीडियो

इस घटना के दौरान युवक बचाओ-बचाओ कहते हुए जोर जोर से चीखने लगा। आसपास के घरों के लोग बाहर तो निकले लेकिन किसी ने भी पिटबुल के आसपास जाने की हिम्मत नहीं की। इस बीच पड़ोसियों ने घटना का वीडियो भी बना लिया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि किस तरह पिटबुल युवक को काट रहे हैं। युवक अपनी जान बचाते हुए सड़क के किनारे खड़ी एक कार पर चढ़ गया। कार की हाइट अधिक होने की वजह से पिटबुल चढ़ नहीं पाया। युवक के शरीर से इतना खून बह रहा था कि कार पर भी फैल गया। इसे देखकर साफ नजर आ रहा है युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है।

मार्गों पर नगरों की संस्कृति, ऐतिहासिकता तथा विशिष्ट पहचान को दर्शाया जाए

# नगरों के बनेंगे प्रवेश द्वार, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के निर्माण में किसी भी कारण विलंब न हो: डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री ने की राष्ट्रीय राजमार्गों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरों में प्रवेश द्वार बनाए जाएं। राष्ट्रीय राजमार्गों एवं राज्य राजमार्गों के विकास के साथ ही मार्गों पर नगरों की संस्कृति, उनकी ऐतिहासिकता तथा विशिष्ट पहचान को दर्शाते प्रवेश द्वारों का निर्माण किया जाए। यह प्रवेश द्वार नगरों की पहचान बनने के साथ-साथ मार्गों पर निगरानी करने तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी उपयोगी सिद्ध होंगे।

### यह रहे उपस्थित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन में राष्ट्रीय राजमार्गों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव लोक निर्माण डीपी आहूजा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

### प्रक्रिया को गति देने में सड़कों की महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को उन्नत व सुदृढ़ बनाने तथा विकास की प्रक्रिया को गति देने में सड़कों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क निर्माण प्रक्रिया में भू-अर्जन, विभागीय अनुमतियों, भूमि उपलब्ध कराने आदि के कारण किसी भी प्रकार का विलंब न हो। प्रदेश के सुदूरवर्ती अंचलों को राजधानी भोपाल से सीधे जोड़ने के लिए बनाई जाने वाली सड़कों के प्रस्तावों का समय-सीमा में क्रियान्वयन किया जाए। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा में दमोह से शाहगढ़, मुरैना-सबलगढ़, धार-गुजरी, बमिठा-सतना, सतना से चित्रकूट, जबलपुर-दमोह व औबेदुल्लागंज-बैतूल-नागपुर मार्ग के पृथक-पृथक निर्माण स्तर एवं उज्जैन से झालावाड़ मार्ग को टू लेन से फोर लेन करने के संबंध में विचार-विमर्श हुआ।

# भीख मांगकर गुजर-बसर करने वाले दिव्यांग की गला रेंतकर हत्या, पुलिस कर रही मामले की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर चांपा

ग्राम डोंगाकहरौद में धारदार हथियार से गला रेत कर दिव्यांग युवक की हत्या की गई है। शव घर से 50 मीटर दूर तालाब किनारे मिला है। हत्या के बाद शव को घसीटते हुए फेंका गया है। हत्या की वजह अभी अज्ञात है। घटना स्थल का क्राइम सीन एक्सपर्ट की टीम जांच कर रही है।

घटना पामगढ़ थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी अनुसार, मनोज कुमार नट 40 वर्ष जोकि बोल सुन नहीं सकता है वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ तालाब किनारे झुग्गी बनाकर और भीख मांग कर अपने परिवार का जीवन यापन करता था। बीती रात 10 बजे वह घर से खाना खाने के बाद निकाला था जिसके बाद घर वापस नहीं आने पर खोज बीन की मगर कुछ नहीं पता चला था। शनिवार की सुबह 8 बजे तालाब के किनारे मनोज कुमार नट का मृत अवस्था में शव घर से 50 मीटर दूर तालाब के किनारे मिला है। डीएसपी अनिल कुर्रे ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर पामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची हुई थी। क्राइम सीन एक्सपर्ट को भी घटना स्थल में बुलाया गया। जहां आस पास खून के निशान मिले है जिसे जांच के लिए सैंपल को लेकर लैब भेजा जाएगा। शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

हत्या किस वजह से की गई है और हत्या के पीछे कौन है। यह जांच के बाद पता चल पाएगा। क्या किसी से आपसी दुश्मनी, लड़ाई झगड़ा या अन्य कुछ बाते हो सकती है । पुलिस हर एंगल से जांच करेगी जल्द ही हत्यारे को पकड़ लिया जाएगा।

रिटायर्ड कर्मी के मामले में हाईकोर्ट ने दिया आदेश

## दोष मुक्ति दिनांक से ब्याज सहित करो भुगतान

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक अहम आदेश में कहा है कि याचिकाकर्ता की दोष मुक्ति दिनांक से राशि भुगतान दिनांक तक छह फीसदी ब्यॉज सहित राशि का भुगतान एक माह में किया जाये। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने कहा है कि यदि उक्त समयावधि में भुगतान नहीं होता है तो दस फीसदी की दर से भुगतान करना होगा। उक्त निर्देश के साथ न्यायालय ने मामले का पटाक्षेप कर दिया।

यह मामला जबलपुर निवासी सुरेश चंद्र अग्रवाल की ओर से दायर किया गया था। जिनकी ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। जिन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता वर्ष 2003 में सेवानिवृत्त हुआ। सेवानिवृत्ति के दौरान उनके खिलाफ एक दांडिक मामला विचाराधीन था। जिस कारण याचिकाकर्ता के सेवानिवृत्ति देयकों का भुगतान रोक दिया गया था। इसके बाद याचिकाकर्ता वर्ष 2010 में उक्त दांडित प्रकरण से दोषमुक्त हो गया। इसके बाद राशि भुगतान की मांग की गई, लेकिन सरकार ने यह कहते हुए देयकों का भुगतान करने से मना कर दिया कि

दोषमुक्ति आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील विचाराधीन है। जिसके बाद वर्ष 2021 में देयक राशि भुगतान के लिये हाईकोर्ट की शरण ली गई थी। जिसमें कहा गया कि अपील पेश होने के आधार पर भुगतान नहीं रोका जा सकता। जिस पर पर न्यायालय ने आवेदक के पक्ष में राहतकारी आदेश देते हुए 90 दिनों में स्वायत्त देयकों का भुगतान किये जाने के निर्देश दिये थे। जिसके बाद सितंबर 2023 में देयक भुगतान व उपादान राशि का भुगतान आवेदक को किया गया, लेकिन ब्यॉज की राशि प्रदान नहीं की गई। जिस पर पुनः हाईकोर्ट की शरण ली गई। याचिकाकर्ता की ओर से श्री उपाध्याय ने सुकों व हाईकोर्ट के न्याय दृष्टांतों का हवाला देते हुए तर्क दिया गया कि आवेदक दोष मुक्ति दिनांक से ब्याज सहित राशि पाने का अधिकारी है। सुनवाई पश्चात न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि आवेदक सेवानिवृत्ति राशि का दोष मुक्ति दिनांक से राशि पाने अधिकारी था। सरकार अपने कर्तव्यों का पालन करने में असमर्थ रही है।समय पर भुगतान न होने से आवेदक को संवैधानिक अधिकारों से वंचित होने होना पड़ा है। जिसके लिए शासन की जिम्मेदारी है। अतः शासन को निर्देशित किया जाता है कि दोषमुक्ति दिनांक से राशि भुगतान दिनांक तक की संपूर्ण राशि पर छह प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज का भुगतान किया जाये। यदि उक्त भुगतान 30 दिन के अंदर नहीं किया गया तो 10 फीसदी की दर से ब्याज का भुगतान करना पड़ेगा।

## सरकारी जमीन पर बनाया मंदिर, हटवाने लगाई जनहित याचिका

**जबलपुर।** अवैध रूप से मंदिर स्थापित कर नियम विरुद्ध गतिविधियां संचालित किये जाने का आरोप लगाते हुए जनहित याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायाधीश विनय सराफ की युगलपीठ ने मामले में अनावेदकों को जवाब पेश करने के लिए समय प्रदान करते हुए अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है। जनहित याचिका अनुराग सक्सेना की ओर से दायर की गई है। जिसमें कहा गया है कि एमबीईबी कॉलोनी में लगभग तीन सौ परिवार रहते है। कॉलोनी से लगा हुआ 90 प्रतिशत एरिया ग्रीन बेल्ट या वन विभाग में आता है। आरोप है कि अनावेदक ने सरकारी जमीन पर मंदिर का निर्माण किया है। मंदिर में अत्यधिक तीव्र आवाज में लाउड स्पीकर बजाया जाता है। यहीं पर टपरा रख लिया है। यहां अवांछित लोगों का जमघट रहता हैं। याचिका में गृह विभाग, जबलपुर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा सुरेश कुमार अय्यर को अनावेदक बनाया गया था। याचिका की सुनवाई के दौरान अनावेदकों की ओर से जवाब पेश करने समय प्रदान करने का आग्रह किया गया।

कलेक्टर ने पंचायत स्तर पर सौंपी जिम्मेदारियां

## जिले में 16 जुलाई को 11 लाख पौधे रोपे जायेंगे

**जबलपुर।** जिले में 16 जुलाई मंगलवार को वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर जिला मुख्यालय से लेकर पंचायत स्तर तक एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 11 लाख पौधें रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया हैं। इस संबंध में जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना ने यहां नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इन्फारमेंन्स सेंटर में अधिकारियों की एक बैठक लेकर विस्तृत दिनांक से सभी को अवगत कराया। बैठक में कलेक्टर ने एसडीएम मुख्यकार्यपालन और मुख्य नगर कार्यपालिका को जनपद मुख्यालय, नगर पालिका मुख्यालय और ग्राम पंचायत स्तर पर सार्वजनिक स्थलों पर पौधा रोपण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आमजनता को भी आमंत्रित कर उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर ने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति और मार्गदर्शन दें। जिला मुख्यालय वृहद वृक्षारोपण की जिम्मेदारी नगर निगम आयुक्त और वन मंडल अधिकारी को सौंपी गई। पौधा रोपण के लिए गड्ढे खोदने के लिए और उपयुक्त मिट्टी की व्यवस्था करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में वनमंडलाधिकारी द्वारा वृक्षारोपण करने की तकनीक और उसे सुरक्षित रखने के सस्ते और स्थानीय उपाय के बारे में एक (पीपीटी) पावर प्वाइं&ट प्रेजेन्टेशन जारी कर सभी नागरिकों से आग्रह करने के निर्देश जारी किए गए ताकि पौधे सुरक्षित और जीवित रह सके। बैठक में बताया गया है कि वन विभाग और उद्यानिकी विभाग की नर्सरियों में सस्ती दरों पर पर्याप्त संख्या में पौधे उपलब्ध हैं। उक्त नर्सरी रविवार के दिन भी खुली रहेंगी। जिले के समस्त नागरिकों और सरकारी कर्मचारियों से आग्रह किया गया है कि वह वृहद् पौधारोपण कार्यक्रम के पूर्व, अपने घर अथवा समीपस्थ स्थान पर परिवार सहित एक पौधारोपण कर उसका फ़ोटो हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर अपलोड इस अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

याचिका में आरोप, अनावेदकों को जवाब पेश करने मोहलत

## अवैध धार्मिक स्थल बनाकर करते है नियम विरुद्व गतिविधियां

**जबलपुर।** अवैध रूप से मंदिर स्थापित कर नियम विरुद्ध गतिविधियां संचालित किये जाने का आरोप लगाते हुए मामले को जनहित याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। जस्टिस संजीव सक्सेना व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मामले में अनावेदकों को जवाब पेश करने के लिए समय प्रदान करते हुए अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है।

यह जनहित का मामला याचिकाकर्ता अनुराग सक्सेना की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया है कि एमबीईबी कॉलोनी में लगभग तीन सौ परिवार रहते है। कॉलोनी से लगा हुआ 90 प्रतिशत एरिया ग्रीन बेल्ट या वन विभाग में आता है। आरोप है कि अनावेदक सुरेश कुमार अय्यर ने सरकारी जमीन पर सिद्व हनुमान मंदिर का निर्माण किया है। मंदिर में अत्याधिक तीव्र आवाज में लाउड स्पीकर बजाया जाता है। इसके अलावा उन्होंने मंदिर में पास ही सांची पार्लर का टपरा रख लिया है। टपरे से

सिगरेट, गुटखा सहित अन्य नशीला सामान बेचा जाता है। जिसके कारण सांची पार्लर में असामाजिक तत्वों का जमघट लगा रहता हैं। जिसके कारण सड़क से निकलने वाली महिलाओं व कॉलोनी वासियों को परेशानी का सामना करना पडता है। याचिका में गृह विभाग, जबलपुर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा सुरेश कुमार अय्यर को अनावेदक बनाया गया था। याचिका की सुनवाई की सुनवाई के दौरान अनावेदकों की ओर से जवाब पेश करने समय प्रदान करने का आग्रह किया गया। युगलपीठ ने आग्रह को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है।

## अधूरा छोड़ दिया नाला, घरों में घुस रहे जहरीले जीव-जंतु

**जबलपुर।** शहर के साईंधाम कालोनी, नानक नगर मानेगांव में एक वर्ष पूर्व नाले का निर्माण शुरू किया गया था, लेकिन इसे बीच में अधूरा छोड़ दिया गया। अब वर्षा ऋतु में अधूरे पड़े नाले से जहरीले साँप, बिच्छू और गुहेरा निकलकर घरों में घुस रहे हैं। इस स्थिति में नाले के पास रहने वाले आधा सैकड़ा परिवार अत्यधिक परेशान हैं। कई बार शिकायतें करने के बावजूद संबंधित अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में सुनवाई करते हुए, अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के नगर निगम आयुक्त से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में एक माह में प्रतिवेदन मांगा है।

परीक्षार्थियों का नामांकन शुरू

## पैरामेडिकल कोर्स की परीक्षा तीन साल बाद होगी

**जबलपुर।** प्रदेश में नर्सिंग के बाद पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों की परीक्षा में आ रही बाधाएं समाप्त हो रही हैं। लंबित पैरामेडिकल की डिग्री और डिप्लोमा परीक्षा अगले महीने करवाने की तैयारी है। यह परीक्षा तीन वर्ष बाद आयोजित की जाएगी। मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने पैरामेडिकल विद्यार्थियों के नामांकन जारी करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। यह तीन वर्ष से रुकी हुई थी। नामांकन होने से विद्यार्थियों की पात्रता और परीक्षा का मार्ग साफ हो गया है। परीक्षा में विलंब के कारण प्रदेश के लगभग 15 हजार पैरामेडिकल छात्र-छात्राएं परेशान थे। प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों के फर्जीवाड़े के फेर में पैरामेडिकल कॉलेज के सत्र 2021-22 की परीक्षा फंस गई थी। सूत्रों के अनुसार, नर्सिंग के एक आदेश में पैरामेडिकल को सम्मिलित करने से दो वर्ष तक पैरामेडिकल परीक्षा पर अड़ंगा रहा। जैसे-तैसे वह दूर हुआ तो अधूरी संबद्धता शुल्क और जीएसटी का मामला उलझ गया। कॉलेजों द्वारा संबद्धता शुल्क का पूर्ण भुगतान नहीं किए जाने तक विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों का नामांकन रोक दिया था।

### दो वर्षीय पाठ्यक्रम, चौथे वर्ष में पहुंचे छात्र

पैरामेडिकल के अंतर्गत बीपीटी, बीएमएलटी जैसे डिग्री पाठ्यक्रम, डीएमलटी सहित अन्य दो वर्षीय डिप्लोमा और अलग-अलग समयावधि के तकनीकी चिकित्सा डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। परीक्षा में विलंब से डिग्री कोर्स के विद्यार्थियों की चौथे वर्ष में पहले वर्ष की परीक्षा होगी। डिप्लोमा पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं के दो वर्ष की पढ़ाई करते हुए चार वर्ष हो चुके हैं। जबकि इस समयावधि में छात्र-छात्राओं को स्नातकोत्तर की डिग्री मिल जानी थी।

छुटपुट वर्षा से संतोष, उमस हो रही बेलगाम

## आषाढ ने किया निराश सावन से लगी आस

**जबलपुर।** मानसूनी बारिश का दौर कमजोर पड़ गया है। बादल बिखर गये हैं। हवा के कम दबाव का क्षेत्र पश्चिमी मध्यप्रदेश की ओर चला गया है। इसके बावजूद छुटपुट वर्षा का दौर जारी है। शनिवार की शाम को हल्की बारिश के बाद उमस और बढ़ गई। दिन का तापमान अभी भी सामान्य से ऊपर चल रहा है। अषाढ में बारिश औसत रही अब दस दिन बाद सावन का महिना शुरू हो रहा है। सावन में ही जोरदार बारिश की उम्मीद लगाई जा रही है। वहीं मौसम विभाग की माने तो बंगाल की खाड़ी में मानसून का नया सिस्टम बन रहा है, जो अगले 72 घंटों बाद सक्रिय होगा। तब तक छुटपुट वर्षा से संतोष करते हुये, उमस और गर्मी से जनजीवन बैचेन रहने की संभावना है। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार बंगाल की खाड़ी से पानी की खेप लेकर बादल चल चुके हैं। अगले 72 घंटों बाद यहां पहुंचेंगे, तब जोरदार बारिश की उम्मीद की जा सकती है। फिलहाल हल्की बारिश का दौर बीच-बीच में चल सकता है।

मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक और न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 85 प्रतिशत और सायंकाल 82 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.34 मिनिट पर और सूर्यास्त सायं 6.59 मिनिट पर हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान 12.4 मिमि वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 257.9 मिमी (लगभग 10 इंच) दर्ज की जा चुकी है। जबकि गत वर्ष आज के दिन0.8 मिमी वर्षा हुई थी और कुल वर्षा 451.9 मिमी दर्ज की जा चुकी थी। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री दर्ज किया गया। पश्चिमी हवाएं 5-6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलां। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है।

प्रसूता को उठाने न ही कोई अटेंडर था और न ही कोई डाक्टर

## अस्पताल के गेट पर महिला ने दिया बच्चे को जन्म...!

**जबलपुर।** रानीदुर्गावती चिकित्सालय (एल्गिन हॉस्पिटल) में शुक्रवार की रात उस वक्त हड़कम्प मच गया, जब एक महिला ने गेट पर ही बच्चे को जन्म दे दिया। बच्चे के जन्म होने की खबर मिलते ही अस्पताल में डयूटी पर तैनात नर्स सहित अन्य महिला कर्मचारी पहुंचे और महिला व बच्चे को डिलेवरी कक्ष ले गए. फिलहाल जच्चा-बच्चा दोनों ही स्वस्थ है। वहीं प्रसूता के परिजनों ने आरोप लगाया है कि प्रसूता को उठाने न ही कोई अटेंडर था और न हीं कोई डाक्टर। जबकि सीएमएचओ संजय मिश्रा ने इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि महिला 11 जुलाई से अस्पताल में भर्ती थी। चिकित्सों ने उसे आराम करने की सलाह दी थी लेकिन उसने इस सलाह को नजर अंदाज कर बाहर घूमने के लिए चली गई थी इसी दौरान उसे प्रसूति पीड़ा हुई तो वह गेट पर ही बैठ गई और बच्चें को जन्म दे दिया।

बताया गया है कि मदनमहल निवासी करण अहिरवार की पत्नी मोनिका को गर्भावस्था के दौरान प्रसूति के लिए एल्गिन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। प्रसव पीड़ा होने पर जब उसने डॉक्टर से लेकर स्वास्थ्य कर्मियें को आवाज लगाई तो कोई नहीं आया। लिहाजा दर्द से कहारती मोनिका ने गेट पर ही बच्चें को जन्म दे दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि एल्गिन अस्पताल में इलाज के लिए डाक्टर के नही थे। बाद में नर्स सहित अन्य महिला कर्मी आए और महिला व बच्चे को प्रसूति कक्ष में ले गए, जहां पर महिला का इलाज किया गया. फिलहाल जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ्य है।

## यूनिफॉर्म मेला से शहर अभिभावक को मिलेगा लाभ

**जबलपुर।** कलेक्टर दीपक सक्सेना के प्रयास से 27 जुलाई से 31 जुलाई तक यूनिफॉर्म मेला का आयोजन गारमेंट कलस्टर में किया जा रहा है। जीएमडीआईसी ने कहा कि इस यूनिफॉर्म मेला में स्टॉल लगाने के इच्छुक उद्यमी, व्यापारी तथा स्व-सहायता समूहों के सदस्य 15 एवं 16 जुलाई को सायं 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर में जिले के विभिन्न स्कूलों की यूनिफॉर्म, जूते, बैग आदि सामग्रियों के सैंपल का अवलोकन कर सकेंगे। इस दौरान संभावित आवश्यकता का भी प्रदर्शन की जायेगा। जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र द्वारा जिले के स्कूल यूनिफॉर्म से संबंधित समस्त उद्यमियों, व्यापारियों एवं स्व-सहायता समूहों से प्रदर्शन स्थल पर उपस्थित होकर विभिन्न स्कूलों की यूनिफार्म एवं अन्य सामग्री का अवलोकन करने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि स्कूल में अध्यनरत छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को सस्ती दरों पर स्कूल यूनिफॉर्म, जूते एवं बैग आदि सामग्रियां मुहैया कराने के लिए पांच दिवसीय यूनिफॉर्म मेला 27 से 31 जुलाई तक गोहलपुर स्थित रेडीमेड गारमेंट एवं फैशन डिजाइन क्लस्टर में आयोजित किया जाएगा।

मोहर्रम पर्व पर कानून व्यवस्था बनाए रखने रहे अलर्ट

## नशे के तस्करों पर नकेल कसने एसपी के निर्देश

**जबलपुर।** पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने कहा कि नशे के कारोबार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गांजा, स्मैक, नशीलें इंजैक्शन सहित अवैध शराब बेचने वालों पर रोज कार्रवाई की जाए। श्री सिंह ने कहा कि मोहरर्म पर्व पर कानून व्यवस्था बनी रहे। हर संवदेनशील क्षेत्रों और छोटे से छोटे विवादों पर भी तुरंत एक्शन लिया जाए। श्री सिंह यहां कंट्रोल रूम में अपराध समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उपस्थित जिले के पुलिस अधिकारियों से एसपी ने दो टूक शब्दों में कहा कि छोटे बड़े नशे के तस्करों पर प्रतिदिन कार्रवाई की जाए और चाकूबाजों पर नकेल कसी जाए। सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी करने वालों की खैर खबर ली जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि अवैध शराब बेचने वाले, अवैध भंडारण, परिवहन सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर उत्पात मचाने वालों पर नकेल कसें। शिक्षा संस्थानों के आसपास गुमटी, होटलों और दुकानों की सघन चेकिंग की जाए, साथ ही चिन्हित गंभीर अपराध, धोखाधड़ी, सूदखोरी, चिटफंड कंपनी से संबंधित मामले एवं के साथ सुरक्षा के प्रभावी उपाय निर्धारित करें, ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके, उन्होंने ये भी निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की पेंडिंग शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक करें निकाल संपत्ति संबंधी अपराध में मशरूका बरामदगी पर करें फोकस नाबालिगों की दस्तयाबी पर फोकस करें थाना प्रभारी जारी समंस एवं वारंट की प्राथमिकता से हो तामीली सड़क हादसे और हादसों में होने वाली मौत को रोकने एक्शन प्लान जिलाबदर और निगरानीशुदा के घरों की करें चेकिंग एसपी ने कहा कि प्रतिदिन शाम को गणना के बाद अधिक से अधिक बल के साथ थाना क्षेत्र के अपराध संभावित क्षेत्र एवं पूर्व में जहां पर चेन, मोबाइल स्नेचिंग एवं चाकूबाजी की घटनाएं हुई हुई हैं, है. वहां पेट्रोलिंग हो, साथ ही जिलाबदर एवं निगरानीशुदा के घर पर रूटीन चेकिंग की जाए। उन्होंने संपत्ति संबंधी घटित अपराध जिनमें अभी तक आरोपियों का पता नहीं चला है तथा लंबित मर्ग, गुमइंसान के प्रकरणों में अभी तक विवेचना में हुई प्रगति की विस्तृत जानकारी लेकर एएसपी, डीएसपी तथा थाना प्रभारियों को आरोपियों का पता लगाकर उनकी गिरफ्तारी तथा चोरी गई संपत्ति की बरामदगी करने के निर्देश दिए। एसपी ने मजबूत पुलिसिंग एवं सामुदायिक पुलिसिंग के लिए हर गांव में पुलिस को मुखबिर तंत्र मजबूत करने के लिए भी कहा। एसपी ने मोहर्रम को ध्यान में रखते हुए दिशा-निर्देश दिए, बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना, समर वर्मा, एएसपी सूर्यकांत शर्मा, सोनाली दुबे, प्रदीप शेंडे सहित सभी सीएसपी, एसडीओपी व समस्त थाना प्रभारी शहर-देहात मौजूद रहे।

## जन सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विधायक की चुप्पी चर्चा का विषय बनी

# 3 साल से चालू होने की बाट जोह रहा अस्पताल का नया जनरेटर बनकर रह गया शो-पीस

सिहोरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ सुविधाओं को 24 घन्टें उपलब्ध कराने की मंशा से सरकार ने करोना काल में जनरेटर तो उपलब्ध करा दिया लेकिन उसे स्थापित कर अस्पताल की विधुत आपूर्ति सतत करने में प्रवंधन को पसीना आ रहा है। बेहतर विद्युत आपूर्ति के लाये गये जनरेटर के स्थापित न होने के कारण वह शोपीस बनकर रह गया है।

### ज़िम्मेदार जनप्रतिनिधि नहीं दे रहे ध्यान

बिजली कटौती के दौरान जनरेटर बंद रहने से मरीजों को उमस भरी गर्मी में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं फ्रीज कर रखी गई दवाएं भी गर्मी से खराब हो रही हैं। दूसरी तरफ क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधि स्वास्थ्य सुविधा से जुड़े मुद्दों से पल्ला झाड़ रहे हैं।100 बिस्तर वाले सिविल अस्पताल में चिकित्सक कक्ष,कार्यालय कक्ष के अलावा ओटी, लेबर रूम, एक्स रे,जच्चा-बच्चा वार्ड,सामान्य वार्ड, वैक्सीन रूम,वैक्सीन फ्रीज स्थित है। वहीं, रात में जनरेटर के अभाव में पूरे अस्पताल व परिसर में अंधेरा छाया रहता है। लेकिन बिजली गुल होने के बाद मरीजों की मुश्किलों को कम करने के प्रति हमारे क्षेत्रिय जनप्रतिनिधि गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।।

बिजली गायब होने पर भी शांत रहने वाला जनरेटर मुसीबत में सहायक न बनकर व्यवस्था की पोल खोल देता है।

### हल्की बारिश गर्जना से हो जाती है बत्ती गुल

नगर की विद्युत आपूर्ति का आलम यह है की हल्की बारिश गर्जना से विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है। अस्पताल में बिजली कटौती के दौरान बिजली संकट मरीजों के लिए परेशानी का सबब बना है। सभी विद्युत उपकरण बिजली की अभाव में महज शोपीस बनकर रह जाते है।अस्पताल में भर्ती मरीज और उनके परिजन बिजली गुल हो जाने के बाद तन से निकल रहे पसीने के कारण व्याकुल हो जाते हैं। लेकिन व्यवस्था का जिम्मा संभालने वाले फण्ड के अभाव में बेबस नजर आ रहे है।

### 50 केवीए के जनरेटर के लिए पेनल हाउस नहीं

लगभग तीन वर्ष पूर्व सीएचसी की सभी विद्युत संबंधी जरुरतों को पूरा करने के लिए 50 केवीए क्षमता का जनरेटर तो सरकार ने उपलब्ध करा दिया लेकिन पैनल हाउस न होने के कारण जनरेटर अस्पताल की शोभा बढ़ा रहा है।अस्पताल प्रबंधन की माने तो पैनल हाउस के निर्माण हेतु सतत पत्राचार किया जा रहा है। जन सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विधानसभा चुनाव के करीब आठ माह बीत जाने के बाद भी सिहोरा विधायक द्वारा कोई रुचि न लेना और चुप्पी साधे रहना नगर में चर्चा का विषय बना है। साथ ही लोगों में यह भी चर्चा हैं कि वे कुछ लोगों के ही हैं या ? स्थानीय लोगों का कहना है पैनल हाउस जैसी छोटी मोटी आवश्यकता तो विधायक निधि से भी कराई जा सकती है।

# या अली या हुसैन के बुलंद नारों से निकली टिपारियां, कचहरी दरगाह में पेश की हाजरी

**जबलपुर**। शहादत के पर्व मुहर्रम की 5 तारीख को शहर के विभिन्न स्थानों से रात्रि में इशा की नमाज के बाद फूलों से सजी हुई हिंदू, मुस्लिम मुजावरों की टिपारियां अक़ीदत से निकाली गईं। टिपारियों के जुलूस में बाबा साहिबान पर हाल की आमद थी। अक़ीदतमंद अपने बच्चों को लेकर बाबा साहब के सामने हाजरी पेश कर दुआएं ले रहे थे। जुलूस में शामिल अक़ीदतमंद या अली या हुसैन का नारा बुलंद कर रहे थे। ढोल, शहनाई, बैंड बाजों के साथ निकले टिपारियों के जुलूस विभिन्न मार्गो से गश्त उपरांत हाई कोर्ट के सामने स्थित हजरत ख़्वाजा अमीनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला अलैह कचहरी वाले बाबा साहब की दरगाह पहुंचे। जुलूस मार्गो में टिपारियों के जुलूस जहाँ जहाँ से निकले वहां के निवासी अपने घरों से बाहर आकर बाबा साहिबान को अपने मन की मुरादें बता रहे थे। बाबा साहब मुराद पूरी होने की दुआ दे रहे थे। कचहरी दरगाह में रात्रि 9: 30 बजे अक़ीदतमंदों का जमावड़ा शुरू हो गया था। टिपारियों के जुलूस पहुंचने पर सज्जादानशीन बाबर खाँ बन्दानवाजी एवं ख़ादिम ए आला चंगेज खान अशरफी ने परंपरानुसार बाबा साहब लोगों का इस्तक़बाल किया। इस मौके पर दरगाह शरीफ में आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गई एवं लंगर तकसीम किया गया। बैंड बाजों पर बज रही मुहर्रम की धुनों पर अक़ीदमंदों ने नजराना पेश किया। अर्धरात्रि तक टिपारियों के जुलुस दरगाह में हाजरी पेश करने पहुंचे।

इसी प्रकार गढ़ा में भी टिपारियों के जुलूस रात्रि 9. 30 बजे निकाले गये। मुस्लिम धर्मावलम्बियों के साथ हिंदु धर्मावलंबी भी जुलूस में शामिल हुए। हाजी डॉ. सैय्यद मकबूल अली कादरी बाबा के इमामबाड़े का जुलूस अपनी पूरी अक़ीदत के साथ निकला।

# उपचार के अभाव में गायों की स्थिति मरणासन्न

**जबलपुर**। तिलवारा स्थित गौ सेवा केंद्र में पीपल पीस फाउंडेशन की अध्यक्ष अमरजीत कौर एवं टीम ने गौ शाला की अवस्था देखकर गौ संरक्षण एवं संवर्धन करने वालों को लेकर उठाए सवाल जिस तरह से जबलपुर में आए दिन सड़क में एक्सीडेंट से घायल होकर गाय उपचार हेतु गौ सेवा केंद्र तिलवाड़ा पहुंचती है जहां पर अमरजीत कौर ने देखा वहां की व्यवस्था है बिल्कुल सुस्त पड़ी है नगर निगम जबलपुर के द्वारा गौशाला की देखरेख एवं उपचार हेतु डॉक्टर एवं सहायक कर्मियों की नियुक्ति यहां पर पर्याप्त मात्रा में नहीं है, मात्र एक डॉक्टर वहीं के कर्मियों को लेकर उपचार करता है, अंदर आईसीयू में जाकर जब देखा गया तो वहां पर भी सैकड़ों की तादाद में गाय मरणासन्न स्थिति में पड़ी थीं उपचार के अभाव में मारती हुई गाय को देखकर अमरजीत कौर ने शासन से गुहार लगाई है कि जहां सरकार एक तरफ गौ सुरक्षा की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ प्रशासन की लाल फीताशाही का अंजाम तड़पती प्राण त्यागती गायों को देखकर लग रहा है किस प्रकार से बड़े बड़े दावे खोखले हैं पीपल पीस फाउंडेशन की अध्यक्ष अमरजीत कौर ने प्रशासन से गुहार लगाई कि जल्द से जल्द इसकी सुरक्षा एवं व्यापक व्यवस्था की जाए। गौ शाला में स्थिति जानने पीपल पीस फाउंडेशन की अध्यक्ष अमरजीत कौर के साथ फाउंडेशन मेम्बर दीपमाला, अनिल पहलवान तथा अन्य साथी उपस्थित रहे।

### अग्रवाल समाज के पदाधिकारी नियुक्त

**जबलपुर**। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग एवं गोपाल गोयल द्वारा जबलपुर अग्रवाल सभा के सचिव अनूप अग्रवाल को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर समाज के सभी अग्रजनों यतीश अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल बाबा, गोपाल खजांची, श्रीमती कमलेश अग्रवाल, रमेश गर्ग, पीके अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल सहित उपस्थित सभी अगर बंधुओं ने जोरदार तालियों से उनको यह जिम्मेदारी सौंपने पर हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई दी।

## डीआरएम आफिस सहित पूरे रेल मंडल में जोरदार प्रदर्शन

# एनपीएस के खिलाफ रेलवे यूनियन ने भरी हुंकार

**जबलपुर**। न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) के खिलाफ रेलवे एम्पलाईज यूनियन (डब्ल्यूसीआरईयू) ने डीआरएम सहित पूरे रेल मंडल में कल जोरदार प्रदर्शन किया। रेल कर्मचारियों ने पुरानी गारंटीड पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू करने की मांग की। यूनियन के नेताओं ने सरकार को चेताया कि यदि ओल्ड स्कीम पेंशन लागू नहीं की गई तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। आल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) के आव्हान पर वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन (डबलूसीआरईयू) द्वारा आयोजित प्रदर्शन में कर्मचारियों ने जबरदस्त एकता दिखाई। एप्लाईज यूनियन के मंडल सचिव कामरेड रोमेश मिश्रा ने बताया कि अभियान में शुक्रवार को जबलपुर मंडल के सभी स्टेशनों एवं कार्यस्थलों पर यूनियन की यूथ विंग के कार्यकर्ताओं ने दिनांक 01 जनवरी 2004 के बाद भर्ती कर्मचारियों के साथ प्रदर्शन किया. जबलपुर प्रॉपर की सभी शाखाओं के युवा कर्मचारी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में एकत्रित हुये एवं न्यू पेंशन स्कीम के खिलाफ द्वार सभा की।

### एनपीएस एक छलावा : शुक्ला

इस मौके पर यूनियन के मंडल अध्यक्ष, का. बी.एन. शुक्ला, ने कहा कि एनपीएस एक छलावा है. रेल कर्मचारियों को पुरानी पेंशन से कम कुछ भी मंजूर नहीं है. मीडिया में 50 प्रतिशत पेंशन देने की बात फैलाई जा रही है, किन्तु बिना महंगाई राहत (डीएआर) के पेंशन का कोई लाभ नहीं होगा। मनीष यादव ने कहा कि न्यू पेंशन स्कीम हटाकर सभी के लिए गारंटीड पेंशन स्कीम लागू करने के लिये वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन ने आर-पार के संघर्ष की भूमिका तैयार कर ली है एवं युवा शक्ति के बल पर इस आंदोलन को मजबूती प्रदान कर गारंटीड पेंशन मिल जाने तक यह संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही केन्द्र सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों, रेलवे में रिक्त पदों को भरने में हो रही देरी, 8 वॉ वेतन आयोग गठित न करने वेतन आयोग इत्यादि को लेकर भी केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला।

# "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान में रोपे पौधे

**जबलपुर**। "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत सदर एपीएन स्कूल के सामने पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 51 पौधे रोपे गए। कार्यक्रम का संयोजन मयंक श्रीवास्तव द्वारा किया गया। केंट विधायक अशोक रोहाणी के नेतृत्व में केंट विधानसभा में हर सप्ताह पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर आशीष राव, डॉ. जय रोहाणी, देवल मिश्रा, अभिजीत सोनी, सुंदर अग्रवाल, संजय जैन, आसिफ कुरैशी, हेमंत केशरवानी, सोनू रजक सहित बड़ी संख्या में युवा साथी, महिला मोर्चा एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

### विद्यासागर सेवाश्रम समिति का वृहद् पौधारोपण आज

**सिहोरा**। पर्यावरण को दूषितमुक्त करने के लिए शासन द्वारा चलाये जा रहे अभियान एक पेड़ माँ के नाम की तर्ज़ मैं विधासागर सेवा आश्रम समिति गौशाला सम्मेदगिरी गोसलपुर द्वारा एक पेड़ गौ माता के नाम के तहत एक वृहद् पौधारोपण एंव संगोष्ठी का कार्यक्रम का आयोजन आज रविवार को किया जा रहा है। समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम मैं 1100 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। आयोजन में सांसद आशीष दुबे के मुख्य आतिथ्य,संतोष बरकडे विधायक के विशिष्ट आतिथ्य एंव पूर्व मंत्री शरद जैन की अध्यक्षता में किया जा रहा है। समिति ने सभी नगर वासियों से अधिक से अधिक संख्या मैं पहुंच कर एक पेड़ गौ माता के नाम लगाने मैं सहयोग कर पुण्यलाभ कमाने एंव पर्यावरण को बचाने की अपील की है।

# कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर हुई संगठन की महत्वपूर्ण बैठक

**जबलपुर**। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि 13 जुलाई को संगठन की बैठक आयोजित की गई जिसमें कर्मचारियों की लंबित मांगों/ समस्याओं के निराकरण हेतु विचार विमर्श कर रणनीति तैयार की गई, जैसे कर्मचारियों की वेतन विसंगति, उच्च पद प्रभार, अध्यापक संवर्ग की क्रमोन्नति, गृह भाड़ा भत्ता, चतुर्थ समयमान वेतनमान एवं इसके साथ ही नवीन भर्ती एवं स्थानांतरण के पूर्व स्थानीय स्तर के स्थानांतरण किए जाने संबंधित पहलुओं पर विचार किया गया, यदि लंबित मांगों का निराकरण नहीं होता है तो आगामी समय में आंदोलन के लिए संगठन बाध्य होगा। बैठक में अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, दिनेष गौड़, राकेष श्रीवास, हेमन्त ठाकरें, विनोद सिंह, गुडविन चार्ल्स, राज़ेश सहरिया, फिलिप अन्थोनी, अफरोज खान, देवेन्द्र पटेल, रवि जैन, नेत राम, नीरज मरावी, वीरेन्द्र श्रीवास, विनय रामजे, सहित अन्य सम्मिलित हुए।

# रोटरी क्लब के नवनियुक्त सदस्यों ने ग्रहण की शपथ

**जबलपुर**। लेनार्ड एचएस स्कूल सिविल लाइन में रोटरी इंटरेक्ट क्लब के नवनियुक्त सदस्यों को एक कार्यक्रम में शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अशोक रोहाणी विधायक केंट, विशेष अतिथि आरटीएन अखिलेश बादशाह पीपी, रोटेरियन आशीष जैन अध्यक्ष रोटरी क्लब एक्सीलेंस जबलपुर, आरटीएन अशोक साहू सचिव रोटरी क्लब एक्सीलेंस जबलपुर, आरटीएन डॉ. एमएलवी राव, आरटीएन मयंक ठाकुर पीपी और एलजी लोबो प्रिंसिपल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। डायस पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत इंटरेक्ट क्लब के सदस्यों और शिक्षण कर्मचारियों द्वारा गुलदस्ता भेंट कर किया गया। क्लब प्रभारी स्वाति पांडे और मिस पूजा वी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। शौर्य पांडे सचिव आरआईसी ने इंटरेक्ट क्लब की सामाजिक और धर्मार्थ गतिविधियों की एक संक्षिप्त रिपोर्ट दी जो पिछले वर्ष 2023-24 के दौरान रोटरी इंटरेक्ट सदस्यों द्वारा दी गई थी। कार्यक्रम जोस पप्पेन और सुश्री नीलिमा स्वामी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जबकि कार्यक्रम की एंकर श्रीमती मोनिष्का थीं।

**श्रीमती रीता देवी**- संजीवनी नगर नब्बे क्वाटर निवासी श्री केशव प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती रीता देवी (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती तृप्ति धर**- गुप्तेश्वर एमजीएम स्कूल के पास निवासी श्री डीके धर की धर्मपत्नी श्रीमती तृप्ति धर (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री ओम प्रकाश मेहता**- आदर्श नगर नर्मदा रोड निवासी श्री ओम प्रकाश मेहता का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री प्रेम सिंह**- प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास निवासी श्री प्रेम सिंह (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती लीला रजक**- सिविल लाइन निवासी श्री सदन लाल रजक की धर्मपत्नी श्रीमती लीला रजक का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री विजय गुप्ता**- लक्ष्मी कॉलोनी गली नं. 4, हाथीताल निवासी श्री विजय गुप्ता (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्रीमती पद्मिनी पिल्ले**- गौर निवासी श्रीमती पद्मिनी पिल्ले (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री अमित पटेल**- बेलबाग थाने के सामने निवासी श्री अमित पटेल (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री अविनाश पटेल**- कृष्णा कॉलोनी शीतलामाई वार्ड निवासी श्री रामलाल पटेल के पुत्र श्री अविनाश पटेल (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री लक्ष्मण प्रसाद राय**- लक्ष्मी कॉलोनी हाथीताल निवासी श्री लक्ष्मण प्रसाद राय (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री हेमेंद्र कुमार**- महाराजपुर कमानिया निवासी श्री हेमेंद्र कुमार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती लक्ष्मी रजक**- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री राजेंद्र रजक की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी रजक (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती सुनीता बाई राठौर**- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री नत्थू राठौर की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता बाई राठौर (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री नरेंद्र कठेरिया**- ओम कला मंदिर रोड चांदमारी लालमाटी निवासी श्री नरेंद्र कठेरिया (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती चांदनी सिरमोलिया**- रांझी गांधी व्यायाम शाला के पास निवासी श्री नारायण सिरमोलिया की धर्मपत्नी श्रीमती चांदनी सिरमोलिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में हुआ।

**श्रीमती निकिता चौधरी**- पुरानी बस्ती कांचघर निवासी श्री सुमन चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती निकिता चौधरी (20) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री कोमल कोरी**- तिलहरी फे स वन निवासी श्री कोमल कोरी (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती रामकली बाई सोंधिया**- बर्न कम्पनी हाट बाजार के पास कांचघर स्टेशन रोड निवासी श्री मोहन लाल सांधिया की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली बाई सोंधिया (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

**श्री डीके भट्टाचार्य**- वेस्ट लैंड खमरिया निवासी श्री डीके भट्टाचार्य (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती कृष्णा स्वामी अम्मा**- बाजपेयी कम्पाउंड सदर निवासी श्री मुत्थुस्वामी की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा स्वामी अम्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

**श्रीमती आशा गुप्ता**- कृषि नगर कॉलोनी अधारताल निवासी श्री राधेश्याम गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती आशा गुप्ता (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री पुरुषोत्तम बर्मन**- ग्वारीघाट जैन मंदिर के पास निवासी श्री पुरुषोत्तम बर्मन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

| | | | |
|---|---|---|---|
| फिक्स साइज:- | 8x4 से.मी. | ब्लैक&व्हाईट | 300/- |
| फिक्स साइज:- | 8x4 से.मी. | रंगीन | 400/- |
| फिक्स साइज | 10x8 से.मी. | रंगीन | 1000/- |

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

### अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नवीन कार्यकारिणी गठित

**सिहोरा**। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नवीन कार्यकारिणी 2024,25 का गठन जनपद अध्यक्ष श्रीमती रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह जयराज सिंह की उपस्थिति में किया गया।इसमें नगर अध्यक्ष निशांत वात्री एंव नगर मंत्री सुधीर बर्मन को बनाने के साथ अन्य कार्यकर्ताओं को नवीन जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्य अतिथि श्रीमती अग्निहोत्री ने कहा की विद्यार्थी परिषद छात्रहित राष्ट्रीय समाज क्षेत्र के लिए तात्पर्य रहता है सभी छात्रों को संगठन की प्रथम पंक्ति में खड़े होकर राष्ट्र सेवा करनी चाहिए तो वहीं संघ के जिला कार्यवाह ने कहा की जब कश्मीर में आतंकवादियों ने कहा था कि किसकी मां ने दूध पिलाया है जो यहां भारत का राष्टीय ध्वज फहराएगा तब 1919 में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने अपनी जान की परवाह न करते हुए कश्मीर के लाल चौक में राष्टीय तिरंगा फहराने का काम किया ।

# लोकतंत्र सेनानी संघ 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनायेगा

**जबलपुर**। 25 जून, 1975 को तत्कालीन सरकार द्वारा भारतीय संविधान का अपमान करते हुए देश पर आपातकाल थोपने का अत्यंत निंदनीय कृत्य किया गया था, सत्ता के घमंड में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा संविधान की हत्या का दुस्साहस लोकतंत्र पर काले धब्बे के रूप में याद किया जाएगा, केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय स्वागत योग्य है। यह निर्णय आपातकाल के उस काले दौर में देश के लोकतंत्र की रक्षा करने हेतु अनेक यातनाएं सहकर भी तानाशाही का प्रतिकार करने वाले समस्त आंदोलनकारियों के महान योगदान का स्मरण कराएगा, इस ऐतिहासिक निर्णय हेतु केंद्र सरकार का हार्दिक आभार! आभार केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भारत सरकार का आभार। कैलाश सोनी अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकतंत्र सेनानी संघ, तपन भौमिक अध्यक्ष मध्य प्रदेश लोकतंत्र सेनानी संघ, संतोष शर्मा कोषाध्यक्ष, अध्यक्ष सुरेंद्र द्विवेदी, महामंत्री अंजनी कुमार अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी संघ जबलपुर, एडवोकेट पीसी पालीवाल, चौधरी नारायण सिंह, डॉ. रविकांत राय, डॉ. पीसी सेठ, शंभू नारायण शर्मा, पंडित रमाकांत शर्मा कार्यालय मंत्री, मेंबर पटेल, रूप किशोर प्यासी, सोहन लाल सिद्धे हैं।

### त्रिशूल दीक्षा एवं शौर्य यात्रा का आयोजन आज

**जबलपुर**। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल त्रिशूल दीक्षा एवं शौर्य यात्रा का आयोजन दिनांक 14/7/24को दोपहर 2:00 बजे से मानस भवन प्रांगण में आयोजित है जिसमें विशिष्ट अतिथि आचार्य राकेश आर्य एवं अम्बरीष सिंह केंद्रीय मंत्री विश्व हिंदू परिषद मुख्य वक्ता होंगे। शौर्य यात्रा मानस भवन प्रांगण से प्रारंभ होकर तीन पत्ती, मालवीय चौक, बड़ी ओमती, घंटाघर, तैयब अली पेट्रोल पंप, ज्योति टॉकीज चौराहे से तीन पत्ती से होते हुए मानस भवन प्रांगण में संपन्न होगी, समस्त सनातनी बंधु सादर आमंत्रित हैं।

# कुछ म्यूचुअल फंड ने दिया 48% से ज्यादा रिटर्न

## निवेशकों को कर रहे मालामाल, आप भी कर सकते हैं निवेश, कोई भी निवेश करने से पहले खुद की रिस्क क्षमता जांच लें लक्ष्य तय कर लंबी अवधि के लिए निवेश का प्लान बनाएं, धैर्य और संयम के साथ निवेश करें, अच्छा मुनाफा मिलेगा

अगर आप भी निवेश करने जा रहे हैं जो एक बार बाजार के बारे में रिसर्च कर लें। इसके बाद निवेश के लिए उतरेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अपने लक्ष्य तय कर धैर्य और संयम के साथ निवेश करें और मजबूती के साथ बाजार में उतरें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और जल्द अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकेंगे। बाजार में पैसे लगाने वाले ज्यादातर इनवेस्टर्स की दिलचस्पी सबसे बढ़िया प्रदर्शन कर रहे शेयरों में रहती है, लेकिन कुछ म्यूचुअल फंड्स ऐसे हैं, जिनमें ऐसे स्टॉक्स पर फोकस करके निवेश किया जाता है, जिनका प्रदर्शन फिलहाल खराब चल रहा हो। अपने इस उल्टे मिजाज की वजह से ही इन्हें कॉन्ट्रा म्यूचुअल फंड का नाम दिया गया है। कॉन्ट्रा फंड्स के मैनेजर्स को ऐसे ही स्टॉक्स की तलाश रहती है, जो फंडामेंटल्स के लिहाज से स्ट्रॉन्ग होते हुए भी कमजोर प्रदर्शन कर रहे हों। इसके पीछे सोच यह रहती है कि फिलहाल कमजोर दिख रहे ऐसे स्टॉक्स में पिछले रुझान को पलटकर शानदार रिटर्न देने की क्षमता छिपी रहती है। पिछले 1 साल में कॉन्ट्रा फंड्स की थीम वाले सभी म्यूचुअल फंड्स ने 48 फीसदी या उससे ज्यादा रिटर्न देकर इस बात को सच साबित किया है। ऐसे में इन फंडों में निवेश बढ़िया रिटर्न दिला सकता है और आपको जल्द अमीर बना सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

### कॉन्ट्रा फंड्स का शानदार प्रदर्शन

भारत में कॉन्ट्रा फंड्स की सोच को फॉलो करने वाली म्यूचुअल फंड स्कीम्स की संख्या ज्यादा नहीं है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के मुताबिक देश में फिलहाल ऐसी कुल तीन स्कीम चल रही हैं।

### ये हैं तीन स्कीमें

1. एसबीआई कॉन्ट्रा फंड
2. इनवेस्को इंडिया कॉन्ट्रा फंड
3. कोटक इंडिया कॉन्ट्रा फंड

*(इन तीनों ही स्कीम ने पिछले 1 साल में रिटर्न के मामले में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। ये तीनों स्कीमों ने 48 फीसदी से अधिक रिटर्न देकर निवेशकों को चौंका दिया है।)*

### ऐसा रहा प्रदर्शन

#### एसबीआई कॉन्ट्रा फंड

- 1 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 48.40%
- 3 साल का औसत वार्षिक रिटर्न (डायरेक्ट) : 30.51%

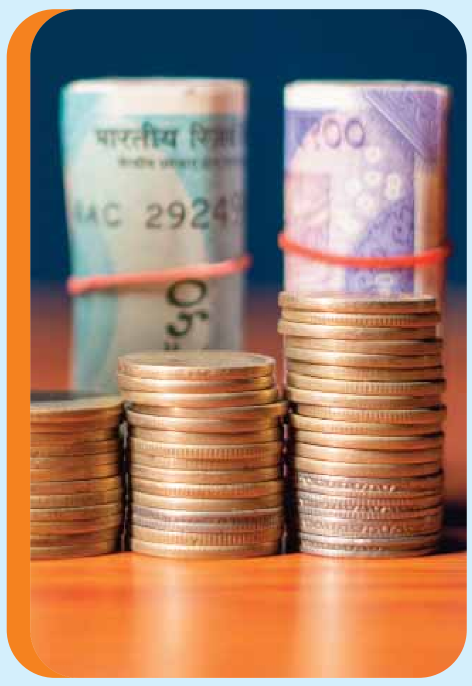

- 5 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 30.42%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 35,304.23 करोड़

#### इनवेस्को इंडिया कॉन्ट्रा फंड

- 1 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 49.79%
- 3 साल का औसत वार्षिक रिटर्न (डायरेक्ट) : 23.55%
- 5 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 23.72%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 16,502.57 करोड़ रुपये

#### कोटक इंडिया ईक्यू कॉन्ट्रा फंड

- 1 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 54.80%
- 3 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 26.80%
- 5 साल का औसत रिटर्न (डायरेक्ट) : 25.05%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3,582.99 करोड़ रुपये

### कॉन्ट्रा फंड के मुनाफे पर टैक्स

कॉन्ट्रा फंड का 65 परसेंट से ज्यादा निवेश इक्विटी में होता है। इसलिए इन्हें इक्विटी म्यूचुअल फंड की कैटेगरी में रखा गया है। जाहिर है इन पर इनकम टैक्स के वही नियम लागू होते हैं, जो इक्विटी फंड के लिए बनाए गए हैं। यानी कॉन्ट्रा फंड की यूनिट्स को 1 साल से कम समय में बेचने पर मुनाफा हुआ तो उस पर 15 फीसदी शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स (एसटीसीजी) टैक्स देना पड़ेगा, लेकिन 1 साल या उससे ज्यादा होल्ड करने के बाद बेचने पर 1 लाख रुपये तक का सालाना मुनाफा टैक्स फ्री है। उससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स लगेगा। यानी कॉन्ट्रा फंड में निवेश करना टैक्स के लिहाज से भी अच्छा है। इसलिए इन फंडों में निवेश कर आप भी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अपने पोर्टफोलियों की भी समय समय पर समीक्षा करते रहना जरूरी है, ताकि आप आसानी से अपने पैसे को सुरक्षित रख सकें और अच्छा रिटर्न हासिल कर सकें।

### निवेश से पहले रिस्क भी समझ लें

देश के कॉन्ट्रा फंड्स का पिछला रिटर्न तो काफी अच्छा रहा है, लेकिन इसे भविष्य में वैसे ही परफॉर्मेंस की गारंटी नहीं माना जा सकता। इसके अलावा इक्विटी फंड होने की वजह से कॉन्ट्रा फंड्स ज्यादा जोखिम वाले निवेश की कैटेगरी में आते हैं। लिहाजा अपनी रिस्क प्रोफाइल को ध्यान में रखें और निवेश का फैसला करने से पहले अपने इनवेस्टमेंट एडवाइजर की सलाह जरूर लें। वैसे भी निवेश करने से पहले खुद के लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखते हुए ही निवेश की तरफ कदम बढ़ाने होंगे।

# क्रिप्टो में निवेश कर रहे हैं तो जान लें कर का नियम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

निवेशक साल में क्रिप्टो संपत्तियां बेचता है टैक्स देना होगा
क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करना सबसे रिस्की श्रेणी में माना गया
क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय पर 30 फीसदी कर लगेगा
सभी तरह के क्रिप्टो सौदों पर 1 फीसदी टीडीएस भी कटेगा

यदि आप भी क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं तो आपको इस समय टैक्स का नियम भी जान लेना चाहिए, वरना 31 जुलाई बीत जानें के बाद आप मुश्किल में फंस सकते हैं। केंद्र सरकार ने फरवरी 2022 में फैसला किया था कि क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय पर 30 फीसदी कर लगाया जाएगा और सभी तरह के क्रिप्टो सौदों पर 1 फीसदी टीडीएस कटेगा। इसके बाद भी लोग क्रिप्टोकरेंसी में ट्रेडिंग करते रहे। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो आयकर रिटर्न दाखिल करने की तारीख 31 जुलाई से पहले ही समझ लें कि क्रिप्टो पर कर कैसे लगाया जाता है ताकि आगे आपको दिक्कत न हो।

### क्या है क्रिप्टोकरेंसी

क्रिप्टोकरेंसी डिजिटल या आभासी करेंसी है, जो सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफी का इस्तेमाल करती है। इसकी डोर किसी एक सरकार या केंद्रीय संस्था के हाथ में नहीं है। उसके बजाय यह ब्लॉकचेन तकनीक पर चलती है, जो असल में एक डिजिटल रजिस्टर की तरह होता है। इसमें कई कंप्यूटरों का नेटवर्क होता है और सभी सौदे उन पर दर्ज होते रहते हैं।

### मुनाफे पर 30 फीसदी कर

सबसे पहले तो क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले मुनाफे पर सीधा 30 फीसदी कर काटा जाता है। आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच कहती है कि क्रिप्टोकरेंसी समेत सभी वर्चुअल डिजिटल संपत्तियों के किसी भी प्रकार के लेनदेन से होने वाली आय पर 30 फीसदी कर काटा ही जाएगा। उसके अलावा उस पर अधिभार और उपकर भी लगेंगे।

### ऐसे समझें

मान लीजिए कि आपने बिटकॉइन की ट्रेडिंग से 1 लाख रुपये कमाए हैं तो आपको इस पर बतौर कर 30,000 रुपये देने होंगे। उसके ऊपर 1,200 रुपये उपकर भी काटा जाएगा। इस तरह 1 लाख रुपये की कमाई पर आप 31,200 रुपये कर देंगे।

### घाटे की भरपाई नहीं

वर्चुअल डिजिटल संपत्ति से होने वाले घाटे के बदले आप किसी अन्य वर्चुअल डिजिटल संपत्ति पर हुए मुनाफे या किसी अन्य प्रकार की आय पर कर छूट नहीं मांग सकते। करयोग्य आय में से केवल ऐसी संपत्तियों को खरीदने पर हुआ खर्च ही घटाया जा सकता है।

### क्रिप्टो सौदों पर 1 फीसदी टीडीएस

1 जुलाई 2022 से एक सीमा से अधिक वर्चुअल डिजिटल संपत्तियों के लेनदेन पर 1 फीसदी टीडीएस काटा जा रहा है। यूजर्स की ओर से टीडीएस काटने की जिम्मेदारी क्रिप्टो एक्सचेंज की है। मगर यदि दो यूजर्स आपस में लेनदेन करते हैं तो खरीदने वाले को टीडीएस काटकर जमा करना होगा। मान लीजिए कि आपने 60,000 रुपये के एथेरियम बेचे तो खरीदार 600 रुपये टीडीएस काटने के बाद आपको 59,400 रुपये दे देगा।

### क्रिप्टो माइनिंग पर कर

क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग में यानी उन्हें तैयार करने में बहुत ताकतवर कंप्यूटर या खास हार्डवेयर का इस्तेमाल होता है, जो लेनदेन का सत्यापन करता है और उसे ब्लॉकचेन नेटवर्क पर चढ़ा देता है। इस नेवटर्क में माइनर या नोड गणित की पेचीदा गुत्थियों को सुलझाने में एक दूसरे का मुकाबला करते हैं। जो माइनर सबसे पहले उसे सुलझा लेता है, उसे बतौर इनाम क्रिप्टोकरेंसी मिलती है। इस तरह माइनिंग से होने वाली आय पर 30 फीसदी कर लगता है। कर का हिसाब लगाते समय माइनर की क्रिप्टोकरेंसी की खरीद कीमत शून्य मान ली जाती है।

### कमर्शल और निजी निवेशक निवेशक

निवेशक चाहे निजी हो या कमर्शल, उसके लिए कर के नियम और दरें एक ही होंगी। मान लीजिए कि कोई फर्म क्रिप्टोकरेंसी की ट्रेडिंग से 5 लाख रुपये कमाती है तो उसे 1.50 लाख रुपये कर और 6,000 रुपये उपकर यानी कुल 1.56 लाख रुपये देने होंगे। जानकारों का कहना है कि 'क्रिप्टोकरेंसी पर कर लगने से उनके लेनदेन और सौदों में नियमों का अनुपालन और जवाबदेही पक्की हो जाती है। अल्पावधि और दीर्घावधि मुनाफे पर एक जैसा कर कटने के कारण क्रिप्टोकरेंसी की आय भी दूसरी तरह की आय के बराबर हो गई है। इन कर प्रावधानों का मकसद क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी गतिविधियों को कायदे में लाना, पारदर्शिता बढ़ाना तथा सभी प्रकार के निवेशकों तथा लेनदेन पर न्यायोचित कर लगाना है।'

# रिटर्न के मामले में निफ्टी को पछाड़ आगे निकला सोना

## लगातार कुलाचें मार रहे सोने में इस साल तेजी का माहौल

### एक जनवरी से अब तक गोल्ड ने निफ्टी-50 को पीछे छोड़ा | ग्लोबल मार्केट में गोल्ड में करीब तेरह प्रतिशत की तेजी दिखाई दी

निवेश के लिहाज से सेफ हेवन समझे जाने वाले गोल्ड का रिटर्न अगर ज्यादा रिस्की कहे जाने वाले इक्विटी इनवेस्टमेंट से बेहतर हो जाए, तो भला निवेशकों के लिए इससे अच्छा और क्या हो सकता है। 2024 के साल में अब तक कुछ ऐसा ही रुझान देखने को मिला है, जिसकी वजह से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड में निवेशकों की दिलचस्पी काफी बढ़ गई है। दरअसल, सोने की कीमतों में मौजूदा कैलेंडर इयर के दौरान इतनी मजबूती आई है कि रिटर्न के मामले में इसने शेयर मार्केट के प्रमुख इंडेक्स निफ्टी 50 को भी पीछे छोड़ दिया है।

### निफ्टी 50 के मुकाबले बेहतर रिटर्न

1 जनवरी 2014 से 30 जून 2024 के बीच निफ्टी 50 में करीब 10.4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली, जबकि इसी इंडेक्स का साल की शुरुआत से अब तक (वाईटीडी) का रिटर्न करीब 11.9 फीसदी रहा है। सोने का पिछले 6 महीनों का रिटर्न करीब 18 फीसदी और साल की शुरुआत से अब तक (वाईटीडी) का रिटर्न 14.78 फीसदी रहा है। ग्लोबल मार्केट में भी इस दौरान गोल्ड में करीब 13 फीसदी की तेजी देखने मिली।

रिकॉर्ड
बिजनेस डेस्क

### गोल्ड ईटीएफ में बढ़ा निवेश

सोने में इस तेजी के बीच दुनिया भर में गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (गोल्ड ईटीएफ) में निवेश का रुझान भी काफी बढ़ा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जून में लगातार दूसरे महीने गोल्ड ईटीएफ (गोल्ड ईटीएफ) में पॉजिटिव इनफ्लो देखने को मिला है। जून में यह इनफ्लो करीब 1.4 अरब डॉलर का रहा है। कैलेंडर इयर की पहली छमाही के दौरान एशियन गोल्ड ईटीएफ में कुल मिलाकर करीब 3 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश देखने को मिला।

### सोने में क्यों आ रही तेजी

गोल्ड में यह तेजी ऐसे दौर में देखने को मिल रही है, जबकि दुनिया के अधिकांश देशों की ग्रोथ रेट में कमजोरी का माहौल है। ऐसा लगता है कि जोखिम से बचने वाले निवेशक सोने की तरफ बड़े पैमाने पर आकर्षित हुए हैं। इस तेजी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जियो-पोलिटिकल टेंशन के बीच तमाम देशों के सेंट्रल बैंकों द्वारा बड़े पैमाने पर गोल्ड की खरीदारी का भी बड़ा हाथ रहा है।

### सुरक्षित निवेश

सोने को शेयर बाजार की तुलना में हमेशा ही ज्यादा सुरक्षित निवेश माना जाता है। ऐसे में इतना ऊंचा रिटर्न वाकई निवेशकों के लिए काफी बड़ी खुशखबरी है। लगातार ऊंची ब्याज दरों के बावजूद सोने की इस तेजी से पता चलता है कि सेफ हेवन इनवेस्टमेंट के तौर पर सोने की स्थिति कितनी मजबूत है।

### आगे भी रहेगा तेजी का रुझान?

सोने की कीमतें फिलहाल घरेलू और ग्लोबल, दोनों बाजारों में रिकॉर्ड हाई के करीब चल रही हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या तेजी का रुझान आगे भी बने रहने के आसार हैं? या फिर इसमें बदलाव देखने को मिलेगा? गोल्ड को मजबूती देने वाले कारणों पर विचार करें तो लगता है कि जियो-पोलिटकल टेंशन की वजह से बढ़ी सेफ हेवन इनवेस्टमेंट वाली डिमांड अभी बनी रहेगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि अमेरिका और चीन के बीच आपसी तनाव बने रहने के आसार हैं। इजरायल का फिलिस्तीन पर हमला हो या यूक्रेन और रूस की जंग, उनके भी बहुत जल्द थमने के संकेत नहीं हैं। इसके अलावा अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो इससे सोने की मांग को एक और बूस्ट मिल सकता है।

### सोने की कीमतों को प्रभावित करने वाले फैक्टर

दरअसल, सोना एक ऐसा एसेट है, जिसमें निवेश करने पर ब्याज नहीं मिलता। लिहाजा, जब ब्याज दरें घटती हैं, तो सोने में निवेश तुलनात्मक रूप से और आकर्षक हो जाता है। हालांकि अब तक यह बात पूरी तरह साफ नहीं है कि यूएस फेड वाकई ब्याज दरों में कटौती करेगा या नहीं और करेगा तो कब, लेकिन उसके इस दिशा में कदम उठाने की उम्मीद बढ़ती लग रही है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की अगली बैठक 31 जुलाई को होनी है। पिछले हफ्ते अमेरिका के मैक्रो इकनॉमिक डेटा में खराब आर्थिक प्रदर्शन के संकेत मिलने से इन उम्मीदों को ताकत मिली है कि सितंबर तक ब्याज दरों में राहत मिल सकती है।

**पॉलिसी** पहले प्लानिंग करें और फिर निवेश की सोचें, सोची-समझी रणनीति हमारे जीवन के लक्ष्यों को सुरक्षित करने में मददगार

# बनाएं रणनीति, लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी भी बन सकती गेमचेंजर, पूरे कर सकती है आपके फाइनेंशियल गोल

## जैसे फुटबॉल में जीत के लिए मजबूत डिफेंस जरूरी है, वैसे ही परिवार के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सही फाइनेंशियल प्लानिंग जरूरी है

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश हैं या करने जा रहे हैं तो जान लें कि निवेश भी फुअबॉल के मैच की तरह ही होता है। फुटबॉल प्रेमी होने के नाते, मुझे यह खेल बेहद रोमांचक लगता है, लेकिन इसमें धैर्य, दृढ़ता और समय की ज़रूरत होती है। दरअसल यह खेल कभी भी कोई भी मोड़ ले सकता है और यही इसके आकर्षण को और बढ़ा देता है। जीवन, एक फुटबॉल मैच की तरह, स्वाभाविक रूप से अप्रत्याशित घटनाओं की श्रृंखला का नाम है। रोजमर्रा के जीवन में और फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में पर्याप्त बचाव की जरूरत होती है। उचित रणनीति और सोची-समझी चालें, हमारे जीवन के लक्ष्यों को सुरक्षित करने में बहुत मदद कर सकती हैं।

### बेहद अहम है लाइफ इंश्योरेंस

बेयर ब्रायंट का यह कथन बेहद मशहूर है कि आक्रामकता से टिकट बिकता है, डिफेंस से चैंपियनशिप जीती जाती है। निवेश विकल्प के सही मिक्स के साथ बेहतर फाइनेंशियल प्लान वह डिफेंस तैयार करता है, जिसकी आपको अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यकता होती है। बढ़ती वित्तीय साक्षरता, आय के बढ़ते स्तर और अधिक जागरूकता के साथ-साथ अधिक टेक्नोलॉजी अपनाने और नीतिगत सुधारों के साथ, भारत में अधिक से अधिक परिवार लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल प्लान की आवश्यकता समझ रहे हैं। लोग सुरक्षा के लिए कई लाभ देने वाली लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के महत्व को समझने लगे हैं। दरअसल, लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी समग्र घरेलू वित्तीय बचत मिक्स में टॉप तीन पसंदीदा निवेश विकल्पों में से एक है। वित्त वर्ष 2019 से वित्त वर्ष 2023 तक इसमें 11% के सीएजीआर से बढ़ोतरी दर्ज हुई है, जिसका कुल वित्तीय बचत में 18% का योगदान है।

### क्या बीमा कवर पर्याप्त है

अगर हम इसे बीमा की पैठ के नजरिए से देखें तो स्थिति वास्तव में आशावादी दिखती है, क्योंकि हमारे देश में लगभग 70 फीसदी परिवार किसी न किसी तरह की लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी से सुरक्षित हैं। मुझे यह वृद्धि कुल मिलाकर सकारात्मक संकेत नजर आती है, हालांकि, चिंताजनक पहलू या मुख्य प्रश्न यह है कि क्या कवर (सुरक्षा) पर्याप्त है? सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के बावजूद, विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में जीडीपी के परसेंटेज के तौर पर कुल बीमित रकम मुश्किल से 70% है, जबकि अमेरिका में यह 251%, थाईलैंड में 143% और मलेशिया में 153% है। यह बीमा कवरेज की मात्रा में अहम अंतर को दर्शाता है। जब कोई इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदी जाती है, तो लोग हमेशा इस बात को ध्यान में नहीं रखते कि वास्तव में जरूरत पड़ने पर पर्याप्त जीवन कवर की आवश्यकता होगी।

### टर्म प्लान में पर्याप्त कवरेज जरूरी

पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस के बिना, परिवारों को प्रमुख वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्य एसेट्स को बेचने या अन्य निवेशों को भुनाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे उनके जीवन के लक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं और भारतीय इस जरूरत को तेजी से पहचान रहे हैं। अपर्याप्त कवरेज के कारण अक्सर परिवारों को अपर्याप्त वित्तीय सहायता मिलती है, जिससे उनकी जरूरतों का केवल एक हिस्सा ही पूरा होता है, जिससे टर्म प्लान का उद्देश्य अप्रभावी हो जाता है। मौजूदा आय, बचत, देनदारियों और पारिवारिक स्थिति का व्यापक मूल्यांकन लाइफ इंश्योरेंस के उपयुक्त स्तर को तय करने में मदद कर सकता है, जिसे वित्तीय और जीवन लक्ष्य प्लान का हिस्सा होना चाहिए। सामान्य नियम यह है कि किसी शख्स की सालाना आय का 10 गुना लाइफ इंश्योरेंस सुरक्षित किया जाना चाहिए। इससे पॉलिसीहोल्डर के परिवार को दुर्भाग्य से उसके मृत्यु की स्थिति में वित्तीय सहायता ठीक तरह से मिलेगी।

### कहां मिलेगा ज्यादा रिटर्न

हाल के दिनों में हमने देखा है कि हमारी रेगुलेटरी बॉडी इरडा ने '2047 तक सभी के लिए बीमा' उपलब्ध कराने की दिशा में कई तरह के सुधार किए हैं। इनमें व्यवसाय और रेगुलेटरी माहौल को बेहतर के साथ-साथ जोखिम आधारित पूंजी व्यवस्था, आईएफआरएस और जोखिम आधारित ऑब्जर्वेशन स्ट्रक्चर को लागू करना शामिल है। यह सब इसलिए किया गया है कि अगले कुछ सालों में भारत में बीमा पैठ बढ़े। दिलचस्प बात यह है कि इरडा लगातार अपने डिजिटल इकोसिस्टम का विस्तार कर रहा है, अनुकूल कारोबारी माहौल बना रहा है और रेगुलेटरी माहौल को बेहतर बना रहा है और यह सब इस क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करने और देश के अधिक से अधिक लोगों के लिए बीमा सुलभ बनाने के लिए किया जा रहा है।

### लक्ष्यों को ट्रैक पर रखें

इंडस्ट्री और रेगुलेटरी मिलकर नए, सरल और नवोन्मेषी प्लान, वितरण चैनलों में सुधार और नए जमाने की टेक्नोलॉजी को अपनाकर तेज और अधिक पारदर्शी प्रक्रियाओं के जरिये कई उपाय कर रहे हैं। इसका मकसद है लाइफ इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ाना और पर्याप्त कवरेज के बारे में जानकारी बढ़ाना। यह सभी के लिए अपने वित्तीय पोर्टफोलियो की समीक्षा करने और पर्याप्त जीवन कवर के महत्व को समझने के लिए अनुकूल माहौल और अवसर प्रस्तुत करता है। जिस तरह फुटबॉल में एक मजबूत डिफेंस योजना खेल-जीतने वाला सीजन सुनिश्चित करती है, उसी तरह आपके वित्तीय पोर्टफोलियो में उचित रक्षा योजना आपके परिवार को अपने जीवन के लक्ष्यों को ट्रैक पर रखने में मदद करती है।

**कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ अण्णा आंदोलन की कोख से निकली आम आदमी पार्टी व्यवस्था परिवर्तन और नई क़िस्म की राजनीति करने के वादे के साथ सत्ता में आई थी। देशभर में लोगों को उम्मीद बंधी थी कि भारतीय राजनीति में एक मौलिक बदलाव आएगा, लेकिन 12 साल में ही पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ही कदाचार के आरोपों में घिरे हैं। उन्हें अंतरिम जमानत की बुनियादी शर्त भी बेहद कठोर और विरोधाभासी है। जेल से बाहर आने के बावजूद केजरीवाल मुख्यमंत्री दफ्तर और सचिवालय नहीं जा पाएंगे। मुख्यमंत्री होने के बावजूद वह मुख्यमंत्री के दायित्व नहीं निभा सकेंगे। उपराज्यपाल की अनुमति या आग्रह के बिना किसी भी सरकारी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकेंगे। क्या निर्वाचित मुख्यमंत्री के लिए ऐसी पाबंदियां और शर्तें व्यावहारिक और लोकतांत्रिक हैं? क्या केजरीवाल ने वैकल्पिक राजनीति में कदम रखते हुए ऐसी ही नियति की कल्पना की होगी? सर्वोच्च अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के धनशोधन वाले मामले में अंतरिम जमानत दी है, लेकिन ईडी को भी उसकी शक्तियों के बारे में सबक सिखाया है। पीठ ने कहा है कि पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तारी का आधार केवल जांच नहीं हो सकता है। ईडी धनशोधन मामलों में गिरफ्तारी के लिए एक समान नीति बनाए। इसी विषय पर आजकल का यह अंक..**

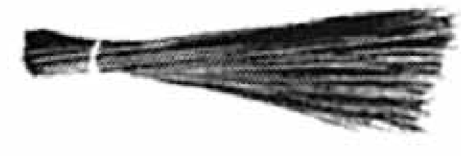

# राहत के बाद भी केजरीवाल 'मुक्त' नहीं

**विश्लेषण**

सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

**सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देकर 'आधी राहत' दी है, क्योंकि सीबीआई के भ्रष्टाचार वाले केस में वे अभी तिहाड़ जेल से 'मुक्त' नहीं हुए हैं। सर्वोच्च अदालत में यह केस अब तीन न्यायाधीशों की पीठ सुनेगी। अब देर-सवेर केजरीवाल जेल से बाहर आ सकते हैं, क्योंकि 90 दिन की जेल के बाद, जीने और मुक्ति के अधिकार के तहत, सर्वोच्च अदालत ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी है। जब तक बड़ी पीठ सुनवाई करेगी, यह अंतरिम जमानत जारी रहेगी। दुर्लभ और अपवाद के मामले होते हैं, जब यह अंतरिम जमानत निरस्त कर दी जाए। बहरहाल नियमित जमानत अब भी दिल्ली उच्च न्यायालय के विचाराधीन है।**

सर्वोच्च अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देकर 'आधी राहत' दी है, क्योंकि सीबीआई के भ्रष्टाचार वाले केस में वे अभी तिहाड़ जेल से 'मुक्त' नहीं हुए हैं। विशेष अदालत ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ा दी है। सर्वोच्च अदालत में यह केस अब तीन न्यायाधीशों की पीठ सुनेगी। वह कुछ और मुद्दों पर भी अदालत का अभिमत स्पष्ट करेगी। अब देर-सवेर केजरीवाल जेल से बाहर आ सकते हैं, क्योंकि 90 दिन की जेल के बाद, जीने और मुक्ति के अधिकार के तहत, सर्वोच्च अदालत ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी है। जब तक बड़ी पीठ सुनवाई करेगी, यह अंतरिम जमानत जारी रहेगी। दुर्लभ और अपवाद के मामले होते हैं, जब यह अंतरिम जमानत निरस्त कर दी जाए। बहरहाल, नियमित जमानत अब भी दिल्ली उच्च न्यायालय के पास विचाराधीन है। दरअसल अंतरिम जमानत की बुनियादी शर्त बेहद कठोर और विरोधाभासी है। जेल से बाहर आने के बावजूद केजरीवाल मुख्यमंत्री दफ्तर और सचिवालय नहीं जा पाएंगे। मुख्यमंत्री होने के बावजूद वह मुख्यमंत्री के दायित्व नहीं निभा सकेंगे। उपराज्यपाल की अनुमति या आग्रह के बिना किसी भी सरकारी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकेंगे। क्या निर्वाचित मुख्यमंत्री के लिए ऐसी पाबंदियां और शर्तें व्यावहारिक और लोकतांत्रिक हैं? क्या केजरीवाल ने वैकल्पिक राजनीति में कदम रखते हुए ऐसी ही नियति की कल्पना की थी? कई ऐसी बंदिशें हैं, जो पेशेवर आरोपितों पर लगाई जाती हैं और केजरीवाल पर भी चस्पा की गई हैं। अब केजरीवाल को खुद सोचना चाहिए कि क्या बराए नाम ही मुख्यमंत्री रहना राजनीतिक नैतिकता है? शीर्ष अदालत की न्यायिक पीठ ने तो उन्हें संकेत दे दिए हैं।

## ईडी को सबक सिखाया

सर्वोच्च अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के धनशोधन वाले मामले में अंतरिम जमानत दी है, लेकिन ईडी को उसकी शक्तियों के बारे में सबक सिखाया है। पीठ ने कहा है कि पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तारी का आधार केवल जांच नहीं हो सकता है। ईडी धनशोधन मामलों में गिरफ्तारी के लिए एक समान नीति बनाए। पीएमएलए में गिरफ्तारी की अनिवार्यता अथवा इसकी जरूरत की व्याख्या के लिए यह मामला तीन न्यायाधीशों की पीठ को भेजा गया है। दूसरी ओर ईडी ने शराब घोटाले में ही विशेष अदालत में आरोप-पत्र दाखिल किया है। केजरीवाल को घोटाले का 'साजिशकार' बताते हुए आरोपित बनाया गया है, लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) देश की पहली राजनीतिक राष्ट्रीय पार्टी बन गई है, जिसे आरोप-पत्र में 'आरोपी नंबर 38' बनाया गया है। केजरीवाल 'आरोपी नंबर 37' हैं। केजरीवाल को इस विरोधाभास से भी निपटना पड़ेगा। अब 'आप' के खिलाफ भी अदालत में मुकदमा चलेगा। यदि 'आप' अपराध में दंडित की जाती है, तो चुनाव आयोग उसकी मान्यता भी रद कर सकता है। पराकाष्ठा की यह स्थिति करीब 12 साल में ही आ गई, क्योंकि 'आप' की स्थापना नवम्बर, 2012 में की गई थी। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अर्थात पार्टी प्रमुख एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल फिलहाल जेल में हैं। उनकी कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन लंबे वक्त से तिहाड़ जेल में ही हैं। उनके खिलाफ भी धनशोधन के मामले हैं। संदर्भ दिल्ली में नई शराब नीति की आड़ में 100 करोड़ रुपये की घूस और घोटाले का है। अब ट्रायल विशेष अदालत में ही चलेगा। अलबत्ता केजरीवाल जमानत के खोल में ही रहेंगे।

## शुचिता के दावों पर संशय

विडंबना है कि जिस पार्टी की स्थापना भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से हुई थी और जो आज तक 'कट्टर ईमानदारी' और शुचिता के दावे करती है, उस पार्टी का अस्तित्व भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के कारण संकट में पड़ गया है। मैंने 2012 के उस दौर मेंअण्णा हजारे के आंदोलन और अनशन को लगातार देखा है। उस आंदोलन में केजरीवाल के अलावा कई और प्रमुख चेहरे भी होते थे, जो आज 'आप' में नहीं हैं और केजरीवाल की राजनीति के भी विरोधी हैं। अण्णा को भनक तक नहीं थी कि केजरीवाल के भीतर राजनीतिक पार्टी बनाने और राजनीति में कूदने की महत्वाकांक्षा उफान पर है। तब भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन, लोकपाल और भ्रष्ट नेताओं को जेल में डालने के फतवों ने आम नौजवान को इनका समर्थक बनाया। अण्णा अनशन समाप्त कर महाराष्ट्र लौट चुके थे और केजरीवाल ने भ्रष्ट नेताओं की एक सूची को लेकर प्रलाप शुरू किया। अंततः 26 नवम्बर, 2012 को 'आप' की स्थापना की गई और फरवरी, 2013 के दिल्ली के चुनाव में इतनी सीटें जीत ली गईं कि केजरी के ही शब्दों में कथित 'भ्रष्ट कांग्रेस' के समर्थन से ही आप ने पहली सरकार बनाई। सरकार 49 दिन चली और केजरीवाल ने इस्तीफा दे दिया। 2015 और 2020 में भरपूर और एकतरफा जनादेश 'आप' के पक्ष में रहे, नतीजतन दिल्ली में एक वर्ग 'आप' का वोट बैंक बन गया। उसे बिजली मुफ्त मिल रही थी। पानी भी लगभग मुफ्त था। कई और योजनाएं शुरू की गईं, जिनके आधार पर 'आप' एक मजबूत पार्टी बनी। 2022 में पंजाब में भी एकतरफा जनादेश मिला। आप को अपनी बिजली, पानी, स्कूल और अस्पताल की सियासत पर भरोसा होने लगा।

## प्रलाप स्वीकार नहीं

बहरहाल अब 'आप' पर खतरा मंडरा रहा है और 'आप' के बड़े नेता जेल में हैं, तो साफ है कि आरोप के शक्ल में ही सही, पर कुछ तो गड़बड़ और काले कारनामे जरूर किए गए हैं, जो नेता कटघरे में हैं। इसे प्रधानमंत्री मोदी की सरकार की साजिश और भाजपा का सियासी खुन्नस करार देते रहना बेमानी है। जांच एजेंसियां प्रधानमंत्री के तहत ही काम करती हैं, यह देश के संविधान और कानून में स्पष्ट है, लेकिन प्रधानमंत्री ही किसी मुख्यमंत्री को जेल में डलवा दे, इस प्रलाप को स्वीकार नहीं किया जा सकता। दिल्ली को छोड़कर देश भर में 'आप' भाजपा के लिए चुनौती नहीं है। फिर केजरीवाल से डरने के जुमले के मायने क्या हैं? 'आप' के प्रवक्ता और नेता चुनावी बॉन्ड का प्रलाप करते हुए आरोप-पत्र को खारिज नहीं कर सकते। अब अदालती ट्रायल ही अंतिम निष्कर्ष देगा। बुनियादी आरोप 45 करोड़ रुपये की घूस का है, जो राशि हवाला के जरिये, गोवा चुनाव के दौरान, भेजी गई थी। हवाला कारोबारियों का जुड़ाव 'आप' और केजरीवाल से बताया जा रहा है। जिन चुनावी प्रत्याशियों को नकद पैसा दिया गया, उनके नाम, बयान और ब्योरे भी ईडी ने दर्ज किए हैं। ईडी के मुताबिक, 'आप' भी ऐसी आपराधिक आय से लाभान्वित हुई थी। अब सवाल है कि धनशोधन वाले कानून के दायरे में क्या राजनीतिक पार्टी भी आती है? उस पर केस कैसे चलेगा? क्या पार्टी के प्रमुख प्रभारियों पर ही केस चलेगा? आरोप-पत्र के मुताबिक, पीएमएलए की धारा-70 के तहत 'आप' 45 करोड़ रुपये की आपराधिक आय की लाभार्थी है। केजरीवाल को भी इस आपराधिक आय की जानकारी थी। धारा-3 में 'आप' को भी धनशोधन के अपराध की दोषी माना गया है। धारा-70 में यह स्पष्ट उल्लेख है कि जो कंपनी (या पार्टी) का इंचार्ज होगा, उसे ही 'अपराधी' माना जाएगा। कानून में कंपनी की जो परिभाषा है, वह 'आप' पर भी लागू होती है। मुख्यमंत्री एवं 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ही 'जिम्मेदार प्रभारी' हैं अथवा वित्तीय मामलों का प्रभार किसी और नेता को दिया हुआ था? यह कोर्ट में साबित करना होगा।

## केजरी व आप की राजनीति दांव पर

बहरहाल केजरीवाल एवं समूह की राजनीति दांव पर है। फरवरी, 2025 से पहले दिल्ली में विधानसभा चुनाव हैं। दिल्ली में 'आप' और केजरीवाल के प्रति गुस्सा और मोहभंग के भाव महसूस किए जा सकते हैं। इस बार लोकसभा में भाजपा ने सभी सात सीटें जीती हैं, कांग्रेस व आप का गठबंधन भी काम नहीं आया। केजरीवाल अपनी कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं और दिल्ली बेसहारा छोड़ दी गई है। चिलचिलाती गर्मियों में जिस तरह पानी का संकट आम आदमी ने झेला है। बिजली के बिलों में गड़बड़ी सामने आई है। दिल्ली में सड़कों और नालियों के काम ठप हैं, यह बरसात के मौसम ने साबित कर दिया। मुहल्ला क्लीनिक भ्रष्टाचार और लापरवाही के अड्डे बन गए हैं और सरकारी अस्पताल भेड़-बकरियों की तरह भरे पड़े हैं, दवाएं उपलब्ध नहीं हैं, डॉक्टर परवाह नहीं करते, सरकार दावा करती है कि चिकित्सा मुफ्त है। राजनीतिक तौर पर देखें, तो 'आप' और कांग्रेस का गठबंधन टूट चुका है और भाजपा ने सातों लोकसभा सीट जीती हैं। केजरीवाल ने भी प्रचार किया था। सर्वोच्च अदालत ने उन्हें विशेष जमानत पर रिहा किया था, लेकिन वह भी 'आप' का एक भी उम्मीदवार जितवा नहीं पाए। संदेश साफ है, दिल्ली की जनता से केजरीवाल सहानुभूति भी नहीं हासिल कर पाए। उपराज्यपाल बनाम राज्य सरकार के मामले में सर्वोच्च अदालत भी कोई निर्णायक फैसला नहीं सुना सकी। सरकार में प्रत्येक स्तर पर अराजकता है। अधिकारी मंत्रियों की बात तक नहीं सुनते। मुख्य सचिव सरकार के खिलाफ ही रपटें उपराज्यपाल को देते हैं, जिनके आधार पर जांच बिठाई जाती है। दिल्ली में कई विभाग ऐसे हैं, जिनके कर्मचारी अपनी नौकरी की बहाली अथवा वेतन के लिए सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं। यदि केजरीवाल मुख्यमंत्री के तौर पर काम ही नहीं कर सकेंगे, तो वह कैबिनेट की बैठक भी नहीं बुला सकते। यदि कैबिनेट की बैठक नहीं होगी, तो फैसले कैसे लिए जाएंगे? अगले चुनाव के मद्देनजर किस फ्रीबिज का ऐलान कर सकेंगे केजरीवाल? 'आप' बिखराव की स्थिति में आ गई है। उसकी सरकार में मंत्री रहे, विधायक रहे और कार्यकर्ताओं की फौज पार्टी छोड़ कर भाजपा में गए हैं। केजरीवाल के सामने 'मुक्त' होने और आरोपों से निजात पाने की ही चिन्ता नहीं है, बल्कि उन्हें नये सिरे से पार्टी को भी एकजुट करना पड़ेगा। अगला विधानसभा चुनाव केजरीवाल व आम आदमी पार्टी की राजनीति का भविष्य निर्धारण करेगा। फिलहाल केजरीवाल व उनके नेता जेल से तो बाहर आएं।

# आम आदमी पार्टी का अस्तित्व दांव पर

**सियासी संकट**

रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

वर्ष 2012 में अण्णा आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी व्यवस्था परिवर्तन और नई क़िस्म की राजनीति करने के वादे के साथ आई थी। देशभर में लोगों को उम्मीद बंधी थी कि भारतीय राजनीति में एक मौलिक बदलाव आएगा, लेकिन अब अरविंद केजरीवाल वही कर रहे हैं, जो बाक़ी राजनीतिक दल करते हैं। ये पार्टी भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ हुए आंदोलन से निकली थी, इसलिए लगा था कि इस पार्टी का मूल या केंद्रीय विषय भ्रष्टाचार के ख़िलाफ लड़ाई होगा, लेकिन अब ये पार्टी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बात नहीं करती है। शुरूआती दौर में भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी आक्रामक थी। एक वक्त केजरीवाल लिस्ट जारी करते थे कि देश में कौन-कौन से भ्रष्ट नेता हैं, लेकिन पिछले 12 साल में उन्होंने भ्रष्टाचार पर कोई बात नहीं की। भ्रष्टाचार अब उनके लिए मुद्दा नहीं रह गया है। पहले इन्होंने कहा कि पूर्ण बहुमत मिलने पर जन लोकपाल क़ानून लाएंगे, लेकिन आज तक वो हो नहीं सका। उल्टा अरविंद केजरीवाल सहित आम आदमी पार्टी के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार समेत कई तरह के आरोप लगे।

## मकसद कमज़ोर हुआ

बहरहाल, पार्टी के गठन के करीब 12 साल हो चुके हैं। इस दरम्यान आप ने 12 साल में दो राज्यों यानी दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाई तो वहीं गुजरात और गोवा में भी पार्टी के विधायक चुने गए। बहुत ही कम समय में आम आदमी पार्टी ने नेशनल पार्टी का दर्जा हासिल कर लिया, लेकिन जिस मकसद के साथ पार्टी का जन्म हुआ था, वह कमज़ोर हुआ है। जितनी तेजी से पार्टी आगे बढ़ी, उतनी ही तेजी से वह विवादों में घिरती भी चली गई। बेशक पार्टी के रूप में उनकी कई उपलब्धियां हैं। फिर भी आम आदमी पार्टी से पूरे देश को एक उम्मीद बंधी थी कि राष्ट्रीय स्तर पर कुछ बदलाव होगा। वैसा तो नहीं हुआ, लेकिन इसका असर ये ज़रूर हुआ कि भ्रष्टाचार के खिलाफ इस आंदोलन के बाद जो पार्टी (बीजेपी) केंद्र में कभी अपने बूते सत्ता में नहीं आई थी, वह भारी बहुमत से सत्ता में आ गई।

## कथनी-करनी में फर्क

ये पार्टी शुरू में ही कहती थी कि हम ना तो कभी कांग्रेस के साथ जाएंगे, ना बीजेपी के साथ जाएंगे। इसका मतलब था कि ये पार्टी जो परंपरागत राजनीति है उनके साथ जाने को तैयार नहीं है। इन्होंने कांग्रेस के नेताओं और बीजेपी के नेताओं पर कई तरह के आरोप भी लगाए थे। कई नेताओं की लिस्ट जारी कर उन्हें भ्रष्ट क़रार दिया गया, लेकिन कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार भी बनाई और लोक सभा में गठबंधन भी किया। इतना ही नहीं बीजेपी को मिलकर हराने की बात करने वाले विपक्षी पार्टियों के साथ मंच साझा करते हुए भी केजरीवाल को देखा गया है।

## भ्रष्टाचार के आरोप में ही घिरे

बहरहाल, भ्रष्टाचार के आरोप में आज खुद अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। उनसे पहले पार्टी के कई बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं। ऐसे में अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। वहीं दूसरी तरफ

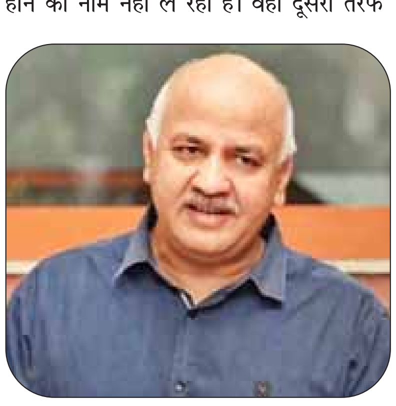

आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले उनकी पार्टी के कई नेता अपने शीर्ष नेता पर गंभीर आरोप लगा कर पार्टी से अलग हो रहे हैं। ऐसे में अब पार्टी के अस्तित्व पर भी संकट आ गया है। लोकसभा चुनावों में बुरी तरह हारने के बाद अब सहयोगी दल कांग्रेस का भी साथ छूट चुका है। स्वाभाविक है दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी में भगदड़ मचना तय है, क्योंकि आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल से शुरू होकर अरविंद केजरीवाल पर ही खत्म हो जाती है। जो भविष्य के नेता हो सकते थे, उनसे या तो अरविंद केजरीवाल ने पीछा छुड़ा लिया या फिर वो खुद अरविंद केजरीवाल को छोड़कर चले गए। जो बचे रह गए उनमें से अधिकांश जेल पहुंच गए हैं, इसलिए इस समय केजरीवाल की गिरफ्तारी के साथ ही आम आदमी पार्टी के सामने नेतृत्व का संकट पैदा हो गया है। कई सवाल पैदा हो गए हैं जिनका जवाब पार्टी को तत्काल खोजना होगा। आम आदमी पार्टी किसी लंबे संघर्ष से निकली जमी जमाई पार्टी नहीं है, इसलिए उसमें टूट की संभावना पैदा हो जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। केजरीवाल के जेल जाने से संकट सिर्फ दिल्ली सरकार पर ही नहीं बल्कि समूची आम आदमी पार्टी पर आ गया है, क्योंकि दिल्ली में विधानसभा सभा चुनाव अगले साल होने वाला है। आम आदमी पार्टी दिल्ली में अकेल विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। यानी कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के गठबंधन से इनकार कर दिया है। आज भले ही कांग्रेसी नेता केजरीवाल के समर्थन में बयान दे रहे हैं, लेकिन इस गिरफ्तारी का सबसे ज्यादा लाभ कांग्रेस ही उठाने की कोशिश करेगी, क्योंकि कांग्रेस के लिए दिल्ली में केजरीवाल वो बाधा है जिसके दूर हो जाने पर उनके लिए मैदान साफ हो जाता है। वहीं अरविन्द केजरीवाल विहीन आम आदमी पार्टी का विधानसभा चुनाव में कुछ खास हासिल करना मुश्किल ही है। ऐसे में 'आप' के 'आम आदमी' अगर कहीं और ठौर तलाशने निकल जाएं तो भी कोई आश्चर्य नहीं होगा। याद रखिए जनता दल बिखरा था तो उसमें से छोटे छोटे दल निकले थे। आम आदमी पार्टी बिखरी तो उसमें सिर्फ आदमी निकलेंगे जो अपनी सुविधानुसार कहीं और अपना ठिकाना तलाश लेंगे।

## बुनियादी मुद्दों से मुंह मोड़ा

बहरहाल, महज़ कुछ सालों में ही अरविंद केजरीवाल ने विशुद्ध व्यावहारिक राजनीति का रुख लेते हुए और अण्णा आंदोलन के पीछे काम कर रहे धुर दक्षिणपंथी ईको सिस्टम के मुताबिक अपनी राजनीति को सेवा-सुविधा आधारित बना लिया और देश के उन बुनियादी मुद्दों से न केवल मुंह ही मोड़ा बल्कि उन्हें हवा देने के लिए एक ऐसे विपक्ष का रूप भी धारण कर लिया जो पक्ष-विपक्ष के कांग्रेस मुक्त भारत के कतई अलोकतांत्रिक, लेकिन साझा सपने के अनुकूल हो, इसलिए आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी दुविधा ये है कि वे किस मुंह से राज्य के लोगों के साथ नए वादे करे। क्योंकि कई पुराने वादे अभी तक पार्टी पूरी नहीं कर सकी।

## विस चुनाव में आप की परीक्षा

बहरहाल, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का देश समाज पर कोई असर हो न हो, आम आदमी पार्टी के अस्तित्व पर बहुत गहरा असर होने वाला है। ये भी संभव है कि जब यह राजनीतिक बवंडर खत्म हो तब पता चले कि जो अंधड़ आया था, वह अपने साथ उस पार्टी को ही उड़ाकर ले गया जो संयोग से एक दशक पहले आंदोलन की आंधी से ही पैदा हुई थी। अगले साल दिल्ली में विधानसभा चुनाव हैं और देखना होगा कि नेता के तौर पर अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी आम आदमी पार्टी फिर से अपना करिश्मा तिहरा पाते हैं या नहीं? भ्रष्टाचार के खिलाफ की राजनीति का भ्रष्टाचार के आरोप में ही घिर जाना किसी विडंबना से कम नहीं है, आप का यही संकट है।

# ...आखिर कैसे चले दिल्ली सरकार

**दो टूक**

योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को बीते शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में बड़ी राहत दी है, लेकिन अंतरिम जमानत के बाद भी सीएम केजरीवाल को सीबीआई से राहत नही हैं और उन्हें जेल में ही रहना होगा, चूंकि इस मामले में सीबीआई में भी केस अलग से चल रहा है। इसके अलावा दिल्ली सरकार के मुख्य सिपहसालारों में से एक पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी लंबे समय से जेल में है। संजय सिंह, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी जेल में रह चुके और जिस वजह से पार्टी में उनकी सक्रियता उतनी नहीं है जैसे पहले थी। सतेन्द्र जैन के विषय में बात करें तो वह भी लंबे समय जेल में रहे और बाहर आते ही मानो उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया हो। इसके अलावा स्वातिमाल से अरविंद केजरीवाल के घर पर जो मारपीट वाला कांड हुआ था उससे पार्टी ने स्वाति को बिल्कुल बैकफुट पर लाकर खड़ा कर दिया। इन सारे मामलों के चलते आम आदमी पार्टी का अस्तित्व पूर्ण रूप से खतरे में आ गया जिसकी वजह से दिल्ली सरकार के अंतर्गत आने वाले विभाग ठीक ढंग से संचालित नहीं हो रहे।

## स्थिति पहले जैसी नहीं

दिल्ली का शिक्षा विभाग जब सिसोदिया के पास था तो उन्होंने शिक्षा मॉडल को सुधारने की हुंकार भरी और इस तर्ज पर पार्टी ने विदेशी मीडिया में सुर्खी बटोरी थी, लेकिन अब शिक्षा समेत तमाम सारे विभागों की स्थिति पहले जैसी बेहतर नहीं रही। स्थिति यह है कि विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी मनमानी पर उतर आए हैं और जो मॉनिटरिंग होती है व पार्टी के बड़े नेताओं के जेल व उनकी सक्रियता कम होने की वजह से शून्य हो गई। फरवरी 2020 में केजरीवाल द्वारा विभाग छोड़ने के बाद सिसोदिया ही मुख्यमंत्री के पोर्टफोलियो वाले विभाग देख रहे थे। अब थोड़ा और गंभीरता से सोचें तो दिल्ली सरकार के मुख्य सिपहसालार मनीष सिसोदिया एक समय पर पूरी सरकार को संचालित कर रहे थे और जैसा भी सही सरकार को चला रहे थे, लेकिन जब केजरीवाल भी जेल गए तो पार्टी के सामने कई तरह की चुनौतियां आ रही हैं। क्या नए मंत्री उतनी जल्दी चीजों को टेकओवर कर लेंगे जितने बेहतर तरीके से संचालित हो रही थी, स्पष्ट है कि किसी भी नए मंत्री को काम समझने में समय लगेगा।

## टाले जा रहे काम

सिसोदिया व केजरीवाल को लंबे समय से काम करते हुए अनुभव हो चुका था। दिल्ली सरकार के जिन सभी विभागों को वह संचालित कर रहे थे उन सब में उनको महारत हासिल हो चुकी थी। जैसा कि सिसोदिया के पास दिल्ली सरकार के अहम विभाग थे जिनमें सक्रियता हमेशा अधिक बनी रहती थी, लेकिन अब हालात यह है कि जलभराव, शिक्षा के संबंधित के अलावा किसी विभाग में यदि कोई शिकायत यह किसी भी प्रकार का काम कराने हेतु कोई चिठ्ठी दी जाए तो उस पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं हो रही। यदि विभाग में जाकर बात भी की जाए तो अधिकारी केजरीवाल

के जेल जाने का हवाला देकर कहते हैं कि मुख्यमंत्री के बाहर आने के बाद ही काम होगा। अभी निवारण की प्रतीक्षा करनी होगी।

## कार्यशैली पर बट्टा

इसके अलावा पार्टी के अन्य नेताओं व समर्थकों का मन भी कमजोर होता जा रहा है, चूंकि बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन के बावजूद आम आदमी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई, जबकि विधानसभा व निगम के चुनावों में पार्टी का बोलबाला है, लेकिन लोकसभा चुनाव में जैसी कल्पना की थी वह उसके विपरीत निकली। आम आदमी पार्टी लगभग दशकभर के सफर में विकल्प की राजनीति से स्वयं विकल्प बनकर रह गए। नेता व कार्यकर्ता जुड़ने की बजाय टूटने लगे। संकट के समय में बीते चार महीने में चार ऐसे नेता पार्टी छोड़ चुके जो पार्टी से विधानसभा चुनाव जीत चुके। इनमें विधायक, पूर्व विधायक व मंत्री भी शामिल हैं। ज्ञात हो कि मंत्री पद पर रहते हुए राजकुमार आनंद ने पार्टी पर भ्रष्टाचार लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था और जब से अब लगातार इस्तीफों का सिलसिला जारी है। बीते एक महीने में पार्टी के एक विधायक व पूर्व विधायक ने भाजपा भी ज्वाइन की जिससे पार्टी की कार्यशैली पर बट्टा लगा। आप जितनी तेजी से हल्ले व शोरगुल के साथ राजनीति में आई थी उतनी ही जल्दी उसका अस्तित्व खतरे में आता दिख रहा है। जब से सरकार बनी तब से अपने हक को लेकर एलजी से लड़ाई लड़ने की बात करते हुए अपने काम को आज तक पूरा नहीं कर पा रही थी कि इतने नेताओं के जेल जाने से संचालन प्रक्रिया बिल्कुल बाधित हो चुकी है।

## सबसे अहम सवाल

दिल्ली में बारिश की वजह से जलभराव के कारण लोगों की मौतें तक भी हुईं, जिस पर सब ने प्रतिक्रिया दी लेकिन इस बार काम किसी ने नहीं किया। बीती 29 अप्रैल में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को शहर के नागरिक निकाय द्वारा संचालित स्कूलों में शिक्षा की स्थिति को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की थी जिसमें कोर्ट ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली सरकार ठहर गई है। दिल्ली जैसी व्यस्त राष्ट्रीय राजधानी में मुख्यमंत्री का पद कोई औपचारिक नहीं है, उन्हें चौबीस घंटे उपलब्ध रहना होता है। उनकी अनुपस्थिति बच्चों को उनकी मुफ्त पाठ्य पुस्तकों, लेखन सामग्री और ड्रेस से वंचित नहीं कर सकती। दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा था कि राष्ट्रीय हित और सार्वजनिक हित की मांग है कि इस पद पर रहने वाला कोई भी व्यक्ति लंबे समय तक या अनिश्चित अवधि के लिए संवादहीन या अनुपस्थित न रहे, लेकिन बावजूद इसके न तो दिल्ली के मुख्यमंत्री ने अभी तक इस्तीफा दिया और न ही किसी अन्य विकल्प को लेकर काम करने की योजना बनाई। इस मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मिसाल कायम की। आरोप लगे तो इस्तीफा दिया, कानून का सामना किया, फिर जब अदालत से राहत मिली तो वापस सीएम बन गए। उनके इस कदम से कम से कम झारखंड की विधायी प्रक्रिया न बाधित हुई, न ठप हुई। हेमंत सोरेन भी जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप का सामना कर रहे हैं। उन पर लगाए ईडी के आरोपों में अदालत को दम नहीं लगा, और इसलिए राहत मिल गई। दरअसल, देश में पहली बार ऐसा हो रहा है कि सीट पर रहते कोई मुख्यमंत्री जेल गया हो और जेल जाने के बाद भी इस्तीफा न दिया हो। एक मुख्यमंत्री का सत्ताजीवी होना ठीक नहीं है। इसके अलावा यह भी पहली बार हो रहा है कि मनी लांड्रिंग मामले में किसी मौजूदा सरकार के मंत्री गए हो। लेकिन अब सवाल यह है कि आखिर देश की राजधानी कैसे चलेगी और इसके लिए किस तरह के नियम कानून चाहिए होंगे जिससे रफ्तार आगे बढ़े।

# अनंत-राधिका के विवाह की अनंत चर्चा...

# अनंत-राधिका की शादी की अरब, अमेरिका से पाकिस्तान तक चर्चाएं...

## शादी में जुटे दुनियाभर के खिलाड़ी और फिल्म स्टार, बिजनेस मेन

कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत ने अपनी प्रेमिका राधिका मर्चेंट से मुंबई में भव्य समारोह में शादी की है। इस समारोह में अरबों रुपए खर्च हुए हैं, जिसमें देश के नामी लोगों के साथ-साथ किम कार्दशियां, माइक टायसन, टोनी ब्लेयर और बोरिस जॉनसन जैसी हस्तियां शामिल हुई हैं।

### खास बातें

- राधिका की ग्रैंड एंट्री ने सभी का ध्यान खींचा।
- अनंत -राधिका की शादी से पहले की सभी रस्में अंबानी के आवास अंताल्या में निभाई गईं।
- फिल्म अभिनेताओं ने शादी में जमकर डांस किया
- -समारोह में नेता-अभिनेता भी शामिल हुए।
- विवाह समारोह में क्रिकेटर एवं फिल्मी हस्तियों ने शिरकत की।
- दूसरी प्री-वेडिंग सेरेमनी इटली के एक क्रूज पर आयोजित की गई थी।

-

रणवीर कपूर अपनी पत्नी अलिया भट्ट के साथ।

### पाक मीडिया में भी शादी की चर्चा

फिल्म अभिनेता रजनीकांत सपरिवार शामिल हुए।

पाकिस्तान की मीडिया ने अंबानी की शादी से जुड़ी रिपोर्ट में किम कार्दशियन जैसे विदेशी सितारों के आगमन की जानकारी दी है।

### बीबीसी मीडिया

*बीबीसी मीडिया ने अनंत और राधिका की शादी की खबर को कवर किया है , महीनों के भव्य समारोहों के बाद एशिया के सबसे अमीर आदमी के बेटे का विवाह समारोह आखिरकार भारत के मुंबई शहर में शुरू हो रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी फार्मा दिग्गज वीरेन और शैला मर्चेंट की बेटी राधिका मर्चेंट से शादी के बंधन में बंध गए हैं। मीडिया ने लिखा है कि सात महीने के असाधारण विवाह-पूर्व समारोहों के बाद अनंत अंबानी ने शुक्रवार को हजारों मेहमानों के सामने शादी की।*

महेंद्र सिंह धोनी परिवार संग समारोह में पहुंचे।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारत के अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी के बेटे अनंत शुक्रवार को राधिका मर्चेंट के साथ शादी के बंधन में बंध गए। मुंबई में एक भव्य समारोह में ये शादी हुई। बॉलीवुड, हॉलीवुड, स्पोर्ट्स और दुनियाभर के बड़े बिजनेसमैन इस शादी में शिरकत के लिए पहुंचे। ऐसा अनुमान है कि इस शादी में कई हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। शादी के फंक्शन में खर्च ने ना सिर्फ देश बल्कि विदेश के मीडिया का भी ध्यान खींचा है। पाकिस्तान से अरब तक के मीडिया ने इस शादी को कवर किया है।

टाइगर श्राफ, अपनी बहिन कृष्णा और मां के साथ शामिल हुए।

### अमेरिकी मीडिया

अमेरिकी मीडिया संस्थान ने मुकेश अंबानी के बेटे की शादी की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया है साथ ही बॉलीवुड सितारे, क्रिकेट खिलाड़ी, राजनेता और दुनिया भर से लोगों के शादी में आने की खबर प्रकाशित किया है।

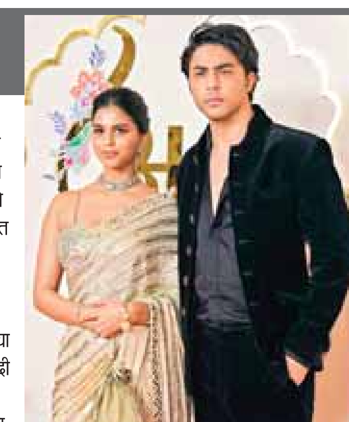

शाहरुख के बेटे आर्यन अपनी बहिन के साथ।

माधुरी दीक्षित अपने पति डॉ. श्रीराम नैने और बेटे के साथ शामिल हुई।

## खबर संक्षेप

### डोभाल ने सुलिवन के साथ फोन पर की बातचीत

**नई दिल्ली।** भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के साथ फोन पर बातचीत की। क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय चिंता के मुद्दों और क्वाड ढांचे के तहत जुलाई 2024 एवं उसके बाद होने वाली आगामी उच्च स्तरीय बैठकों पर चर्चा की। भारत-अमेरिका संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

### मॉस्को में विमान दुर्घटनाग्रस्त, 3 की मौत

**मास्को।** राजधानी मॉस्को के पास एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर सामने आई है। हालांकि, हादसे के वक्त विमान में कोई यात्री सवार नहीं था लेकिन, विमान का संचालन कर रहे चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई। अधिकारियों द्वारा दी गई। विमान गेजप्रोम एविया का था। गेजप्रोम, रूस में प्राकृतिक गैस की बड़ी कंपनी भी है।

### पीएम मोदी की रूस यात्रा से आई अच्छी खबर

# एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की 5 यूनिट में से बची 2 यूनिट साल 2026 में मिलेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

*भारत ने रूस से पांच एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम खरीदे थे। तीन आ चुके हैं। दो बाकी चल रहे थे। अब रूस ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध की वजह डिलिवरी में देरी हुई है। साल 2026 में बाकी के दो सिस्टम मिल जाएंगे। ये भरोसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे के बाद आया है।*

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे के बाद भारतीय वायुसेना के लिए अच्छी खबर आई है। रूस से भारत ने पांच यूनिट एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदे थे। तीन यूनिट्स तो आ गए थे। लेकिन दो यूनिट काफी दिनों से पेंडिंग थे। अब रूस से खबर आ रही है कि बाकी के दो यूनिट एस-400 साल 2026 में मिल जाएंगे। यूक्रेन से युद्ध के चलते इन एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम को भेजने में रूस ने देरी की।

सप्लाई चेन की दिक्कत थी। लेकिन अब यह दिक्कत खत्म हो चुकी है। इसलिए रूस ने कहा है कि चौथी यूनिट मार्च 2026 तक और पांचवी यूनिट 2026 के अंत तक भारत में आ जाएगी। भारत के पास एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम मौजूद होने की वजह से चीन या पाकिस्तान सीमा पार से नापाक हरकत नहीं कर पाएंगे।

इस एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के बचे हुए यूनिट्स आने के बाद देश की सुरक्षा अभेद्य हो जाएगी। एस-400 मिसाइल सिस्टम के ऑपरेटर्स की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है।

### हथियार नहीं महाबली है यह अभेद्य रक्षा कवच

*एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम हथियार नहीं महाबली है। इसके सामने किसी की भी साजिश नहीं चलती। यह आसमान से घात लगाकर आते हमलावर को पलभर में राख में बदल देता है। एस-400 मिसाइल सिस्टम को दुनिया की सबसे सक्षम मिसाइल प्रणाली माना जाता है।*

### भारतीय वायुसेना की ताकत में इजाफा होगा

*पाकिस्तान और चीन भारत के लिए हमेशा से चुनौती रहे हैं। भारत का इन देशों से युद्ध भी हो चुका है। शक्ति का संतुलन बनाए रखने के लिए ऐसी मिसाइल प्रणाली की देश को जरूरत थी। भारत को एस-400 सिस्टम मिलने से भारतीय वायुसेना की ताकत में इजाफा होगा।*

### छात्रों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए

# कनाडा में स्टडी परमिट पर होगी सख्ती, एक साथ होंगे बड़े बदलाव

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा की सरकार ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के पोस्ट-सेकेंडरी स्टडी परमिट को लेकर बदलाव की योजना बनाई है। इसमें कहा गया है कि अगर संस्थान अंतरराष्ट्रीय छात्रों के नामांकन की उचित निगरानी नहीं रखते हैं, तो उनके स्टडी परमिट को रोक दिया जाएगा। प्रस्तावित नियमों के तहत, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को संघीय आव्रजन विभाग को छात्रों की उपस्थिति और अध्ययन परमिट शर्तों के पालन के बारे में सूचित करना होगा। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय छात्रों को धोखाधड़ी से बचाना है।

### परिवार के सदस्यों के लिए भी बदलेगा नियम

नए नियम परिवार के सदस्यों के साथ आने के मौजूदा प्रावधान में भी बदलाव करेंगे, ताकि उन्हें एलओए सत्यापन से छूट मिल सके। उनके स्टडी या कार्य परमिट को कनाडा में प्रवेश से पहले मंजूरी मिली होनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय छात्र पोस्ट-सेकेंडरी डीएलआई में चला जाता है, तो प्रस्तावित नियमों के अनुसार उसके साथ आने वाले परिवार के सदस्य के पास एलओए होना आवश्यक होगा, जिसे सत्यापित किया जाना आवश्यक है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई डीएलआई किसी छात्र की पोस्ट-सेकेंडरी संस्थान में स्वीकृति की पुष्टि प्रदान नहीं करता है।

### संस्थान बदलने पर करना होगा नया आवेदन

*नियमों में एक महत्वपूर्ण बदलाव यह होगा कि जिन छात्रों को उनके अध्ययन परमिट पर दर्शाए गए संस्थान के अलावा किसी अन्य डीएलआई (नामित शिक्षण संस्थान) के लिए स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है और वे संस्थान बदलना चाहते हैं, तो वे नया कार्यक्रम शुरू करने से पहले नए स्टडी परमिट के लिए आवेदन करेंगे। हालांकि, जब तक इस आवेदन पर कोई निर्णय नहीं हो जाता, छात्रों को नए संस्थान में जाने की अनुमति रहेगी, बशर्ते वे कनाडा में रहें और अध्ययन परमिट की अन्य सभी शर्तों का पालन करें। प्रस्तावित नियमों में डीएलआई को आवेदक द्वारा प्रदान किए गए स्वीकृति पत्र की पुष्टि करनी होगी।*

### एनसीडब्ल्यू ने की थी मांग

# शहीद अंशुमान की पत्नी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले पर केस दर्ज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी स्मृति पर अभद्र टिप्पणी करने वाले पर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। इस बात की जानकारी शनिवार को अधिकारियों ने खुद दी है। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने कीर्ति चक्र कैप्टन अंशुमान सिंह की विधवा पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर एफआईआर दर्ज की है। बता दें कि एनसीडब्ल्यू (राष्ट्रीय महिला आयोग) ने हाल ही में इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया और दिल्ली पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज की।

### अडानी पोर्ट्स के कदम से उड़ेगी ड्रैगन की नींद

# दक्षिण भारत में बने नए मेगा पोर्ट विजिंजम में अपना निवेश बढ़ाएगा अडानी ग्रुप,समुद्री व्यापार पर बढ़ाऐगा अपनी पकड़

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के एमडी करण अडानी ने बताया है कि उनका प्लान 2028 तक विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल में 2.4 बिलियन डॉलर निवेश करने का है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दक्षिण भारत में बने नए मेगा पोर्ट विजिंजम में अपना निवेश बढ़ाने जा रहे हैं। यह निवेश अब 2.4 अरब डॉलर (करीब 20,000 करोड़ रुपए) होगा। अडानी ग्रुप का बड़ा प्लान पोर्ट का विस्तार तेजी से करना है और दुनिया के सबसे बड़े जहाज वहां पहुंच सके। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के एमडी करण अडानी ने बताया है कि उनका प्लान 2028 तक विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल में 2.4 बिलियन डॉलर निवेश करने का है। इसका लक्ष्य क्षमता को पांच गुना बढ़ाकर 5 मिलियन तक करना है, जो 3 मिलियन की शुरुआती योजना से कहीं अधिक है। अडानी ने बताया कि विस्तार की समय-सीमा को प्राइस टारगेट 2045 से बढ़ाकर 2028 कर दिया गया है, ताकि वर्तमान में चीन के नेतृत्व वाले अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार के बड़े हिस्से पर कब्जा किया जा सके। भारत के दक्षिणी छोर के निकट रणनीतिक रूप से स्थित विझिंजम प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय समुद्री मार्गों के निकट है ।

### चीन को मिलेगी चुनौती

गौतम अडानी के बेटे करण अडानी ने बताया कि पहले यह प्लान 2045 तक पूरा होना था, लेकन अब इसे घटाकर 2028 तक कर दिया गया है। यह बदलाव जल्द विस्तार को लेकर किया गया है। इसमें अभी चीन सबसे आगे है। इस योजना के पूरा हो जाने के बाद बड़े जहाज भी आ सकेंगे, जिससे चीन के व्यापार को भी चुनौती मिल सकेगी

### पहले 10 हजार करोड़ था निवेश, अब दोगुना

अडानी ग्रुप ने पहले इस योजना के तहत निवेश 10,000 करोड़ रुपए या 1.2 बिलियन डॉलर का था, लेकिन संशोधित योजना में राशि को दोगुना कर दिया गया है, जिसमें जहाज-ईंधन सुविधाएं, एक लक्जरी क्रूज टर्मिनल और 2 मिलियन टन की सीमेंट पीसने वाली यूनिट शामिल है।

# नए पोस्टर में कर्ण के रूप में नजर आए प्रभास...

**मुंबई।** इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक 'कल्कि 2898 एडी' बॉक्स ऑफिस पर बेहद शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को मिली इस ऐतिहासिक सफलता के बाद, निर्माताओं ने सभी फैंस और सिनेप्रेमियों को धन्यवाद देते हुए एक खास पोस्ट साझा किया है। टीम की तरफ से प्रभास का कर्ण के रूप में एक विशेष पोस्टर साझा किया है। 1000 करोड़ रुपए कमाने वाली यह सातवीं भारतीय फिल्म है। इस शानदार सफलता के बाद पोस्टर साझा करते हुए टीम ने लिखा, '1000 करोड़ पूरे और गिनती जारी है। यह मील का पत्थर आपके प्यार का जश्न है। हमने दिल लगा के फिल्म को बनाया।

लाइफ Style

# कैटरीना ने बनाया बेहतर इंसान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विकी कौशल का मानना है कि कैटरीना जैसी बीवी पाकर उनकी किस्मत खुल गई। उन्होंने मजाक में बताया कि उनकी वाइफ कपड़े रखने के लिए काफी स्पेस लेती हैं और उन्हें कम जगह मिलती है। विकी कौशल अपनी वाइफ कटरीना कैफ के फैन हैं।

यह बात उनके कई इंटरव्यूज से जाहिर हो चुकी है। कैटरीना की तारीफ करते हुए विकी बोले, उन्होंने मुझमें और मेरी जिंदगी में जो चीजें ऐड की हैं उनके लिए मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं। मुझे लगता है कि मैं उनकी वजह से बेहतर इंसान बन गया। बातचीत में विकी ने बताया, मेरे घर में हर कोई एक-एक करके अपने कलेशी मोमेंट का इंतजार करता है। ये जिम्मा किसी एक का नहीं है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ सनी या कटरीना या मॉम या डैड या मैं। कोई परमानेंट कलेशी नहीं है। हर किसी का दिन आता है और उस दिन बाकी उसी मोड में आ जाते हैं। विकी ने बताया कि जब वह भूखे हों या सोए ना हों तब ही कलेश करते हैं। जब मुझे वॉरड्रोब मिलेगा तब तो कलेश होगा। विकी ने बताया कि कटरीना के पास पूरा वॉरड्रोब है और उनके पास कपड़े रखने के लिए सिर्फ ड्रॉर। ऐसे में वॉरड्रोब पर लड़ने का सवाल ही नहीं है। विकी से पूछा गया कि बुरे वक्त में दोनों कैसे एक-दूसरे का साथ देते हैं। इस पर विकी बोले, हम एक-दूसरे का हाथ पकड़कर जो कहना है कहते रहते हैं। जो भी हो हम साथ हैं। इस उतार-चढ़ाव में हम एक-दूसरे के साथ हैं। कटरीना की तारीफ करते हुए विकी बोले, उन्होंने मुझमें और मेरी जिंदगी में जो चीजें ऐड की हैं उनके लिए मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं।

## हॉलीवुड मसाला

# 'डी 23 फैन...' का हुआ ऐलान

**लॉस एंजिलिस।** डिज्नी ने 2024 के लिए अपनी डी 23 फैन इवेंट की पूरी योजना की जानकारी दे दी है। इससे पहले कंपनी ने सीईएस पर इस साल घोषणा की थी कि वह इस बार अपने फैन कन्वेंशन के साथ नए क्षेत्रों में कदम बढ़ाएगी, पहली बार इसे डिज्नी+ पर स्ट्रीम करेगी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार करेगी। शुक्रवार, 9 अगस्त को शाम 7 बजे डिज्नी एंटरटेनमेंट शोकेस में सितारों की महफिल सजेगी, जिसमें प्रशंसकों को आने वाली फिल्मों, सीरीज और शो की विशेष झलक दिखाई जाएगी।

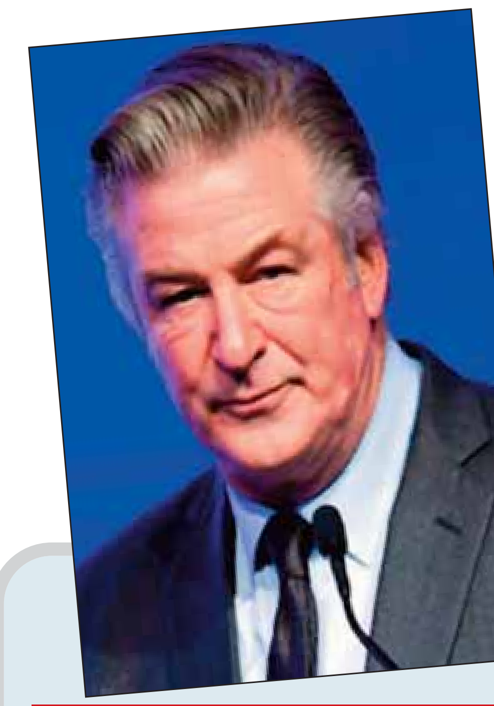

# अदालत में रो पड़े एलेक बाल्डविन

**लॉस एंजिलिस।** न्यू मैक्सिको के एक न्यायाधीश ने शुक्रवार को एलेक बाल्डविन के खिलाफ अनैच्छिक हत्या के आरोपों को खारिज कर दिया। न्यू मैक्सिको के सांता फे में मुकदमे की अध्यक्षता कर रहीं न्यायाधीश मैरी मार्लो सोमर ने कहा कि सिनेमैटोग्राफर हैलिना हचिन्स की मौत से संबंधित संभावित गोलियां, जो बाल्डविन के मामले के लिए कारगर हो सकती थीं, पुलिस और अभियोजकों द्वारा उनके वकीलों को इसकी जानकारी नहीं दी गई। न्यू मैक्सिको में बाल्डविन का मुकदमा शुरू होने के तीन दिन बाद न्यायाधीश मैरी मार्लो सोमर ने शुक्रवार को बचाव पक्ष के अनुरोध पर साक्ष्य सुनने के बाद फैसला सुनाया। एलेक बाल्डविन फैसला सुनने के बाद रो पड़े और उन्होंने अपनी पत्नी हिलारिया बाल्डविन को गले लगाया, जो इस सप्ताह की सुनवाई के दौरान अदालत में मौजूद थीं।

# ऐश्वर्या ने झेला रिजेक्शन सुनाई आपबीती

**मुंबई।** साउथ एक्ट्रेस ऐश्वर्या राजेश ने लोगों के मिले ताने और करियर रिजेक्शन पर खुलासा किया। ऐश्वर्या ने कहा कि शुरुआत में उनसे कहा गया कि वह हीरोइन बनने के लिए बहुत सिंपल है। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि वह स्टार की तरह पेश नहीं आती और समय बर्बाद कर रही हैं। ऐश्वर्या राजेश ने कहा, 'जब मैंने एक्टिंग करना शुरू किया तो कुछ लोगों ने मुझसे कहा कि मैं हीरोइन नहीं बन सकती, क्योंकि मैं बहुत सिंपल हूं। शुरुआत में मुझे बहुत सारे रिजेक्शन का सामना करना पड़ा, लेकिन मैं आगे बढ़ती रही और हिम्मत बनाए रखी।' कन्नड़, तमिल और तेलुगू फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकीं ऐश्वर्या राजेश आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उनकी गिनती साउथ की पॉपुलर और टॉप एक्ट्रेसेस में होती है। ल

# 'काकुड़ा' से मुकाबला करते दिखे रितेश

**मुंबई।** ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने आदित्य सरपोतदार की फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें 'ककुडा' को 'मैनहंटर' और रितेश देशमुख उर्फ विक्टर को 'घोस्ट हंटर' के रूप में दिखाया गया है। सोनाक्षी सिन्हा और रितेश देशमुख की फिल्म 'काकुड़ा' ऐलान के बाद से ही सुर्खियों में छाई हुई है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया। वहीं, अब फैंस की उत्सुकता को और बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता रितेश देशमुख का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें 'ककुडा' को 'मैनहंटर' और रितेश देशमुख उर्फ विक्टर को 'घोस्ट हंटर' के रूप में दिखाया गया है। इस तीखे और डरावने मुकाबले में यह देखना बाकी है कि आखिर में कौन जीतेगा।

## टीवी मसाला

# 'तारक मेहता का...' में वापसी कर रहा है ये मेन कैरेक्टर?

**नई दिल्ली।** टीवी का फेमस सिटकॉम 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' बीते करीब 16 सालों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। ये एक ऐसा शो है जिसे हर उम्र के लोग देखना पसंद करते हैं। इस शो की कहानी ही नहीं, बल्कि इसके किरदार भी दर्शकों के बीच काफी चर्चा में रहते हैं। इस शो में अब तक कई कलाकार आए और गए, लेकिन जाने के बाद के भी वो फैंस के बीच चर्चा में रहते हैं। बीते कुछ सालों में कई मेन कलाकारों ने शो को अलविदा कहा। वहीं, ये शो कई विवादों में भी घिरा रहा है। इस बीच अब शो के एक लीड कलाकार की वापसी की खबर सामने आ रही है। इस एक्टर का नाम सुनकर आप भी खुशी से झूम उठेंगे। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में रोशन सिंह सोढ़ी का किरदार निभाकर घर-घर में फेमस हुए गुरुचरण सिंह एक बार फिर से शो में वापसी कर सकते हैं। गुरुचरण का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो शो में वापसी को लेकर बात करते नजर आ रहे हैं। गुरुचरण से जब पूछा गया कि क्या उन्हें फिर से तारक मेहता में देखने को मिलेगा।

### 'बिग बॉस ओटीटी 3' के लिए अरमान मलिक ने हथियाया था ये हथकंडा

**नई दिल्ली।** 'बिग बॉस ओटीटी 3' को लेकर दर्शकों के बीच एक्सीडेंट काफी बढ़ता जा रहा है। शो में इस बार पत्रकार से लेकर यूट्यूबर, रैपर,

टीवी और बॉलीवुड तक के स्टार्स ने एंट्री ली है। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा में दो बीवियों वाले अरमान मलिक हैं। अब बिग बॉस 17 के एक्स कंटेस्टेंट तहलका प्रैंक उर्फ सनी आर्या ने उनका असली चेहरा दिखाया है। सनी ने वीडियो शेयर कर दिखाया कि शो में आने के लिए अरमान किस हद तक जा सकते हैं। तहलका, अरमान का वीडियो बना रहे होते हैं, तभी वो उनसे कैमरा छीनने की कोशिश करते हैं। इस पर सनी, अरमान से कहते हैं कि ये हरकत मत कर पहले बोल रहा हूं। लोगों ने कहा कि तू नाटक कर रहा है। बिग बॉस में जाने के लिए इस तरह के हथकंडे हथियाते हो। इस पर अरमान कहते हैं कि मुझे कोई शौक नहीं है बिग बॉस में जाने का छत्तीस मैसेज आ रखें हैं।

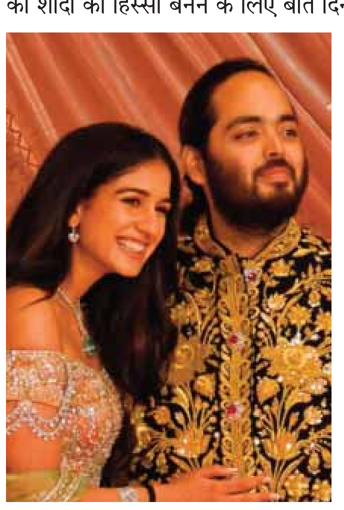

# 'द कार्दशियन' में दिखेगी अनंत-राधिका की शादी की झलक?

**मुंबई।** किम कार्दशियन और क्लो कार्दशियन, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी का हिस्सा बनने के लिए बीते दिन 11 जुलाई को मुंबई पहुंचीं। वेन्यू पर दोनों का भव्य स्वागत हुआ। साथ ही किम और क्लो ने पैपराजी के कैमरों के लिए भी ढेरों पोज दिए। वहीं, अब कार्दशियन बहनों को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट की मानें तो स्टार बहनें अपने रियलिटी शो 'द कार्दशियन' के लिए इस वेडिंग को फिल्माने वाली हैं। कथित तौर पर किम और क्लो अपने रियलिटी शो 'द कार्दशियन' के लिए अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी को कैप्चर करेंगी। जानकारी तो यह भी है कि बहनें यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ग्लैम टीम लेकर आई हैं कि वे अपनी पूरी यात्रा के दौरान सर्वश्रेष्ठ दिखें। अपने हेयर स्टाइलिस्ट क्रिस एपलटन, मेकअप कलाकार और फिल्म निर्माता के साथ, किम कार्दशियन और क्लो कार्दशियन अपने शो के संभावित छठे सीजन के मुख्य आकर्षण के लिए अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में भारत आने से लेकर भारत में रुकने तक की अपनी यात्रा को फिल्माएंगी।

# 'कई पुराने परिचितों के लिए प्यार महसूस हुआ' अनंत-राधिका की शादी के बाद यादों में खोए बिग बी

**मुंबई।** अमिताभ बच्चन ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल होने का अपना अनुभव साझा किया। अभिनेता अपने परिवार, जया बच्चन, अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय के साथ इस भव्य समारोह में शामिल हुए। शादी में शामिल होने के बाद बिग बी ने देर रात अपने ब्लॉग पर इस कार्यक्रम के बारे में अपने विचार साझा किए। अपने ब्लॉग में अभिनेता ने अपने अनुभव को साझा करने की उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने लिखा, 'हां, इस अलौकिक समय में भी जुड़ने की इच्छा और इच्छाशक्ति-कुछ लोगों के लिए, यह काम का समय है, लेकिन मेरे लिए समय का उपयोग करने की आवश्यकता है। एक शानदार शादी से वापस आकर मैं लंबे समय के बाद इतने सारे पुराने परिचितों के साथ प्यार और स्नेह की समृद्धि महसूस कर रहा हूं। अमिताभ बच्चन ने आगे कहा, 'ऐसा लग रहा था कि उनकी शारीरिक बनावट बदल गई है, लेकिन वे अपने रिश्ते और साथ में बिताए गए समय के प्रति बेहद ईमानदार हैं। यही तो जीवन है, रिश्ता, प्यार और देखभाल।' अमिताभ बच्चन ने आगे अपनी पुराने रिश्तों को भी याद किया और लोगों के जीवन में उसके महत्व को भी समझाया। उन्होंने आगे लिखा, 'यह अजीब है कि कैसे छोटी-छोटी चीजें जो एक-दूसरे के लिए मायने रखती हैं, बनी रहती हैं, लेकिन जिनके साथ गहरा संबंध था या जिन्होंने सार्थक समय बिताया था, वे खो जाते हैं और भुला दिए जाते हैं... वास्तव में भुलाए नहीं जाते हैं, लेकिन पीछे रख दिए जाते हैं और केवल तभी याद किए जाते हैं या सामने लाए जाते हैं, जब संबंध का आवश्यक अर्थ होता है।'

*'हां, इस अलौकिक समय में भी जुड़ने की इच्छा और इच्छाशक्ति-कुछ लोगों के लिए, यह काम का समय है, लेकिन मेरे लिए समय का उपयोग करने की आवश्यकता है।*

# जब इस फिल्म ने बुलंद कर दिया था धर्मेंद्र का सितारा, बना दिया था सुपरस्टार

**नई दिल्ली।** धर्मेंद्र का नाम बॉलीवुड के उन एक्टर्स में शुमार रहा है, जो उम्दा एक्टर होने के साथ साथ गजब की फैन फॉलोइंग भी रखते थे। करियर की पीक पर रहते हुए उन्होंने एक से बढ़ एक फिल्में दी हैं, जिसमें एक्शन से लेकर रोमांस और कॉमेडी जोनर तक की फिल्में शामिल हैं। वैसे तो धर्मेंद्र का करियर पचास और साठ के दरम्यानी दौर में शुरू हो गया था, लेकिन उनकी सबसे ज्यादा हिट फिल्मे रहीं लेट सिक्सिटीज फिर सत्तर के दशक की। यही वो समय था जब उनकी एक फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा कमाल दिखाया कि करीब पचास हफ्ते तक वो फिल्म थिएटर से उतरी ही नहीं। इस फिल्म को प्यार न सिर्फ भारत में मिला, बल्कि दुनियाभर में भी ये फिल्म छाई रही।

## धर्मेंद्र की वो सुपरहिट फिल्म

वैसे तो धर्मेंद्र अब भी फिल्मों में एक्टिव हैं। 88 साल की उम्र में धर्मेंद्र, शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ उनकी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में दिख चुके हैं। इससे पहले रॉकी और रानी की लवस्टोरी में भी धर्मेंद्र नजर आए। लेकिन हम जिस मूवी की बात कर रहे हैं वो आई थी साल 1977 में। ये फिल्म थी धरम वीर। इस एक्शन ड्रामा मूवी में धर्मेंद्र के साथ दिखी थीं जीनत अमान, जितेंद्र और नीतू सिंह। इन सबके अलावा प्राण भी इस फिल्म में अहम भूमिका में थे।

**50 हफ्ते तक लगी रही फिल्म :** जुड़वा भाइयों की कहानी पर बेस्ड ये फुल ड्रामा मूवी, भारत में खूब पसंद की गई। फिल्म करीब पचास हफ्ते तक थियेटर में लगी रही। उस दौर में फिल्म ने सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ही 13 करोड़ रुपए की कमाई की। इसके अलावा फिल्म ने यूनाइटेड किंगडम यानी कि इंग्लैंड के पांच शहरों में भी 23 सफल शो देखे। उस दौर में सिर्फ इंग्लैंड में फिल्म ने 4 लाख 38 हजार रुपए की कमाई की। यहां मोहम्मद रफी की आवाज में गाए गीत भी खूब पसंद किए गए।

# ऐश्वर्या से माफी मांगना चाहते हैं इमरान...

**मुंबई।** एक इंटरव्यू में एक्टर इमरान हाशमी ने उस किस्से के बारे में बात की जब उन्होंने ऐश्वर्या राय को प्लास्टिक कहकर बुलाया था। इमरान हाशमी ने अब उसबारे में खुलकर बात की है। उन्होंने कहा है कि वो ऐश्वर्या राय से इस बात के लिए माफी मांगना चाहेंगे। इमरान हाशमी से पूछा गया कि क्या उन्हें ऐश्वर्या राय को प्लास्टिक कहने का पछतावा है? सवाल सुनते ही इमरान हाशमी ने कहा कि हां उन्हें इस चीज का पछतावा है। उन्होंने कहा कि मैं कहता रहता हूं कि मैनें जिनके बारे में बात की, उनके प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए इमरान ने कहा कि मुझे उस चीज का पछतावा है क्योंकि वो बहुत अप्रिय था। अब लोग बहुत सेंस्टिव हो चुके हैं। लोग सोशल मीडिया पर हर चीज पर नाराज हो जाते हैं। इमरान हाशमी ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि अगर ऐश्वर्या राय को उनकी बात का बुरा लगा था वो उनसे माफी मांगना चाहेंगे। बता दें, कॉफी विद करण के चौथे सीजन के एक एपिसोड में इमरान हाशमी ने ऐश्वर्या राय को प्लास्टिक कहकर बुलाया था। इसके बाद, इमरान हाशमी को सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल किया गया था। इमरान हाशमी ने कहा कि मैं बस हैंपर जीतना चाहता था और इसलिए मैंने वो कहा। हालांकि, ऐश्वर्या राय ने कभी इमरान हाशमी के इस स्टेंटमेंट पर सीधे तौर पर रिएक्ट नहीं किया है।

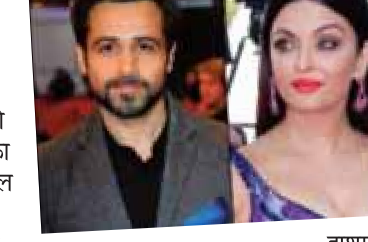

# रोड पर कुत्तों ने अगर कर दिया हमला, तो कैसे करें खुद की रक्षा? बेहद काम की हैं ये ट्रिक्स!

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सड़क पर आवारा कुत्तों का आतंक काफी होता है। ऐसे में अगर आप कहीं अकेले जा रहे हैं और कुत्तों ने आपके ऊपर हमला कर दिया, तो खुद की रक्षा करना आपको आना चाहिए। कुत्ते बेशक सबसे प्यारे पेट माने जाते हैं, मगर सुनसान-अकेले रास्तों पर वो अक्सर उग्र हो जाते हैं और हमला कर देते हैं। आवारा कुत्तों का खौफ तो कुछ ज्यादा ही होता है जो इंसानों पर हमला करने में परहेज नहीं करते। हर किसी को इस बात की चिंता होती है कि अगर आवारा कुत्तों ने उन्हें घेर लिया और हमला कर दिया, तो वो क्या करें, अपनी रक्षा कैसे करें और उन्हें कैसे दूर भगाएं। हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक यूजर ने ये सवाल किया। यूजर ने पूछा- 'कुत्ते के हमले से खुद का बचाव करने के सबसे अच्छे तरीके क्या हैं?' इसके बाद लोगों ने अलग-अलग प्रकार के जवाब दिए। कई बार कुत्ते बाइक के पीछे भागने लगते हैं, तो कभी कार के पीछे, कई बार पैदल जा रहे लोगों पर वो भौंकने लगते हैं। हर किसी की यही चिंता थी कि उनसे निपटा कैसे जाए। ऐसी स्थिति में अपनी रक्षा कैसे करनी चाहिए। इस जानकारी को हर किसी के लिए जान लेना बेहद जरूरी है।

**जहां भी हैं, वहीं खड़े हो जाएं**

- आगरा शहर के प्रसिद्ध पशु चिकित्सक संजीव नेहरू ने हाल ही में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गलत ट्रिक या कदम से लोग अपनी जान भी गंवा सकते हैं। अगर रोड पर जाते समय कुत्तों ने हमला कर दिया, तो सबसे पहली ट्रिक है कि आप जहां भी हैं, वहीं खड़े हो जाएं। तुरंत नीचे देखने लगें और जानवर की आंख में देखने से बचें। डायरेक्ट आई कॉन्टैक्ट खतरनाक हो सकता है।
- दूसरी ट्रिक ये है कि अगर आपके सामने कुत्ता गुस्से में खड़ा है, तो आप उसकी ओर आगे बढ़िए। ये डॉमिनेंस दिखाने का अच्छा तरीका है। इससे वो समझ जाएगा कि आप उसका पीछा नहीं कर रहे हैं और आपके होने से खतरा नहीं है।
- अक्सर ऐसा देखा गया है कि कुत्ते हमेशा हैरान-परेशान लोगों पर ज्यादा हमला करते हैं। इस वजह से कुत्तों को देखकर पैनिक नहीं होना चाहिए। अगर आप बाइक से जा रहे हैं और कुत्ता पीछा करने लगे, तो तुरंत बाइक रोक लें, इससे आप परेशान नहीं लगेंगे।
- कई बार कुत्ते तब हमला करते हैं, जब उन्हें लगता है कि कोई उनकी टेरिटरी में घुस रहा है। इस वजह से जब उनके इलाके से निकलें तो गाड़ी को तेज रफ्तार में भगाएं, पर पैनिक न हों, इससे संतुलन बिगड़ सकता है।
- अगर आप पैदल जा रहे हैं और सड़क के कुत्तों ने हमला कर दिया, तो वहीं खड़े होकर खुद को शांत रखें। कुत्तों को ये लगना चाहिए कि आप हमला नहीं कर रहे हैं।
- कुत्तों के हमले में अपने चेहरे को बचाएं। जब कुत्ते हमला करते हैं तो लोग ये गलती करते हैं कि वो गुस्से में भागने लगते हैं। कभी भी कुत्तों के सामने भागना नहीं चाहिए, इससे वो और भी ज्यादा गुस्सा हो जाते हैं।
- अगर कुत्ता हमला करे तो किसी लकड़ी, छाते आदि से अपनी रक्षा करें। ऐसी कोई चीज ढूंढें, जिसे आप कुत्ते के सामने हवा में लहरा सकें।

## पेड़ है या अजूबा, जमीन में नहीं मिलेगी जड़, मगर पूरे घर पर किया कब्जा

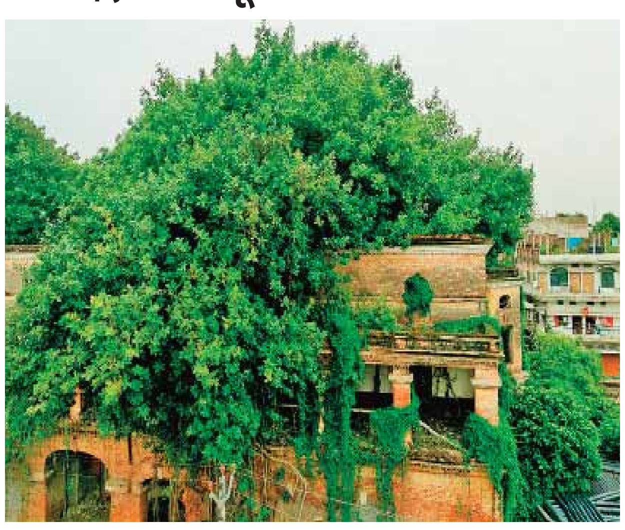

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

छपरा में एक ऐसा पेड़ है जिसको देखकर आप चौंक जाएंगे। इस तरह का पेड़ आपने कहीं नहीं देखा होगा। पेड़ की जड़ जमीन में नहीं, बल्कि इस भवन के दीवार में है। इन पेड़ ने छत पर पूरी तरह से कब्जा जमाया हुआ है। ऐसा लगता है कि छत पर ही पेड़ लगाया गया है। इस अजीब पेड़ को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यह बरगद का पेड़ मामूली नहीं है, बल्कि काफी विशाल है। यह पेड़ 70 साल से अधिक पुराना है। इस पेड़ में एक और खासियत देखी जाती है।10 कट्ठा से अधिक जमीन पर बने भवन की छत पर इस बरगद के पेड़ ने पूरी तरह से कब्जा कर लिया है।

जिस पेड़ को देखकर लोग चौंक जाते हैं। दूर से ऐसा लगता है कि छत पर पेड़ लगाया गया है। जब लोग नजदीक पहुंचते हैं तो देखकर और चौंक जाते हैं। यह पेड़ अन्य पेड़ की अपेक्षा में काफी यह हरा-भरा रहता है। इस हरे भरे घने पेड़ में कई प्रकार के जीव जंतुओं का बसेरा है।यहां सैकड़ों की संख्या में काले रंग के कबूतर हैं। यही नहीं, यहां सैकड़ों साल पुराना सांप भी हैं। जिसके डर से कोई इस भवन में प्रवेश भी नहीं करता है। हालांकि, यहां के जीव जंतु ने अभी तक किसी व्यक्ति को हानि नहीं पहुंचाई है।

# भारतीय महिला ने विदेश में पहना घाघरा-चोली, घूरने लगे लोग

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय परिधान इतने खास होते हैं कि जब विदेशी लोग भारत आते हैं, तो वो भारतीय परिधानों को पहनने की कोशिश करते हैं। आपको कई विदेशी महिलाएं साड़ी या सलवार सूट पहने दिख जाएंगी। पर सोचिए कि अगर कोई भारतीय महिला, ट्रडीशनल इंडियन कपड़ों में विदेश घूमने चली जाए, तो उसे देखकर लोग क्या करेंगे? इन दिनों एक महिला का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो राजस्थानी घाघरा-चोली पहनकर विदेशी जमीन पर घूमती नजर आ रही है। विदेशी महिलाएं उसे देखकर इतनी इंप्रेस हो गईं, कि उसने ऐसा काम किया, जिसे देखकर हैरानी होगीक्योंकि आमतौर पर कोई ये नहीं करता! इंस्टाग्राम यूजर ढोली मीणा विदेशों में भारतीय, खासकर राजस्थानी सभ्यता और संस्कृति का प्रचार करती हैं। वो अक्सर दूसरे देशों में राजस्थानी परिधानों को पहनकर घूमने निकल जाती हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने यूरोप के देश माल्टा में एक फैशन वीक में हिस्सा लिया जिसमें वो घाघरा चोली पहने हुए नजर आ रही थीं। अब वो किसी दूसरे देश की सड़कों पर टहलती नजर आ रही हैं।

**अनजान औरत ने किया कुछ ऐसा, देखकर होगी हैरानी!**

**विदेशी महिला ने खींची घाघरा चोली पोशाक की तस्वीर**

वीडियो में महिला रोड पर घूम रही हैं। उनके चारों ओर विदेशी टहलते नजर आ रहे हैं। उसी बीच एक विदेशी महिला आती है और वो ढोली मीणा की फोटो अपने कैमरे से खींचने लगती है। उस महिला को घाघरा चोली पोशाक इतनी अच्छी लगती है कि वो फोटो खींचे बिना नहीं रह पाती है। आसपास से गुजरने वाले लोग भी उनकी ड्रेस को पहने देख रहे हैं।

**वीडियो हो रहा है वायरल**

इस वीडियो को 5 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं, जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है।एक ने कहा- 'हमारी संस्कृति हमारा पहनावा ही हमारी पहचान है।' एक ने कहा- 'धन्यवाद! आजकल के इस मॉडर्न जमाने में अपने भारत की संस्कृति की लाज रखने के लिए बहुत कुछ किया है!' लोग उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं।

## क्लास में बच्चों को पकड़ाईं नोटों की गड्डियां, लगा दिया गिनने के काम पर

**बीजिंग।** सोशल मीडिया पर यूं तो आपको बहुत से वीडियो देखने को मिलते हैं लेकिन कुछ वीडियो ऐसे होते हैं, जिन पर हमारी नज़रें थोड़ी देर के लिए ठहर जाती हैं। वहीं, कुछ वीडियो के ज़रिये हमें कुछ ऐसा आश्चर्यजनक जानने को मिल जाता है, जो हमें पहले पता ही नहीं होता. इस वक्त एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जो शिक्षा और छात्रों से जुड़ा हुआ है। अगर एजुकेशन सिस्टम की बात करें, तो हमें दूसरे देशों में कुछ ऐसे तरीके दिख जाते हैं, जो हमने अपने देश में कभी नहीं देखे होते हैं। जो वीडियो हम आपको दिखाने जा रहे हैं, वो आपको हैरान कर देगा, क्योंकि यहां बच्चों की सीट पर नोटों की गड्डियां रखी हुई हैं। उन्हें आप तेज़ी से इन्हें गिनते हुए देख सकते हैं। चलिए जानते हैं कि ये पूरा मामला है क्या? वायरल हो रहे वीडियो में एक स्कूल का दृश्य दिखाई दे रहा है। यहां बहुत से बच्चे बैठे हुए हैं, जो अपनी-अपनी सीट पर पेन और पेपर के साथ-साथ नोटों की गड्डियां लिए हुए हैं।

**आवश्यकता**

आवश्यकता है- AIRPORT डायरेक्ट भर्ती अनपढ़ 8th, 10th, 12th, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) एयर होस्टेस, सुपरवाईजर, मैनेजर, ग्राउंड स्टाफ, क्लर्क, चेकर, लोडर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर, हेल्पर 31500-82500 मेडिकल, इंश्योरेंस, रहना, खाना फ्री. 7495042110, 7404063544 (रायपुर /16 / जुलाई 24)

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक कंपनी में दवा पैक करने के लिए शिक्षित/ बेरोजगार जरूरतमंद लड़के- लड़कियां हाउस वाइफ घरबैठे दवाई पैकिंग करके पार्टटाइम /फुलटाइम 30,500/- से 35,500/- महीना कमाए (जरूरतमंद लोग WHATSAPP या कॉल करें) +916267324667(रायपुर/25/जुलाई 24)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे। 18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 08116592844

# हथौड़ा समझकर जिससे महिला 20 साल तक कूटती रही लाल मिर्च, वह निकला जिंदा हैंडग्रेनेड

**बीजिंग।** चीन में एक बुजुर्ग महिला 20 साल पहले हथौड़ा समझकर जिसे जंगल से उठा लाई, उसकी सच्चाई जब मालूम हुई तो उसे सामने मौत दिख गई। रिपोर्ट के अनुसार, महिला जिंदा हैंड ग्रेनेड से 20 साल से घर में लाल मिर्च कूट रही थी। यही नहीं घर की दीवारों पर कील ठोंकना और अखरोट तोड़ने से लेकर घर के कई कामों में वह उसका इस्तेमाल कर रही थी। महिला को यह कब और कैसे मालूम हुआ कि वह हथौड़ा नहीं हैंडग्रेनेड था? चलिए जानते हैं। घटना मिडिल चीन के हुबेई प्रांत के जियानगयांग की है। किन नाम की 90 वर्षीय महिला को 20 साल पहले हुआंगबाओ काउंटी में अपने खेत में काम करते समय एक असामान्य वस्तु दिखी। वह वस्तु धातु से बनी थी और काफी हद तक हथौड़े जैसे आकार की थी। वह उसे काम की वस्तु समझकर घर ले आई और घरेलू कामों में उसका इस्तेमाल करने लगी। किन को बीते 23 जून को मालूम हुआ कि वह जिसे हथौड़ा समझकर इस्तेमाल कर रही थी, वह असल में जिंदा हैंडग्रेनेड था। जब उसे यह सच्चाई मालूम हुई तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। महिला ने एक वीडियो में खुलासा किया, 'मैं इसे घर पर लाल मिर्च कूटने, मेवे तोड़ने और कील ठोंकने के लिए उपयोग कर रही थी।'

**सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची**

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, महिला को इसका पता 23 जून को पता लगा, जब उसके पुराने घर की मरम्मत करने कुछ मजदूर पहुंचे। उन्होंने महिला के हाथ में यह हथियार देखा तो चौंक गए। उन्होंने उसे बताया कि यह हथौड़ा नहीं हैंडग्रेनेड है। जैसे ही इस घटना की जानकारी लोकल पुलिस को मिली। वे स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। साथ में बम निरोधक दस्ता भी था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हैंडग्रेनेड का हैंडल वर्षों के उपयोग से चिकना और चमकदार हो गया था, जबकि सिर पर बार-बार हथौड़ा मारने से उस पर गड्ढे बन गए थे।

## राशिफल

**मेष** — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**वृष** — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

**मिथुन** — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

**कर्क** — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

**सिंह** — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

**कन्या** — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

**तुला** — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

**वृश्चिक** — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

**धनु** — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

**मकर** — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

**कुंभ** — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

**मीन** — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

# सदी वर्ल्ड का टिकाऊ और किफायती वाटर प्रूफ सॉल्यूशन "सील होम"

**इंदौर।** प्रत्येक मनुष्य अपनी जिंदगी भर की कमाई एकत्रित कर अपने घर को बनाता है और उसको सजाता है लेकिन बारिश का पानी जब घर में घुसता है तो घर की छत, दीवारें, बाथरूम, साइड वॉल, बालकनी, छज्जे आदि सभी जगह को डैमेज करता है। साथ ही फर्नीचर को भी खराब करता है। ऐसी स्थिति में बिजली के तारों में भी करंट फैलने की आशंका होती है जिससे गंभीर दुर्घटना भी हो सकती है। इसी आशंका को दूर करने के लिए देश में पहली बार सदी वर्ल्ड द्वारा वाटर प्रूफिंग हेतु ऐसा केमिकल "सील होम" लॉंच किया है जिससे तुरंत परिणाम हासिल होते हैं। इसे लगाने का तरीका भी अत्यंत ही आसान है एवं किसी बाहरी व्यक्ति यानी मिस्त्री/ पेंटर पर भी निर्भर नहीं रहना पड़ता। सील होम एक हानि रहित कैमिकल है जो कांक्रीट, मोटर या प्लास्टर की दरारों में जाकर उन्हें पूर्णतया वाटर प्रूफ कर देता है।

कंपनी के डायरेक्टर दीपक भंडारी ने बताया कि किसी भी प्रकार का निर्माण चाहे वह नया हो या पुराना दोनों की वाटर प्रूफिंग हेतु यह सर्वोत्तम और मितव्ययी समाधान है। भारत में उपलब्ध अन्य कैमिकल्स की तुलना में यह बिल्कुल अलग है। यह पर्यावरण एवं मानव शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है। यह जल आधारित एवं पानी में घुलनशील है। यह इको फ्रेंडली और बायोडिग्रेडेबल भी है। इसका कवरेज एरिया भी 1 किलो में 80 से 100 वर्गफीट याने सर्वाधिक है और लागत सबसे कम है। यह एक ऐसा समाधान है जो नवीनतम तकनीक और इंजीनियरिंग आधारित है और किफायत के साथ सर्वोत्तम परिणाम देता है।

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए...
तो हमसे जुड़िए...
या आपको तलाश है... एक अच्छी बहू की...
हरिभूमि वैवाहिकी

**वधु चाहिए**
वधु चाहिए
28 वर्ष, 6 फीट इंजीनियर एमबीए एनएमसी पुणे में कार्यरत 150000 प्रतिमाह वेतन प्राप्त सोनी युवक हेतु एम.सी.ए इंजीनियर एमबीए सोनी वधु चाहिए
संपर्क करें- 9893727585

**वधु चाहिए**
वधु चाहिए
28 वर्ष, 5'-7" BE (Civil) MA (English), B.Ed. स्वयं का मकान, 5 एकड़ कृषि भूमि तथा स्वयं का व्यवसाय बंगाली ब्राह्मण वर हेतु शिक्षित कन्या चाहिए, जाति बंधन नहीं कोरबा, बिलासपुर वाले को प्राथमिकता कृपया ब्यूरो वाले क्षमा करें।
संपर्क करें- 7805909181 7999567623

**वर चाहिए**
वर चाहिए
विधवा महिला उम्र 38वर्ष शिक्षा बीए फाईनल हेतु तलाकशुदा, विधुर नौकरी पेशा, व्यवसायी, घर जमाई, सुयोग्य वर चाहिए।
सम्पर्क करें 9993738069

## शब्द पहेली - 5571

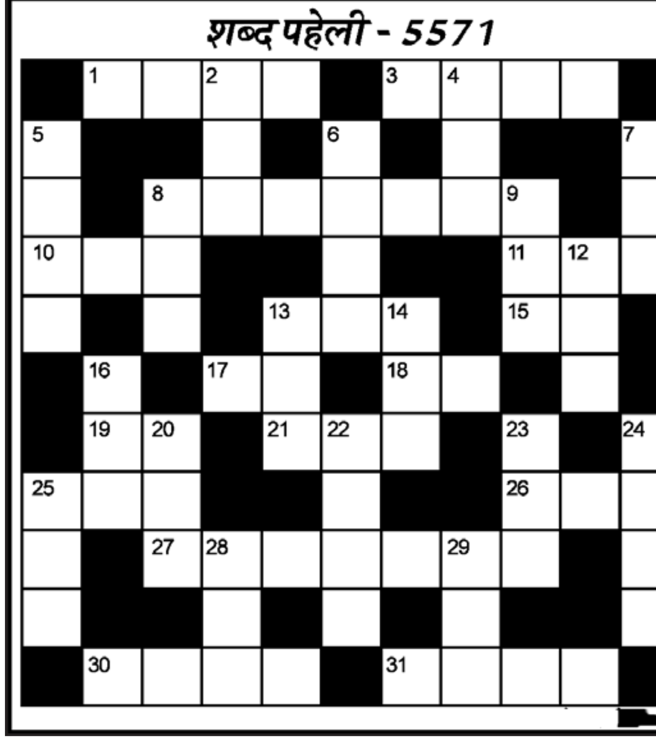

**बाएँ से दाएँ**
1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

**ऊपर से नीचे**
2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

**शब्द पहेली- 5570 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | ज | दा | क | र | ना | ■ | म | त | वा | ला |
| ह | रा | ■ | त | ■ | का | म | ना | ■ | दा | वा |
| न | ■ | बे | र | ह | म | ■ | ना | रा | ■ | रि |
| शी | ल | वा | न | ■ | या | द | ■ | नी | र | स |
| ल | ■ | प | ■ | ख | ब | र | ची | ■ | न | ■ |
| ता | र | न | हा | र | ■ | का | न | भ | र | ना |
| ■ | म | ■ | र | ह | ब | र | ■ | यं | ■ | प |
| प्र | ण | य | ■ | रा | हु | ■ | ब | क | वा | स |
| ति | ■ | दा | स | ■ | बे | क | रा | र | ■ | न्द |
| का | न | ■ | चि | रा | ग | ■ | म | ■ | क | हो |
| र | म | जा | न | ■ | म | द | द | क | र | ना |

## सूडोकु नवताल - 5582

★★★☆☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 5 | | | 8 | | | 3 |
| | 7 | | | 3 | 5 | | | |
| 3 | | | | | | 6 | | |
| | | | | | | | 8 | 5 |
| | 6 | | | 7 | | | 1 | |
| 4 | 2 | | | | | | | |
| | | 1 | | | | | | 8 |
| | | | 7 | 4 | | | 3 | |
| 6 | | | 2 | | | 7 | | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल - 5581 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 7 | 5 | 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 7 | 5 |
| 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 2 |
| 5 | 8 | 6 | 9 | 2 | 4 | 3 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 1 | 3 | 8 | 4 | 6 |
| 8 | 6 | 4 | 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 8 | 5 | 2 | 6 | 4 |
| 1 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 7 | 9 | 8 |

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

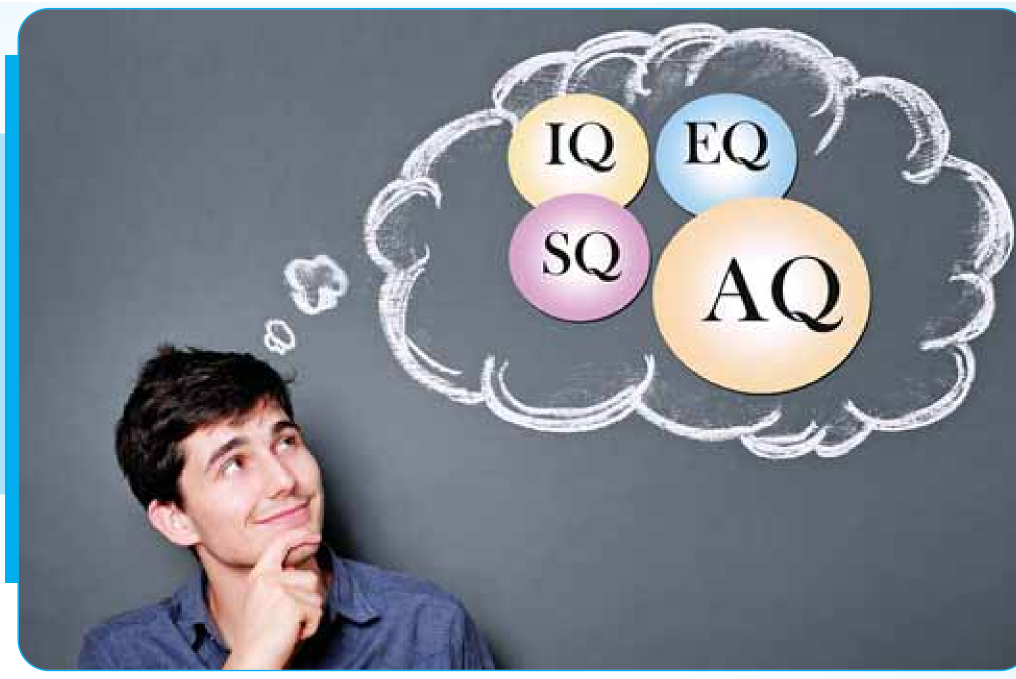


# आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्यू

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अगर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलीजेंस कोशेंट का कॉन्सेप्ट दिया।

## आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी घिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

## मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का एकमात्र पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग- अलग तरह से परख होती है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

## इन दिनों चर्चा में है एक्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आपा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते है, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

## बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही बुद्धिमान होता है। इसलिए देखने में आता है कि कई सफल लोग भले सामान्य परिस्थितियों में ज्यादा कुछ ना बोलें, बढ़-चढ़कर अपनी समझदारी ना दिखाएं, लेकिन जब बुरा वक्त आता है तो वे बहुत ही बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उस बुरे वक्त से बाहर निकल आते हैं। माना जाता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर आईक्यू बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता, क्योंकि यहां तक अगर कोई पहुंचा है तो उसकी दिमागी क्षमता सामान्य लोगों से तो ज्यादा होगी ही। इस स्तर पर ईक्यू भी बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, क्योंकि सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर या बहुत ऊंचे पायदान पर भावनाएं बहुत मायने नहीं रखती हैं और इस स्तर पर सामाजिकता भी कम से कम उतनी अर्थपूर्ण नहीं रहती, जितनी निचले स्तर के लोगों के लिए सामाजिकता की कीमत होती है।

सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएंगे और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

## सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतिभा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदौलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहानुभूति हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाईयां छूकर, जबरदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का माद्दा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कौशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूसा गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। *

## विराट कोहली का एक्यू है हाई

**कई बार** हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कहा करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसेस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्हीं के रनों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन ईनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्यू कितना हाई है!

# लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की भरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

कई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर पसंदीदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीटी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

**बेवजह की बेचैनियों से परेशान:** आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती हैं। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शादी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाएं पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

**वजह हैं ज्यादा ऑप्शंस:** क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है।

असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पार्लर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंफ्यूज और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनें। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

**पहले हम रहते थे सुकून से:** आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शादी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंफ्यूज बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गद्देवाला बेड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वैराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

**ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशान:** 'एज ऑफ अबेंडंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेटे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्फिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंफ्यूज होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं।

स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं।

**टफ बन रहा जीवन :** ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशक्कत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएं बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

## नहीं होता जहां कुछ भी

नहीं होता जहां कुछ भी खयाले-खाम होता है
उसे सुनता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है
तुम्हारी बज़्म में जाने से मेरा कद नहीं बढ़ता
मेरे आने से महफिल में तुम्हारा नाम होता है
अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा
किसी की जान जाती है किसी का काम होता है
हकीकत आ ही जाती है निगाहों में जमाने की
बुराई का हमेशा से बुरा अंजाम होता है
फकत इज्जत की खातिर बोली जाती हैं कई बातें
वहां मुद्दा नहीं रहता जहां कुहराम होता है
भले बनकर रहा करते हैं मीठा बोलने वाले
खरा कहता है, जो अकसर वही बदनाम होता है
उन्हें अफसोस होगा जो कभी मुझसे न मिल पाए
मेरी हर बात पे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

कहानी / सरस्वती रमेश

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इंसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

# करुणा का बीज

आज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।'

डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सकुचाते हुए पूछा,'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?'

'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया। 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा।

'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?'

'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूं। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा।

'उनके पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली। 'अरे ! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा।

'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।'

डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्ष बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वहीं मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?'

'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा।

विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूं। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।'

'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे का इलाज करवाया था?'

एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया।

युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूं, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।'

'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल ने युवक को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा।

कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए हमें बताइए?'

विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।'

कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।'

'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबरदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपको जरूरत नहीं है। और ना आप पैसों की चिंता करना। मैं हूं ना, आपके बेटे के समान हूं। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। *

# विंबलडन जीतकर महारिकॉर्ड बनाएंगे जोकोविच, अल्कारेज भी कम नहीं

एजेंसी ▶▶| लंदन

सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच विंबलडन चैंपियनशिप 2024 में पुरुष सिंगल्स के फाइनल में पहुंच गए हैं। खिताब जीतने पर जोकोविच वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए सबसे ज्यादा 25 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बना जाएंगे। शुक्रवार को लंदन में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच ने 25वीं सीड इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को सीधे सेटों में 6-4, 7,6 (2), 6-4 से हराया।

अब रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में जोकोविच का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से होगा। कार्लोस अल्कारेज ने पुरुष सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में रूस के डेनियल मेदवेदेव को 6-7, 6-3, 6-4, 6-4 से हराया था। अल्कारेज ने पिछले साल नोवाक जोकोविच को हराकर खिताब जीता था। अब जोकोविच का लक्ष्य सेंटर कोर्ट पर मिली उस हार का बदला चुकता करने पर होगा।

## 37वां ग्रैंडस्लैम फाइनल

नोवाक जोकोविच अपने टेनिस कॅरियर का 37वां ग्रैंड स्लैम सिंगल्स फाइनल खेलने जा रहे, जो ओपन युग में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है. वह स्विट्जरलैंड के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर और स्पेनिश स्टार राफेल नडाल को काफी पीछे छोड़ चुके हैं।

## 3-0 अल्कारेज का रिकॉर्ड

कार्लोस अल्कारेज को हराना जोकोविच के लिए आसान नहीं रहने वाला है। अल्कारेज इससे पहले तीन बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंच थे और जीत भी हासिल की थी। 21 वर्षीय अल्कारेज तीनों तरह के कोर्ट घास, क्ले और हार्ड कोर्ट पर ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। अब स्पेन का यह धुरंधर ओपन युग (1968 से शुरू) में 22 साल की उम्र से पहले ऑल इंग्लैंड क्लब में कई चैंपियनशिप जीतने वाले बोरिस बेकर और ब्योर्न बोर्ग के साथ जुड़ने से केवल एक जीत दूर है। अल्कारेज 2022 में अमेरिकी ओपन और पिछले महीने फ्रेंच ओपन में भी विजेता बने थे।

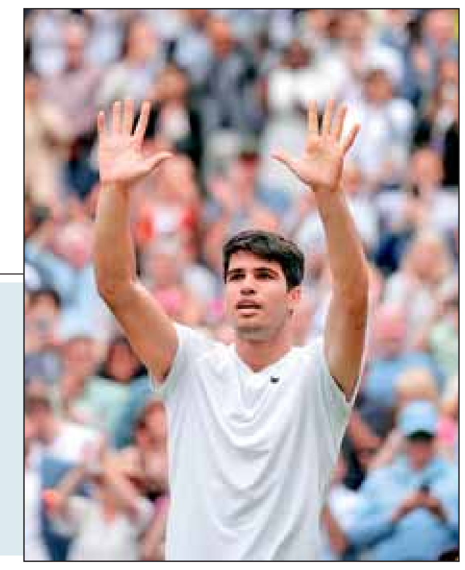

## सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम

| खिलाड़ी | देश | ग्रैंड स्लैम | टूर्नामेंट |
|---|---|---|---|
| नोवाक जोकोविच | सर्बिया | 24 | ऑस्ट्रेलियन-10, फ्रेंच-3, विंबलडन-7, यूएस-4 |
| राफेल नडाल | स्पेन | 22 | ऑस्ट्रेलियन-2, फ्रेंच-14, विंबलडन-2, यूएस-4 |
| रोजर फेडरर | स्विट्जरलैंड | 20 | ऑस्ट्रेलियन-6, फ्रेंच-1, विंबलडन-8, यूएस-5 |
| पीट सैम्प्रास | अमेरिका | 14 | ऑस्ट्रेलियन-2, फ्रेंच-0, विंबलडन-7, यूएस-5 |

## कोर्ट का रिकार्ड तोड़ने पर नजर

36 साल के जोकोविच यदि फाइनल मुकाबला जीतते हैं तो वो वह टेनिस इतिहास में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने के मामले में मार्गरेट कोर्ट से आगे निकल जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की मार्गरेट कोर्ट ने भी 24 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स टाइटल जीते थे, लेकिन इनमें से 13 खिताब ओपन ऐरा से पहले आए थे।

## सबसे ज्यादा फाइनल

| फाइनल | खिलाड़ी |
|---|---|
| 37 | नोवाक जोकोविच |
| 31 | रोजर फेडरर |
| 30 | राफेल नडाल |
| 19 | इवान लेंडल |
| 18 | पीट सम्प्रास |

## खबर संक्षेप

### अर्जुन का कॉलिंग में दमदार प्रदर्शन

**एक्रोन।** भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल (74-71) ने यहां फायरस्टोन कंट्री क्लब में खेले जा रहे कॉलिंग कंपनीज चैंपियनशिप गोल्फ के कट प्रवेश कर लिया है। अटवाल ने दूसरे दौर में दो बर्डी और तीन बोगी के साथ एक ओवर 71 का कार्ड खेला। उन्होंने पहले दौर में चार ओवर 74 का स्कोर किया। वह पांच ओवर 145 के स्कोर के साथ संयुक्त 49वें स्थान पर है। स्टीवन अल्केर दूसरे दौर में 65 का कार्ड खेलने के बाद तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कुल सात अंडर के स्कोर के साथ स्टीव स्ट्रिकर पर एक शॉट की बढ़त बना ली है।

### रंधावा पांचवें और जीव 19वें स्थान पर

**जिनेवा।** भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा यूरोप में 'लीजेंड्स टूर' पर स्विस सीनियर्स ओपन में चार अंडर 66 के कार्ड से संयुक्त पांचवें स्थान पर जबकि जीव मिल्खा सिंह (68) संयुक्त 19वें स्थान पर बने हुए हैं। दोनों भारतीय गोल्फर इस सत्र में अच्छा खेल रहे हैं। रंधावा ने 50 साल से अधिक उम्र के गोल्फरों के इस टूर्नामेंट में पांच बर्डी लगायी और एक बोगी कर बैठे जबकि जीव ने चार बर्डी लगायी और दो बोगी की।

टी20 : यशस्वी-शुभमन ने पहले विकेट के लिए की 156 रन की साझेदारी

# भारत ने जीती सीरीज, जिम्बाब्वे को 10 विकेट से रौंदा, बनाई 3-1 से बढ़त

एजेंसी ▶▶| हरारे

भारत ने शनिवार को यहां चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 10 विकेट से रौंदकर पांच मैच की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल की। भारत ने इस तरह जिम्बाब्वे पर दूसरी दफा 10 विकेट के अंतर से जीत हासिल की। 2016 में इसी स्थल पर भारत ने मेजबान टीम को 10 विकेट से हराया था। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (नाबाद 93) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 58) ने पहले विकेट के लिए 156 रन की अटूट साझेदारी की। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करते हुए कामचलाऊ गेंदबाज शिवम दूबे और अभिषेक शर्मा के शानदार प्रदर्शन से जिम्बाब्वे को सात विकेट पर 152 रन पर रोक दिया। फिर जायसवाल और गिल की मदद से उछाल भरी पिच पर यह लक्ष्य महज 15.2 ओवर में 156 रन बनाकर हासिल कर लिया। जायसवाल ने 53 गेंद की नाबाद पारी में 13 चौके और दो छक्के जड़े। गिल ने संयम से खेलते हुए जायसवाल को ताबड़तोड़ रन जुटाने दिए तथा 39 गेंद की नाबाद पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के जमाए।

### गिल की तीसरी टी-20 फिफ्टी

शुभमन गिल ने 35 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। यह उनकी टी-20 इंटरनेशनल की तीसरी फिफ्टी है। यशस्वी जायसवाल ने 29 बॉल पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने सिकंदर रजा की बॉल पर चौका लगाकर अपनी फिफ्टी लगाई। यह उनकी टी-20 इंटरनेशनल की छठी फिफ्टी है।

### रजा ने बनाए 46 रन

जिम्बाब्वे की ओर से कप्तान सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। उनके अलावा तदिवनाशे मरुमानी 32 और वेसले मधवरे ने 25 रन का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के ओपनर्स तदिवनाशे मरुमानी (32) और वेसले मधवरे (25) के बीच 63 रन की साझेदारी हुई। भारत की ओर से खलील अहमद ने दो विकेट झटके। शिवम दुबे, अभिषेक शर्मा, तुषार देशपांडे और वॉशिंगटन सुंदर को 1-1 विकेट मिला। जोनाथन कैंपबेल को रवि बिश्नोई ने अपनी ही बॉल पर डायरेक्ट हिट पर रन आउट किया।

### तुषार को मिला डेब्यू का मौका

आवेश खान की जगह तुषार देशपांडे को टीम में शामिल किया गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ देशपांडे ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। घरेलू मैचों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले इस तेज गेंदबाज को आखिरकार अपनी मेहनत का इनाम मिल ही गया। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर साईराज बहुतुले ने उन्हें डेब्य कैप पहनाई। इस दौरान देशपांडे की पत्नी भी मौजूद रहीं।

### स्कोर बोर्ड

| जिम्बाब्वे | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| वेस्ली का रिंकू बो शिवम दूबे | 25 | 24 | 4 | 0 |
| मारुमनी का रिंकू बो अभिषेक | 32 | 31 | 3 | 0 |
| बेनेट का जायसवाल बो सुंदर | 09 | 14 | 0 | 0 |
| रजा का गिल बो देशपांडे | 46 | 28 | 2 | 3 |
| जोनाथन कैंपबेल रन आउट | 03 | 03 | 0 | 0 |
| मेयर्स का एवं बो खलील | 12 | 13 | 0 | 0 |
| मडांडे का रिंकू बो खलील | 07 | 05 | 1 | 0 |
| फराज अकरम नाबाद | 04 | 03 | 0 | 0 |

अतिरिक्त : 14, कुल : 20 ओवर में 152/7
गेंदबाजी : खलील 4-0-32-2, देशपांडे 3-0-30-1, बिश्नोई 4-0-22-0, सुंदर 4-0-32-1, अभिषेक 3-0-20-1, दूबे 2-0-11-1

| भारत | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| यशस्वी जायसवाल नाबाद | 93 | 53 | 13 | 2 |
| शुभमन गिल नाबाद | 58 | 39 | 6 | 2 |

अतिरिक्त : 05, कुल : 15.2 ओवर में 156/00
**गेंदबाजी :** नगारवा 3-0-27-0, मुजारबानी 3.2-0-25-0, चतारा 2-0-23-0, अकरम 4-0-41-0, रजा 2-0-24-0, बेनेट 1-0-16-0.

ओलंपिक

# अंतिम और अमन वरीय पहलवान, चूकी विनेश

एजेंसी ▶▶| पेरिस

विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम पंघाल (महिला 53 किग्रा) और बेहद प्रतिभाशाली अमन सहरावत (पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा) को पेरिस ओलंपिक में कुश्ती प्रतियोगिता के लिए उनके संबंधित भार वर्गों में चौथी और छठी वरीयता दी गई है, जिससे उन्हें शुरुआती मुकाबलों में कठिन प्रतिद्वंद्वियों से बचने में मदद मिलेगी।

कुश्ती प्रतियोगिताएं पांच अगस्त को शुरू होंगी और खेलों के आखिरी दिन 11 अगस्त को समाप्त होंगी। ओलंपिक में वरीयता का फैसला 2023 विश्व चैंपियनशिप, 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप के साथ जाग्रेब और बुडापेस्ट में रैंकिंग श्रृंखला में पहलवानों के प्रदर्शन पर आधारित है। महिलाओं के 50 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को कोई वरीयता नहीं मिली है। पदक दौर शुरू होने से पहले अमन को जापान के री हिगुची या आर्मेनिया के आर्सेन हारुत्युन्यान से भिड़ना पड़ सकता है। ओलंपिक में अंशू मलिक (महिला 57 किग्रा), निशा दहिया (महिला 68 किग्रा) और रितिका हुडा (महिला 76 किग्रा) भी भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगी।

### स्पेन को जीतते देखना चाहते हैं भूटिया

**नई दिल्ली।** भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ यूरो कप फाइनल में स्पेन को जीतते हुए देखना चाहते हैं और उन्हें उम्मीद है कि लेमिन यमाल और निको विलियम्स शानदार प्रदर्शन से दुनिया भर के प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। भूटिया ने कहा, 'स्पेन का पलड़ा निश्चित रूप से फाइनल में भारी होगा क्योंकि जिस तरह से वे खेल रहे हैं, उसे देखकर उनकी टीम पूरी तरह से संतुलित दिख रही है। वे तकनीकी रूप से अच्छा खेल दिखा रहे हैं। उन्होंने छह में से छह मैच जीते हैं।

### झूलन बनीं ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की मेंटोर

**नई दिल्ली।** भारत की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग से पहले ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की मेंटोर बन गई हैं। अपने दो दशक के कॅरियर में झूलन ने 355 विकेट लिए। उन्होंने 2022 में खेल को अलविदा कहा। टीकेआर की कप्तान स्टार हरफनमौला डिएंड्रा डोटिन हैं जिनकी कप्तानी में टीम ने 2021 में पहला सत्र जीता था। झूलन ने कहा, 'इतनी शानदार टीम से जुड़ना गर्व की बात है। नाइट राइडर्स ने इतना शानदार प्रदर्शन किया है और टीकेआर महिला टीम से जुड़ना शानदार है। केकेआर प्रबंधन को इसके लिए धन्यवाद।'

# गुकेश, प्रज्ञानानंदा भारतीय ओलंपियाड टीम में शामिल

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारत के स्टार खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा हंगरी के बुडापेस्ट में सितंबर में होने वाले आगामी शतरंज ओलंपियाड में भाग लेंगे। नवंबर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप में चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को चुनौती देने वाले गुकेश के लिए यह टूर्नामेंट 'ड्रेस रिहर्सल' की तरह होगा।

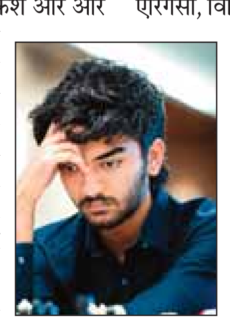

गुकेश ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है। वह अप्रैल में टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष नितिन नारंग ने पुष्टि करते हुए बताया कि टीम में अर्जुन एरिगेसी, विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा भी शामिल हैं। महिला टीम में डी हरिका, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव मौजूद हैं। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी अज्ञात कारणों से टीम से बाहर हैं जिन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था। भारत ने पहली बार 2022 में ओलंपियाड के पिछले चरण की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान देश ने ओपन और महिला दोनों वर्गों में कांस्य पदक जीता था। यह ओलंपियाड का 45वां चरण होगा। हंगरी पहली बार आधिकारिक रूप से इसकी मेजबानी करेगा।

### ग्रैंडमास्टर राजा ने रजत इनियान ने जीता कांस्य

***ला प्लाग्ने।*** *भारतीय ग्रैंडमास्टर राजा ऋत्विक ने यहां ला प्लाग्ने शतरंज ओपन में रजत पदक जीता जबकि हमवतन पन्नीरसेल्वम इनियान ने कांस्य पदक जीता। ऋत्विक ने इनियान, ग्रैंडमास्टर प्रनीथ वुप्पला और अंतरराष्ट्रीय मास्टर धुलिपल्ला बाला चंद्र प्रसाद जैसे अन्य खिलाड़ियों के साथ दूसरे स्थान पर रहने के बाद टाई-ब्रेकर के माध्यम से रजत पदक जीता। इन सभी ने छह से 12 जुलाई के बीच यहां आयोजित प्रतियोगिता में नौ मैचों में सात अंक अर्जित किए थे। इनियान को प्रतियोगिता में छठी वरीयता दी गई थी। फ्रांस के ग्रैंडमास्टर जूल्स मूसार्ड ने 7.5 अंक के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में 17 देशों के 184 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 17 ग्रैंडमास्टर और 40 अंतर्राष्ट्रीय मास्टर शामिल थे।*

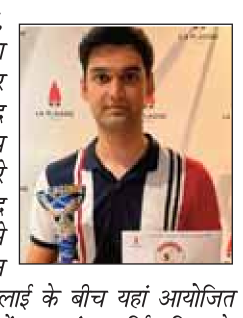

### मिडलटन पुरुष चैंपियन को प्रदान करेंगी ट्रॉफी

**लंदन।** कैंसर का उपचार करा रही ब्रिटेन की वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष एकल फाइनल के विजेता को ट्रॉफी प्रदान करेंगी। उनके कार्यालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। खुद टेनिस खिलाड़ी रह चुकी मिडलटन आल इंग्लैंड लॉन टेनिस की संरक्षक के रूप में फाइनल देखने आएंगी। इसके बाद वह कार्लोस अल्काराज और नोवाक जोकोविच के बीच होने वाले फाइनल के विजेता को ट्रॉफी प्रदान करेंगी।

**कार्यालय वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर (म.प्र.)**
Ph.-0761-2668554,E-mail: cefre.jbp@mp.gov.in

क्र./स्टोर/2024/1986 — **ई - निविदा सूचना** — जबलपुर, दिनांक/10-07-2024

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर के अधीन 4 जिलों की 6 रोपणियों में रोपणी कार्यो हेतु वर्ष 2024-25 (दिनांक 31.03.2025 अथवा आगामी निविदा होने तक जो भी पश्चातवर्ती होगा) लगने वाली अधोसंरचना कार्य / रोपणी उपयोग हेतु सामग्री (कापू मिट्टी, कच्चा गोबर, रेत, ईंट गिट्टी, हार्डमुरूम, स्टील सरिया आदि) क्रय के लिये ई-निविदा की जा रही है जिसकी विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाईट https://mptenders.gov.in एवं www.mpforest.gov.in से प्राप्त कर सकते है। निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रू. 500.00 तथा सत्यांकर की राशि दर्शित अनुसार है, निविदाएं ऑनलाईन ही क्रय की जा सकेंगी एवं ऑनलाईन ही प्रस्तुत करने पर मान्य होगी।

**निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का विवरण निम्नानुसार है-**

| विवरण | दिनांक | समय |
|---|---|---|
| Tender Publishing Date and Time | 12-07-2024 03.00 PM | निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर दर्शित है। |
| Document Download Tender Sale Start Date and Time | 12-07-2024 05.00 PM | |
| Bid Submission Start Date and Time | 13-07-2024 12.00 PM | |
| Bid Submission Close Date and Time | 22-07-2024 12.00 PM | |
| Bid Openning Date and Time | 22-07-2024 03.00 PM | |

G-13431/24 दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।
वन संरक्षक
सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर

26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस में होगा टूर्नामेंट का आयोजन

# स्पोर्ट्स18 नेटवर्क और जियो सिनेमा पर फ्री में देखें ओलंपिक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पेरिस 2024 के आधिकारिक प्रसारण और डिजिटल पार्टनर वायकॉम18 ने भारत में अब तक की सबसे बड़ी और सबसे इमर्सिव ओलंपिक प्रेजेंटेशन की घोषणा की है। इसमें कई खेलों में भारत के लिए ओलंपिक पदक जीत चुके पूर्व चैंपियनों द्वारा किया जाने वाला प्रेजेंटेशन शामिल है। 20 कंकरेंट फीड और चैंपियन ओलंपियनों के साथ व्यापक कवरेज 26 जुलाई, 2024 से स्पोर्ट्स18 नेटवर्क पर और जियो सिनेमा पर निशुल्क शुरू होगा। नेटवर्क ने अपनी

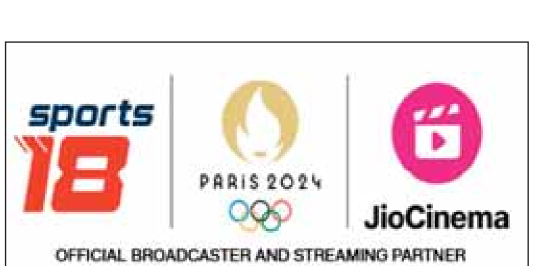


कैम्पेन फिल्म 'दम लगा के हईशा' भी लॉन्च की है, जिसमें ओलंपिक को बिल्कुल अलग तरह से पेश किया गया है।

पहली बार, भारत में ओलंपिक कवरेज को जियोसिनेमा पर 20 कंकरेंट फीड्स में निशुल्क प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे प्रशंसक अपने पसंदीदा डिवाइस पर कभी भी, कहीं भी ओलंपिक खेलों में अपने पसंदीदा एक्शन और भारतीय खिलाड़ियों के परफार्मेंस को देख सकेंगे। प्रेजेंटेशन में 17 खेलों से जुड़े फीड्स और तीन क्यूरेटेड फीड्स होंगे, जो 4के में उपलब्ध होंगे। क्यूरेटेड फीड्स में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में एक इंडिया फीड शामिल होगी, जो दर्शकों को मैदान पर होने वाली भारतीय दल की सभी गतिविधियों को देखने की आजादी देती है। इसके अलावा पहली बार महिला एथलीट फ़ीड पेश किया जाएगा, जो खेलों के दौरान विशेष रूप से महिला ओलंपियन की यात्रा को कैप्चर करेगी। खास तौर पर तैयार फ़ीड में अंग्रेजी और हिंदी भाषा में ग्लोबल एक्शन फ़ीड भी होगी, जिससे दर्शक पेरिस 2024 के दौरान दुनिया के बेहतरीन एथलीटों को एक्शन में देख सकेंगे।

### विशेषज्ञ देंगे खेल की जानकारी

*भारत की पहली महिला कुश्ती ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक (2016 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक), बीजिंग 2008 कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह के साथ पेशकर्ताओं में शामिल होंगी। इसके अलावा पेशकर्ताओं में चार बार की ओलंपियन और छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता और डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर-1 स्थान पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला सानिया मिर्जा के साथ राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सोमदेव देववर्मन भी शामिल होंगे। यही नहीं, दुनिया के सातवें नंबर के लॉन्ग जंपर और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मुरली श्रीशंकर ओलंपिक के दौरान वायकॉम18 के विशेषज्ञ के रूप में बिल्कुल नए अवतार में नजर आएंगे।*

**कार्यालय कलेक्टर, जिला-कटनी ( म.प्र.)**

क्रमांक.511/सार्व.सू./2024 — **सार्वजनिक-सूचना** — कटनी, दिनॉक 11/07/2024

म.प्र. नगर पालिका (कॉलोनी विकास) नियम 2021 के नियम 23 (6) के अंतर्गत अभिन्यास का अंतिम प्रकाशन

नगर परिषद बरही की सीमा में नियम 23 ( 4 ) के अंतर्गत प्रकाशित सार्वजनिक सूचना में नियत कालावधि के अवसान होने पर हितग्राहियों से कोई भी दावा आपत्ति अथवा सुझाव प्राप्त नही हुए हैं। म.प्र. कॉलोनी विकास नियम 2021 के नियम 23 ( 6 ) के अंतर्गत निम्नलिखित अनाधिकृत कॉलोनियों के अभिन्यासों को कॉलोनी विकास नियम 23 (4) के अंतर्गत की गई कार्यवाही उपरांत नागरिक अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए उसके प्राक्कलनों को सम्मिलित करते हुए अभिन्यासों को निम्नानुसार अंतिम रूप प्रदान किया जाता है।

| क्र. | नगरीय निकाय का नाम | अवैध कलोनाईजर का नाम / पिता का नाम | कालोनी विकास की अनुमानित लागत | प्लॉट संख्या | अनाधिकृत कालोनी की भूमि का विवरण | | निकाय विकास शुल्क 50 प्रतिशत (लाख में) | एल.आई.जी. एवं ई. डब्ल्यू.एस. के अतिरिक्त रहवासीयों पर विकास शुल्क 50 प्रतिशत (लाख में) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | खसरा क्रमांक | पटवारी ह.नं. | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 1 | नगर परिषद बरही | श्री प्रभुदत्त तिवारी पिता राम विशाल तिवारी | 14.48 लाख | 02 | 937/11, 937/12, 937/7ग | प.ह.न. 10 बरही | 7.24 | 7.24 |
| 2 | नगर परिषद बरही | श्री हरिहर पटेल पिता दीनबंधु पटेल | 8.05 लाख | 02 | 937/11, 937/12, 937/7ग | प.ह.न. 10 बरही | 4.025 | 4.025 |
| 3 | नगर परिषद बरही | श्री संदीप अग्रवाल पिता लालजी अग्रवाल | 15.12 लाख | 01 | 937/11, 937/12, 937/7ग | प.ह.न. 10 बरही | 7.56 | 7.56 |
| 4 | नगर परिषद बरही | श्री पीयूष अग्रवाल पिता कमला प्रसाद | 13.40 लाख | 02 | 937/11, 937/12, 937/7ग | प.ह.न. 10 बरही | 6.07 | 6.07 |
| 5 | नगर परिषद बरही | श्री रामावतार तिवारी पिता विश्वनाथ तिवारी | 11.36 लाख | 01 | 937/11, 937/12, 937/7ग | प.ह.न. 10 बरही | 5.68 | 5.68 |

उपरोक्त लिखित अनाधिकृत कॉलोनियों के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय नगर परिषद बरही में कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।
कलेक्टर
जिला-कटनी (म.प्र.)

*हाई कोर्ट का राहतकारी अंतरिम आदेश*

# आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति निरस्त करने पर रोक

**जबलपुर।** हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने राहतकारी अंतरिम आदेश के जरिये आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति निरस्त करने पर रोक लगा दी। इसी के साथ राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया। इसके लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है।

याचिकाकर्ता सागर निवसी कल्पना बंसल की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि याचिकाकर्ता सागर, मकरोनिया के वार्ड नंबर-16 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बतौर पदस्थ थी। संभागायुक्त ने नियुक्ति निरस्त करने का आदेश पारित कर दिया। जबकि याचिकाकर्ता की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद पर महिला बाल विकास विभाग द्वारा 2017 में विधिवत नियुक्ति हुई थी। विज्ञापन के आधार पर आवेदन किया गया था। उसके अलावा मालती अहिरवार सहित 23 महिलाएं आवेदक थीं। चूंकि याचिकाकर्ता को सर्वाधिक अंक मिले, अतः वह नियुक्त हो गई। इस नियुक्ति के विरुद्ध मालती ने कलेक्टर, सागर के समक्ष अपील प्रस्तुत की थी। कलेक्टर ने अपील निरस्त कर दी। जिसके विरुद्ध संभागायुक्त के समक्ष द्वितीय अपील की गई। जिसे स्वीकार कर संभागायुक्त ने याचिकाकर्ता की नियुक्ति निरस्त करने का आदेश सुना दिया। साथ ही मालती को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नियुक्त कर दिया।

### गरीबी रेखा प्रमाण पत्र की अनदेखी

*अधिवक्ता ने दलील दी कि याचिकाकर्ता कल्पना के पति के पास गरीबी रेखा से नीचे का प्रमाण पत्र है। उसी को संलग्न कर आंगनबाड़ी का आवेदन किया था। जिसके 10 अंक अतिरिक्त मिले थे। इससे नियुक्ति हो गई थी। हाई कोर्ट ने तर्क सुनने के बाद आगामी आदेश तक कल्पना को पद पर बने रहने की राहत दे दी।*

झांसी मंडल में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य

# 15 और 16 जुलाई को लखनऊ जाने वाली चित्रकूट एक्सप्रेस रद्द

**जबलपुर।** जबलपुर से लखनऊ जाने-आने की एक मात्र ट्रेन चित्रकूट एक्सप्रेस को 15 और 16 जुलाई को रद्द कर दिया है। यात्रियों के पास फिलहाल दूसरी ट्रेन का कोई विकल्प भी नहीं है। ट्रेनों का रूट बदलने से लेकर समय बदलने का सिलसिला जारी है। ट्रेनों को रद्द करने से यात्री ज्यादा परेशान हैं। रेलवे ने इसकी वजह झांसी मंडल में नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य बताया है।रेलवे के मुताबिक चित्रकूट एक्सप्रेस में गाड़ी संख्या 15205 लखनऊ से जबलपुर चित्रकूट एक्सप्रेस दिनांक 15 जुलाई 2024 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। वहीं गाड़ी संख्या 15206 जबलपुर से लखनऊ चित्रकूट एक्सप्रेस दिनांक 16 जुलाई 2024 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। इन ट्रेनों के रद्द होने से उन यात्रियों की परेशानी बढ़ गई जिन्होंने तीन से चार माह पूर्व इस ट्रेन में अपना आरक्षण करा रखा था।

### अगस्त से इन दो ट्रेनों के समय में बदलाव

रेलवे ने ट्रेनों के समय में बदलाव कर दिया है। इस ट्रेनों में बदले गए समय का संशोधन 11 एवं 15 अगस्त से प्रभावी होगा। इन ट्रेनों में जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन एमपी संपर्प क्रांति एक्सप्रेस 11 अगस्त को जबलपुर स्टेशन से पहले रवाना होने का समय 19:30 बजे की जगह अब 19:20 बजे रवाना होगी। जबलपुर-अजमेर दयोदय एक्सप्रेस 11 अगस्त जबलपुर स्टेशन से 20:50 बजे की जगह अब 20:35 बजे रवाना होगी। इसी तरह जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस 11 अगस्त से 17:45 बजे की जगह अब 17:30 बजे रवाना होगी। जबलपुर-संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस 15 अगस्त से 20:35 बजे की जगह अब 20:20 बजे जबलपुर स्टेशन से रवाना होगी। बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस 11 अगस्त से बरौनी स्टेशन से रवाना होकर कटनी पहुंचने का समय 06:35 बजे की जगह अब 06:15 बजे रहेगा।

# सेवानिवृत्त कर्मी को वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ दें : हाईकोर्ट

**जबलपुर।** मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक जैन की एकलपीठ ने याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त कर्मी को वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ देने के निर्देश दिए। सिवनी में नागरिक आपूर्ति विभाग में जिला आपूर्ति अधिकारी के पद पर पदस्थ रहे शैलेष शर्मा 30 जून 2024 को सेवानिवृत्त हुए। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अजय रायजादा ने दलील दी कि याचिकाकर्ता अपनी सेवाकाल की अवधि के तहत एक जुलाई को मिलने वाले वार्षिक वेतनवृद्धि के हकदार हैं। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के विभिन्न फैसलों के तहत राज्य शासन के वित्त विभाग ने भी 15 मार्च 2024 को इस संबंध में परिपत्र जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की सेवाकाल अवधि का सत्यापन कर दो माह के भीतर वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ प्रदान करें।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240